वार्षिक रिपोर्ट

2015 - 2016

LBSNAA

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी

प्रकाशकः

प्रशिक्षण अनुसंधान एवं प्रकाशन प्रकोष्ठ
लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
अकादमी की वार्षिक रिपोर्ट अकादमी वेबसाइट http://www.lbsnaa.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

मुद्रकः

प्रिंट विजन
41–सी राजपुर रोड, देहरादून – 248001, उत्तराखंड
फोन नं0 – 0135–2741702/26532172
ई–मेल : printvisionddn@gmail.com, office@printvisionindia.com
वेबसाइट : www.printvisionindia.com

अकादमी मिशन तथा आधारभूत मूल्य

मिशन

''हम उचित देखभाल, नैतिक और पारदर्शी ढांचे में एक व्यावसायिक एवं जिम्मेदार सिविल सेवा के निर्माण की दिशा में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान कर के सुशासन को बढ़ाना चाहते हैं।''

आधारभूत मूल्य

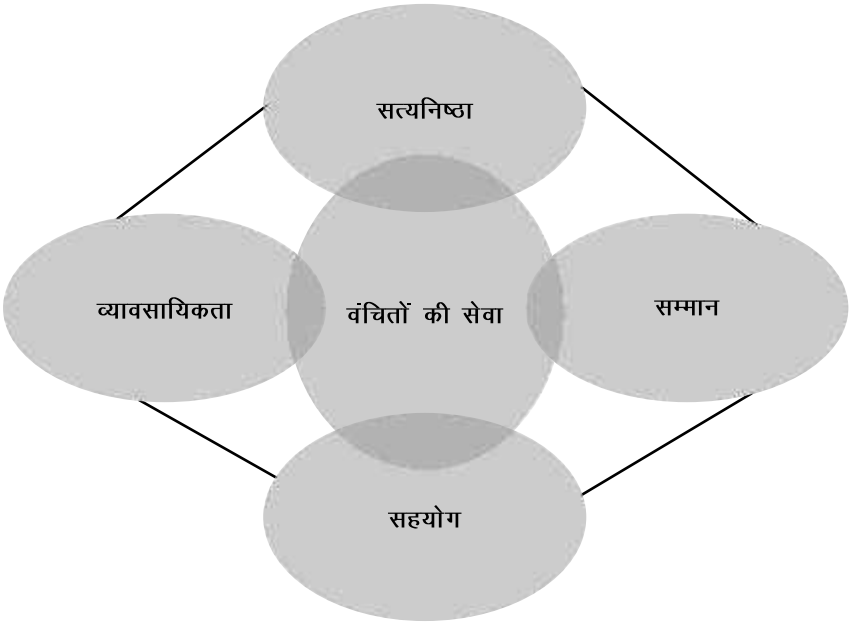

वंचितों की सेवा

''लोगों के साथ कार्य करते हुए अपने दृष्टिकोण में मानवता रखना, वंचितों की ताकत बनना तथा उनके खिलाफ किसी भी अन्याय के समाधान में सक्रिय होना। आप इस प्रयास में सफलता प्राप्त कर सकते हैं यदि आप सत्यनिष्ठा, सम्मान, व्यावसायिकता और सहयोग के साथ कार्य करें।''

सत्यनिष्ठा

''अपने विचारों, शब्दों तथा कार्यों में एकरूप होना जो आप को विश्वसनीय बनाती है। दोषारोपण में साहस रखना तथा सदैव बिना किसी भय के, यहां तक कि सबसे शक्तिशाली व्यक्ति से भी सत्य बोलना। किसी भी भ्रष्टाचार को कदापि सहन न करें, इसका विनम्रता या बौद्धिकता से सामना करें।

सम्मान

जाति, धर्म, रंग, लिंग, आयु, भाषा, क्षेत्र, विचारधारा तथा सामाजिक – आर्थिक स्थिति की भिन्न्ता को अपनाना। सभी के साथ विनम्रता तथा सहानुभूति के साथ पेश आएं। भावात्मक रूप से स्थिर रहें, विश्वास के साथ तथा अहंकार के बिना आगे बढ़ें।

व्यावसायिकता

अपने दृष्टिकोण में न्यायसंगत तथा अराजनैतिक रहना, कार्य तथा परिणाम के लिए पूर्वाग्रह के साथ अपने कार्य के प्रति व्यावसायिक तथा पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहना और नियमित रूप से सुधार एवं उत्कृष्टता का लक्ष्य रखना।

सहयोग

मतैक्य के लिए सभी के साथ गंभीरता से कार्य कर के विचारों तथा कार्यों में सहयोग करना। दूसरों को प्रोत्साहित करना, टीम भावना हो बढ़ावा देना तथा दूसरों से सीखने के लिए खुलकर चर्चा करना। पहल करना तथा जिम्मेदारी लेना।

विषय सूची

अकादमी मिशन तथा आधारभूत मूल्य iii

अध्याय 1: ला.ब.शा.रा.प्र.अ परिचय 1

उत्पत्ति एवं विकास क्रम 1

प्रशिक्षण पद्धति 2

क्षेत्र भ्रमण 3

संघ–भाव को बढ़ावा 3

परिसर 3

ला.ब.शा.रा.प्र.अ. के निदेशक, संयुक्त निदेशक 3

अध्याय 2: 2015–16 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम 4

अध्याय 3: पाठ्यक्रमों एवं गतिविधियों का विवरण 6

प्रवेशकालीन पाठ्यक्रम

90वां आधारिक पाठ्यक्रम 6

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–I (2014–16 बैच) 9

जिला प्रशिक्षण (52 सप्ताह) 14

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–II (2013–15 बैच) 15

भा.प्र. सेवा अधिकारियों के लिए मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम 17

राज्य सिविल सेवाओं से भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित/प्रोन्नत अधिकारियों के लिए 117वाँ प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम 26

मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण–III (9वां दौर) 17

मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण–IV (10वां दौर) 20

मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण–V (9वां दौर) 23

वर्कशाप/सेमिनार/अन्य

1965 बैच के अधिकारियों का स्वर्ण जयंति पुनर्मिलन 28

अध्याय 4: अकादमी के सहायक केंद्र 29

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र एकक (एनआईसी यूनिट) 29

आपदा प्रबंधन केंद 31

ग्रामीण अध्ययन केंद 32

राष्ट्रीय भू–अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (एनएलआरएमपी) सेल 35

राष्ट्रीय जेंडर केंद्र 35

अध्याय 5: क्लब एवं सोसाइटियां 41

साहसिक खेल–कूद क्लब 41

कंप्यूटर सोसाइटी 41

ललित कला एसोसिएशन 41

फिल्म सोसाइटी 41

अभिरूचि क्लब 42

प्रबंधन मंडल 42

प्रकृति प्रेमी क्लब 43

अधिकारी क्लब 43

राइफल एवं धनुर्विद्या क्लब 44

समकालीन क्रियाकलाप सोसाइटी 44

अधिकारी मैस 44

समाज सेवा सोसाइटी 45

अध्याय 6: अकादमी संसाधन 46

गांधी स्मृति पुस्तकालय 46

वित्तीय विवरण 47

राजभाषा 48

प्रशिक्षण अनुसंधान एवं प्रकाशन प्रकोष्ठ 49

परिशिष्टियां 52

परिशिष्ट 1: भौतिक अवसंरचना 52

परिशिष्ट 2: ला.ब.शा.रा.प्र.अ. के निदेशकों एवं संयुक्त निदेशको की सूची 53

परिशिष्ट 3: अकादमी के संकाय सदस्य एवं अधिकारी 55

परिशिष्ट 4: 90वें आधारिक पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों का सेवावार ब्यौरा 57

परिशिष्ट 5: भा0प्र0 सेवा चरण–I (2014–16 बैच) के प्रतिभागियों का राज्यवार/संवर्ग ब्यौरा 58

परिशिष्ट 6: भा0प्र0 सेवा चरण–II (2013–15 बैच) के प्रतिभागियों का राज्यवार/संवग ब्यौरा 59

परिशिष्ट 7: भा0प्र0 सेवा चरण–III 9वें दौर के प्रतिभागियों का राज्यवार/संवग ब्यौरा 60

परिशिष्ट 8: भा0प्र0 सेवा चरण–IV 10वें दौर के प्रतिभागियों का राज्यवार/संवग ब्यौरा 62

परिशिष्ट 9: भा.प्र. सेवा (चरण–V) के मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम के 9वें दौर के प्रतिभागियों का राज्यवार/संवग ब्यौरा 64

परिशिष्ट 10: 117वें प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का राज्यवार/संवग ब्यौरा 65

अध्याय 1

परिचय

ला.ब.शा.रा.प्र.अ

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, (ला.ब.शा.रा.प्र.अ.) मसूरी भारत में सर्वोच्च सिविल सेवाओं के सदस्यों के लिए एक मुख्य प्रशिक्षण संस्थान है।ला.ब.शा.रा.प्र.अ. कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार का अधीनस्थ कार्यालय है। इसका नेतृत्व निदेशक द्वारा किया जाता है जो भारत सरकार के अपर सचिव/संयुक्त सचिव स्तर का अधिकारी होता है।

ला.ब.शा.रा.प्र.अ. विभिन्न रैंकों पर नियुक्त सिविल सेवकों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण मॉड्यूलों का संचालन करता है। यहां अखिल भारतीय सेवाओं और केन्द्रीय सेवाओं के समूह 'क' के नव–नियुक्त अधिकारियों के लिए साझा आधारिक पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। यह अकादमी आधारिक पाठ्यक्रम के बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा के नियमित सदस्यों तथा रॉयल भूटान सेवा के सदस्यों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देती है। अकादमी भा0 प्र0 सेवा के सदस्यों के लिए सेवाकालीन तथा मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमसीटीपी) और राज्य सिविल सेवाओं से भा0 प्र0 सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए अकादमी में नियमित अंतराल पर प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ–साथ नीतिगत मामलों पर कार्यशालाओं तथा सेमिनारों का भी आयोजन करती है।

उत्पत्ति एवं विकास क्रम

तत्कालीन गृहमंत्री ने 15 अप्रैल, 1958 को लोकसभा में एक ऐसी राष्ट्रीय प्रशिक्षण अकादमी स्थापित करने संबंधी प्रस्ताव की घोषणा की थी जहां वरिष्ठ सिविल सेवाओं में भर्ती सभी सदस्यों को आधारिक और मूलभूत विषयों का प्रशिक्षण दिया जाए। गृह मंत्रालय ने आई.ए.एस. ट्रेनिंग स्कूल, दिल्ली और आई.ए.एस. स्टाफ कालेज, शिमला को मिलाकर मसूरी में राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी स्थापित करने का निर्णय लिया। 1959 में अकादमी की स्थापना की गई तथा इसका नाम 'राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी' रखा गया। इसे भारत सरकार गृह मंत्रालय के अंतर्गत 'संबद्ध कार्यालय' का दर्जा प्राप्त था। अक्तूबर, 1972 में इसका नाम बदलकर 'लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी' कर दिया गया। जुलाई 1973 में, इसके नाम में 'राष्ट्रीय' शब्द भी जोड़ा गया और अब यह अकादमी 'लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी' के नाम से जानी जाती है। यह अकादमी 1870 में बने प्रतिष्ठित ''शार्लेविल होटल'' में शुरू की गई थी। यहां अकादमी की शुरुआत के लिए आधारिक संरचना मौजूद थी। इसके बाद इसमें काफी विस्तार किया गया। पिछले कई वर्षों में कई नए भवन बनाए और खरीदे भी गए।

15 अप्रैल, 1958	लोकसभा में तत्कालीन गृह मंत्री द्वारा अकादमी स्थापित करने की घोषणा
13 अप्रैल, 1959	मेटकॉफ हाऊस, नई दिल्ली में 115 अधिकारियों के प्रथम बैच ने प्रशिक्षण आरंभ किया
1 सितम्बर, 1959	मसूरी में अकादमी की शुरुआत
1969	अकादमी में चरण–। का सेंडविच पैटर्न की शुरूआत। जिला प्रशिक्षण (संबंधित राज्य संवर्गों के संबंध में) के बाद कैंपस प्रशिक्षण पर चरण–।। प्रशिक्षण आरंभ किया गया। इससे पूर्व आधारिक पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण दिया जा रहा था, बाद में 8 माह का व्यावसायिक प्रशिक्षण आरंभ किया गया।
आरंभ से 31.8.1970 तक	अकादमी गृह मंत्रालय के अधीन कार्य कर रही थी।
1.9.1970 से अप्रैल 77 तक	अकादमी ने मंत्रिमंडल सचिवालय मामले विभाग के अधीन कार्य–किया
अक्टूबर, 1972	अकादमी के पूर्व नाम "प्रशासन अकादमी" में "लाल बहादुर शास्त्री" जोड़ा गया

जुलाई, 1973	"राष्ट्रीय" शब्द जोड़ा गया और अब अकादमी को "लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी" के नाम से जाना जाता है।
अप्रैल, 1977 से मार्च, 1985	अकादमी गृह मंत्रालय के अधीन कार्य कर रही थी।
अप्रैल, 85 से अब तक	अकादमी ने कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय के अधीन कार्य करना आरंभ किया।
1988	राष्ट्रीय सूचना–विज्ञान केंद्र एवं प्रशिक्षण यूनिट (निक्टू) की स्थापना की गई।
1989	राष्ट्रीय जेंडर केंद्र – यह सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1961 के अंतर्गत पंजीकृत सोसाइटी है।
1989	ग्रामीण अध्ययन केंद्र की स्थापना
2004	आपदा प्रबंधन केंद्र की स्थापना
3 नवंबर, 1992	कर्मशिला भवन का उद्घाटन, भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति माननीय श्री के.आर. नारायणन द्वारा किया गया।
9 अगस्त 1996	कालिंदी भवन का उद्घाटन तत्कालीन राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन एवं संसदीय कार्यमंत्री माननीय श्री एस.आर. बालासुब्रह्मणयम द्वारा किया गया।
9 अगस्त,1996	ध्रुवशिला भवन का उदघाटन, तत्कालीन राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन एवं संसदीय कार्यमंत्री माननीय श्री एस.आर. बालासुब्रह्मणयम द्वारा किया गया।
8 सितंबर, 2004	अस्पताल ब्लॉक का उद्घाटन तत्कालीन गृह मंत्री माननीय श्री शिराज वी. पाटिल द्वारा किया गया।
29 जून, 2015	आधारशिला ब्लॉक का उद्घाटन राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन, माननीय डॉ0 जितेन्द्र सिंह द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण पद्धति

इस अकादमी का यह प्रयास रहता है कि देश के लिए ऐसा अधिकारी–तंत्र तैयार करने में मदद की जाए जो अपने पद की अपेक्षा, अपने कार्यों से सम्मान पा सकें। पाठ्य–विवरण को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए उनकी निरंतर समीक्षा कर अद्यतन किया जाता है। ऐसा करने के लिए राज्य काउंसलरों के माध्यम से राज्य सरकारों से और अर्धवार्षिक सम्मलेनों में राज्य सरकारों की सलाह, प्रतिभागियों के फीडबैक और इस उद्देश्य के लिए गठित सरकारी समितियों की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है। केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों से भी समय–समय पर विचार–विमर्श किया जाता है। यह स्पष्ट है कि प्रवृत्तियों और मूल्यों की महत्ता को उजागर करने के लिए कक्षा–व्याख्यान की विधि बहुत उपयुक्त नहीं है। अधिकांश पाठ्यक्रम मॉड्यूल के अनुसार चलते हैं, इसके अनुसार उपयुक्त विषय चुने जाते हैं और उसके सभी पहलुओं पर विचार करते हुए, सुव्यस्थित तरीके से उसका व्यापक अध्ययन किया जाता है।

मॉड्यूल में निम्नलिखित सभी या कुछ विधियां प्रयुक्त की जाती हैं:–

- अकादमी के संकाय तथा अतिथि संकाय, दोनों द्वारा व्याख्यान
- विविध विचारों को जानने के लिए पैनल परिचर्चा
- प्रकरण अध्ययन (केस स्टडी)
- फिल्में
- समूह परिचर्चा
- अनुकरण अभ्यास
- संगोष्ठियां
- मूट कोर्ट और मॉक ट्रायल
- आदेश और निर्णय लेखन अभ्यास
- प्रयोगात्मक निदर्शन

- समस्या समाधान अभ्यास
- रिपोर्ट लेखन (सत्र आलेख)
- समूह कार्य

फील्ड भ्रमण

हिमालय ट्रैक–ऐसे ट्रैकों के दौरान अधिकारी प्रशिक्षणार्थी कठिन भू–क्षेत्र, अप्रत्याशित मौसम, अपर्याप्त आवास और खाद्य–पदार्थों की कम उपलब्धता जैसी दशाओं में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की हिम्मत की परीक्षा होती है। इस यात्रा के दौरान उनकी वास्तविक सामर्थ्य और दुर्बलताएं सामने आ जाती हैं।

पिछड़े जिलों के गांव का दौरा – अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा ग्रामीण जीवन की समस्याओं और वास्तविकताओं को समझने के लिए पिछड़े जिलों के गांवों का दौरा किया जाता है। इन फील्ड भ्रमणों तथा ग्रामीण लाभार्थियों के साथ विचार–विनिमय के जरिए, समाज पर सरकारी कार्यक्रमों के प्रभाव, कार्य अनुसंधान भी किया जाता है।

संघ–भाव को बढ़ावा

अखिल भारतीय सेवाओं तथा केंद्रीय सेवा समूह 'क' के सभी अधिकारी प्रशिक्षणार्थी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी से ही अपने व्यावसायिक जीवन की शुरुआत करते हैं। यह सरकारी क्षेत्र में कार्य करने का उनका पहला अनुभव होता है। परिणामस्वरूप, यह संस्था विभिन्न सिविल सेवाओं के युवा अधिकारियों के बीच जुड़ाव की भावना कायम करते हैं। इस प्रकार यह अकादमी अधिकारियों के बीच ऐसा भाईचारा स्थापित करती है कि वे अपने पुराने दिनों को याद करते हैं। अकादमी की यह अनोखी विशिष्टता, इसकी आधुनिक अवसंरचना के अतिरिक्त, नवीन एवं पुरातन का अनोखा मिश्रण है।

परिसर

अकादमी की मुख्य विशेषता यह है कि उसकी नवीनतम अवसंरचना के अतिरिक्त, उसके अद्वितीय पुरातन एवं नवीनता का मेल है। प्रसिद्ध शार्लेविले होटल जिसका निर्माण 1870 में किया गया था, अकादमी की अवस्थिति एवं आरंभिक अवसंरचना उपलब्ध कराता है तत्पश्चात इसका विस्तार किया गया। विभिन्न विगत पाठ्यक्रमों के दौरान नये भवन निर्मित किए गए तथा अन्य का अधिग्रहण किया गया। अकादमी तीन परिसरों शार्लेविले, ग्लेनमायर तथा इंदिरा भवन में फैला हुआ है। प्रत्येक की अपनी विशिष्ट प्रकृति है। शार्लेविले में नये प्रशिक्षणार्थियों को तथा संरचित पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण दिया जाता है। ग्लेनमायर में पूर्व का राष्ट्रीय प्रशासनिक अनुसंधान संस्थान अवस्थित है तथा इंदिरा भवन परिसर में सेवाकालीन प्रशिक्षण तथा अन्य विशिष्ट पाठ्यक्रमों, कार्यक्रमों, कार्यशालाओं तथा संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता है। अकादमी की अवसंरचनाओं का अतिरिक्त विवरण अनुलग्नक –I में संलग्न है।

अकादमी प्रमुख

अकादमी का नेतृत्व भारत सरकार के अपर सचिव रैंक का अधिकारी करता है। अकादमी में सेवा के प्रसिद्धी प्राप्त सदस्यों द्वारा इसका नेतृत्व किया जाता रहा है। अकादमी के आरंभ से इसके निदेशकों तथा संयुक्त निदेशकों की सूची अनुलग्नक–II में दी गई है अकादमी के अधिकारियों की सूची अनुलग्नक –III में दी गई है।

अध्याय 2

वर्ष 2015-16 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान ला.ब.शा.रा.प्र.अ. की विभिन्न अनुसंधान इकाइयों द्वारा आयोजित गोष्ठियों/कार्यशालाओं के अतिरिक्त कुल 7 व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। कुल 1346 प्रतिभागी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में उपस्थित रहे। निम्नलिखित तालिका वर्ष 2015–16 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षणार्थियों का वितरण प्रदर्शित करती है। पाठ्यक्रम की विशेषताएं अध्याय–3 में दी गई है।

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम समन्वयक	कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या		
				पु.	म.	योग
प्रवेशकालीन पाठ्यक्रम						
1.	भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–I (2014–16 बैच)	श्रीमती जसप्रीत तलवार	15 दिसंबर, 2014 से 12 जून, 2015 तक	127	56	183
2.	भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–II (2013–15 बैच)	श्रीमती रोली सिंह	29 जून, 2015 से 21 अगस्त, 2015 तक	127	50	177
3.	अखिल भारतीय सेवाओं तथा केंद्रीय सेवाओं (समूह–'क') 2015 भर्ती पात्र सदस्यों के लिए 90वां आधारिक पाठ्यक्रम	श्रीमती निधि शर्मा	7 सितंबर, 2015 से 18 दिसंबर, 2015 तक	249	104	353
4.	राज्य सिविल सेवा से पदोन्नत/ भा.प्र. सेवा की चयन सूची में आने वाले अधिकारियों के लिए 117वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	श्री दुष्यंत नरियाला	27 जुलाई, 2015 से 4 सितंबर, 2015 तक	67	8	75
मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम						
5.	भा0प्र0 सेवा अधिकारियों के लिए 9वां मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम, चरण– III	डॉ0 प्रेम सिंह	1 जून, 2015 से 17 जुलाई, 2015 तक	92	20	112
6.	भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए 10वां मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण–IV	श्री तेजवीर सिंह	6 अप्रैल, 2015 से 22 मई, 2015 तक	46	16	62
7.	भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए 9वां मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण–V	श्री राजीव कपूर	11 अक्टूबर, 2015 से 6 नवंबर, 2015 तक	84	13	97
कार्यशाला/सेमिनार तथा अन्य कार्यक्रम						
8.	1965 बैच के अधिकारियों का स्वर्ण जयंति पुनर्मिलन	श्री अभिषेक स्वामी	25 मई 2014 से 26 मई 2014 तक	82	6	88

9.	महिला एवं बाल हिंसा पर प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	राष्ट्रीय जेंडर केंद्र	24 अगस्त, 2015 से 28 अगस्त, 2015 तक	14	25	39
10.	कांक्लेव ऑन जेंडर एंड चाइल्ड राइट इशूज	राष्ट्रीय जेंडर केंद्र	28 जनवरी, 2016 से 30 जनवरी, 2016 तक	28	52	80
11.	द शिड्यूल्ड ट्राइब्स एंड अदर ट्रेडिशनल फोरेस्ट ड्वेलर्स (रिकगनिशन ऑफ फोरेस्ट राइट) एक्ट 2006 फॉर एकेडमिशियन्स, सोशल एक्टीविस्ट्स, सिनियर ब्यूरोक्रेट्स, सिनियर फॉरेस्ट ऑफिशियल्स, एंड कंसर्न्ड सिटीजन्स	ग्रामीण अध्ययन केंद्र	20 अप्रैल 2015 से 21 अप्रैल, 2015 तक	15	06	21
12.	जर्नी टूवार्डस लैंड टाइटलिंग फॉर एकेडमिशियन्ससोशल एक्टीविस्ट्स, सिनियर ब्यूरोक्रेट्स, सिनियर फॉरेस्ट ऑफिशियल्स, एंड कंसर्न्ड सिटीजन्स	ग्रामीण अध्ययन केंद्र	23 अप्रैल, 2015 से 24 अप्रैल, 2015 तक	20	02	22
13.	कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफ अरबन लोकल बॉडिज ऑफ अरबन क्लाइमेट चेंज रेसिलिएन्स	आपदा प्रबंधन केंद्र	24 अगस्त, 2015 से 26 अगस्त, 2015 तक	16	02	18
14.	प्रकरण लेखन तथा शिक्षण कार्यशाला	प्रशिक्षण अनुसंधान एवं प्रकाशन प्रकोष्ठ	4 जनवरी, 2016 से 8 जनवरी, 2016 तक	13	06	19
			कुल योग	**980**	**366**	**1346**

उपरोक्त के अतिरिक्त, राज्य सिविल सेवा के अधिकारियों के लिए जिन्होंने भा.प्र.सेवा में प्रवेश किया है (पदोन्नति/चयन), बैकलॉग हटाने हेतु निम्नलिखित छः सप्ताह का प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम ला.ब.शा.रा.प्र.अ के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

संस्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
ला.ब.शा.रा.प्र.अ. मसूरी	27–7–2015 से 4–9–2015	75
ए.टी.आई. पश्चिम बंगाल	3–8–2015 से 11–9–2015	60
ए.टी.आई. मैसूर	17–8–2015 से 25–9–2015	54
आई.एम.जी. केरल	7–9–2015 से 16–10–2015	42
ए.टी.आई. पश्चिम बंगाल	16–11–2015 से 24–12–2015	40
ए.टी.आई. मैसूर	23–11–2015 से 2–1–2016	50
आई.एम.जी. केरल	9–11–2015 से 18–12–2015	30

ला.ब.शा.रा.प्र.अ. के नेतृत्व के अंतर्गत, अपना अनिवार्य प्रशिक्षण पूर्ण नहीं करने वाले अधिकारियों का बैकलॉग के लिए निम्नानुसार प्रशिक्षण आयोजित किए गए।

संस्थान	प्रतिभागियों की संख्या
डा0 मेरी चन्ना रेडडी मानव संसाधन विकास संस्थान, हैदराबाद	64
हरियाला लोक प्रशासन संस्थान, गुड़गांव	77

अध्याय 3

पाठ्यक्रम तथा गतिविधियां - विषेशताएं

अकादमी में प्रत्येक वर्ष कई पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इनमें से आधारिक पाठ्यक्रम मुख्यतः ज्ञान आधारित होता है। व्यावसायिक पाठ्यक्रम मूलतः कौशल केंद्रित होता है तथा सेवाकालीन पाठ्यक्रम मुख्यतः सरकार में वरिष्ठ पदभार ग्रहण करने हेतु नीति निर्धारण क्षमताओं में वृद्धि करने पर केंद्रित होते हैं।

विभिन्न पाठ्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार हैः

आधारिक पाठ्यक्रम

यह पाठ्यक्रम अखिल भारतीय सेवाओं के सदस्यों के लिए है : भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय वन सेवा तथा भारतीय विदेश सेवा एवं विभिन्न केंद्रीय सेवाएं (समूह –'क'), इसे अब वर्ष में सामान्यत : एक बार सितंबर से दिसंबर तक संचालित किया जाता है। चूंकि अधिकारी प्रशिक्षणार्थी सरकार में नए प्रवेशक होते हैं अतः हम उनको एक निर्धारित पाठ्यक्रम द्वारा राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तथा प्रशासनिक विषयों से अवगत कराने का प्रयास करते हैं।

90वां आधारिक पाठ्यक्रम

(07 सितंबर, 2015 से 18 दिसंबर, 2015)

पाठ्यक्रम का लक्ष्य/लक्ष्य समूह	अखिल भारतीय सेवाओं, तथा केन्द्रीय सेवाओं (समुह 'क')–2015 के भर्ती पात्र सदस्यों के लिए
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती निधि शर्मा, उपनिदेशक (वरिष्ठ)
सह–पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती जसप्रीत तलवार, संयुक्त निदेशक श्री जयंत सिंह, उपनिदेशक (वरिष्ठ) श्री सी. श्रीधर, उपनिदेशक (वरिष्ठ) श्रीमती अश्वती एस0 उपनिदेशक श्रीमती तुलसी मद्दिनेनी, उपनिदेशक
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री संजय कोठारी, भा.प्र. सेवा, सचिव भारत सरकार, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय
विदाई समारोह संबोधन	श्री डी.आर. मेहता, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त) पूर्व अध्यक्ष सेबी
प्रतिभागियों की संख्या	कुल 353 (पुरुष 249, महिला 104)

90वें आधारिक पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों का ब्योरा परिशिष्ट –4 में संलग्न है।

लक्ष्य

90वें अधारिक पाठ्यक्रम का उद्देश्य 253 युवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों में अधिकारी सदृश गुणों को विकसित करना है। आधारिक पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश की विभिन्न सेवाओं में संबद्ध अधिकारियों में संघ–भाव को विकसित करना है। अकादमी रॉयलभूटान सिविल सेवा के अधिकारियों को भी 90वें आधारिक पाठ्यक्रम के भाग के रूप में प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की। 15 सप्ताह का यह पाठ्यक्रम 7 सितंबर, 2015 को आरंभ हो कर 18 दिसंबर को समाप्त हुआ। यह प्रशिक्षण अध्ययन विषय तथा पाठयेत्तर गतिविधियों का एक सम्मिश्रण है जिसे अकादमी के संकाय के अतिरिक्त प्रशिक्षकों और सार्वजनिक जीवन के सभी क्षेत्रों से बुलाए गए वक्ताओं के एक विवेक पूर्ण मिश्रण द्वारा पूरा किया जाता है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को देश के प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक परिदृश्य की जानकारी देना।
- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को सिविल सेवा में आने वाली चुनौतियों तथा अवसरों से अवगत कराना।
- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के व्यक्तित्व की सभी विशेषताओं जैसे बुद्धिमत्ता, नैतिकता, शारीरिक तथा सौंदर्य का विकास करना।
- संघ–भाव को विकसित करके विभिन्न सिविल सेवाओं के सदस्यों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

आधारिक पाठ्यक्रम में कॉलेज तथा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक दुनिया से अलग सरकार की व्यवस्थित प्रणाली में कार्य करने पर ध्यान दिया जाता है। अधिकांश प्रतिभागियों के लिए यह पाठ्यक्रम सरकार और शासन एवं समाज में सरकार की भूमिका के बारे में पहला परिचय था। पाठ्यक्रम की रूपरेखा इस तरह से बनाई गई है ताकि शैक्षणिक, बाह्य क्रियाकलाप, पाठ्येत्तर तथा सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों का समिश्रण करके रेखांकित उद्देश्यों की प्राप्ति की जा सके। अकादमी का उद्देश्य प्रत्येक अधिकारी प्रशिक्षणार्थी को उन आधारिक मूल्यों, कौशलताओं तथा ज्ञान से तैयार करना है जो उनके व्यवसाय में सहायक हो। उन्हें सरकारी क्षेत्रों में प्रभावी कार्य–निष्पादन के लिए जरूरी शासन की बुनियादी अवधारणाओं, नियमों तथा विनियमों को समझने में उपयोगी प्रशिक्षण सामग्रियां उपलब्ध कराई जाती है।

पाठ्यक्रम समन्वयक की रिपोर्ट

हमने भूटान के अपने प्रशिक्षणार्थियों सहित विभिन्न सेवाओं के 353 अधिकारियों के साथ 90वें आधारिक पाठ्यक्रम की यात्रा का आरंभ किया। प्रशिक्षणार्थियों को अधिकारी सदृश गुणों तथा प्रवृत्तियों को प्राप्त करने में सक्षम बनाने और संघ–भाव को आत्मसात करने के लिए उन्हें जेंडर सेवा तथा क्षेत्र जैसे परिवर्तनशील परिस्थितियों पर समूहबद्ध, पुनः समूहबद्ध तथा क्रमबद्ध किया गया ताकि वे एक तो अल्प समय एवं दूसरा पाठ्यक्रम टीम की दो प्रतिकूल परिस्थितियों में चुनौतीपूर्ण कार्यों को निष्पादित कर सके।

यद्यपि इन्होंने कक्षा में आचार नीति, शिष्टाचार तथा नेतृत्व की बुनियादी जानकारी प्राप्त की तथापि ये अन्य स्थानों के अलावा रूपकुंड तथा रुपिनपास की जैसे हिमालय क्षेत्र की कठिन ऊंचाइयों सहित कैम्पटी फॉल, बिनोग हिल तथा लाल टिब्बा के लघु ट्रेकों के दौरान खराब मौसम और घातक जोंक से भी जूझते रहे। यद्यपि इन्होंने विभिन्न अन्य विधाओं के अलावा विधि, लोक प्रशासन तथा अर्थशास्त्र की गहन पढ़ाई की तथापि अकादमी में आयोजित वे भारत दिवस समारोह के दौरान सूक्ष्म जगत अर्थात भारत की संस्कृति और परंपराओं को इस मंच पर प्रदर्शित करने के लिए देर रात तक कठिन परिश्रम करते रहे। आईसीटी लैब सत्रों में नए युग की सूचना प्रोद्यौगिकी के बारे में उनकी कौशलता को निखारा गया जबकि भारत के गांवों के भ्रमण कार्यक्रम से शुरूआती स्तर पर प्रशासन की वास्तविकताओं को समझने का अवसर मिला।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- श्री के. विजय कुमार, भा.पु. सेवा (सेवानिवृत्त), वरिष्ठ सुरक्षा सलाहकार, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री प्रेम सिंह, संयुक्त निदेशक (सेवानिवृत्त), राजभाषा, नई दिल्ली
- डॉ0 ज्ञानेन्द्र डी. बड़गैयां, पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री, यूएनडीपी
- श्री शेखर गुप्ता, संपादकीय सलाहकार, इंडिया टूडे ग्रुप, नई दिल्ली
- सुश्री गुरप्रीत महाजन, प्रो., सेंटर फॉर पॉलिटिक्ल स्टडीज स्कूल ऑफ सोशल सांइसेज जवाहरलाल नेहरू, यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली।
- डॉ0 नीरा चन्द्रोक, प्रोफेसर पॉलिटिकल साइंस, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- सुश्री मालविका महेश्वरी, सहायक प्रोफेसर, पॉलिटिकल साइंस, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- डॉ0 मुस्तफा फैजन, वाइस चांसलर, नालसार, विधि विश्वविद्यालय, हैदराबाद, हैदराबाद
- सुश्री अनुराधा डालमिया, निदेशक, एनआईवीएच, देहरादून, उत्तराखंड
- डॉ0 कनिका टी. बहल, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन विभाग, आईआईटी, नई दिल्ली
- श्री ई.एस.एल. नरसिम्हा, माननीय राज्यपाल आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना
- श्री टी.आर. रघुनन्दन, सलाहकार, एकाउन्टेबिलिटी इनिशिएटिव, सेन्टर फॉर पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली
- श्री गिलेश वरनीयर्स, सहायक प्रोफेसर राजनीति विज्ञान अशोक विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा

- प्रोफेसर, अरूण कुमार, जेएनयू, नई दिल्ली
- श्री माधव खोसला, फैकल्टी, डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट हार्वर्ड यूनिवर्सिटी
- श्री ए.के. श्रीनिवास (सेवानिवृत्त), प्रोजेक्ट डाएरेक्टर ई–गवर्नमेंट – ए.पी., यूएलबी प्रोजेक्ट इम्पलीमेंटेशन, प्रोग्राम मैनेजमेंट स्पेश्लिस्ट– आर.के.वी.वाई. प्रोजेक्ट हैदराबाद
- श्री रामानाथन एस., यूनीशायर विक्टरी पैलेस, बंगलौर
- डॉ0 शेफाली एस. दास, उप महानिदेशक, एनआईसी, नई दिल्ली
- डॉ0 शालिनी रजनीश, भा.प्र. सेवा, प्रधान सचिव, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग एवं जिला प्रभारी सचिव, टुमकारू, बंगलौर, कर्नाटक
- प्रोफेसर एम.पी. सिंह, नई दिल्ली
- श्री ए.एस. किरण कुमार, चेयरमैन इसरो एवं अंतरिक्ष आयोग एवं सचिव भारत सरकार, नई दिल्ली
- डॉ0 सूजन थॉमस, इन्दिरा गांधी विकास अनुसंधान, संस्थान गोरेगांव, मुम्बई
- सुश्री रेणुका साणे, विजिटिंग सहायक प्रोफेसर, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, नई दिल्ली
- श्री अमरजीत सिन्हा, आई.ए.एस. अपर सचिव, भारत सरकार ग्रामीण विकास, नई दिल्ली
- डॉ0 निपुन विनायक, आई.ए.एस. निदेशक, पेयजल एवं स्वच्छ भारत मिशन, नई दिल्ली
- डॉ0 किरन कार्णिक, पूर्व अध्यक्ष, नासकॉम
- श्री दिलीप साइमन, अमन पब्लिक चैरीटेबल ट्रस्ट, नई दिल्ली
- श्री जोजफ डी क्रूज, प्रोग्राम एनेलिस्ट,यूएनडीपी, नई दिल्ली
- श्री जगदीश खट्टर, कार्नेशन, इंडिया
- श्री निखिल डे, मजदूर किसान शक्ति संगठन, उदयपुर, राजस्थान
- श्री जयंत सिन्हा, माननीय वित्त राज्य मंत्री, भारत सरकार
- श्री किरेन रिजिजू, माननीय गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार
- श्री अभिजीत दास गुप्ता, प्रोफेसर एवं प्रमुख, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, नई दिल्ली
- श्री के.पी. शशिधरण, आई.ए. एंड एस., महानिदेशक, केन्द्रीय लेखा परीक्षा, बान्द्रा पूर्व, मुंबई
- श्री टी0 आर0 रैना, एमडी (पथ) प्रशासक, स्वामी विवेकान्द चैरिटी अस्पताल एवं पूर्व प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन पीजी डिपार्टमेंट, जम्मू सरकार
- प्रोफेसर अशोक गुलाटी, इन्फोसिस चेयर प्रोफेसर फॉर एग्रीकल्चर, आईसीआरआईईआर, नई दिल्ली
- श्री टेरी मोरान, पूर्व मंत्रीमंडल सचिव, आस्ट्रेलिया सरकार
- प्रोफेसर बीजू वारके, आई.आई.एम., वस्त्रपुर, अहमदाबाद
- लेफ्टिनेन्ट जनरल एस.ए. हसनैन (सेवानिवृत्त), पीवीएसएम, यूवाईएम, एवीएसएम, एसएम (बार), वीएसएम (बार) गुड़गांव, हरियाणा
- सुश्री राजेश्वरी सेन गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान, मुंबई
- प्रोफेसर अजय शाह, राष्ट्रीय लोक वित्त नीति संस्थान, नई दिल्ली
- श्री भरत कर्नाड, प्रोफेसर, नीति अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली
- प्रोफेसर जोश फेलमन, सहायक निदेशक, आई.एम.एफ.
- श्री प्रताप भानु मेहता, अध्यक्ष, नीति अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली
- श्री विनोद कुमार, निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून
- श्री नजीब शाह, अध्यक्ष, केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड, नई दिल्ली
- डॉ0 हिमांशु राय, डीन, एम.आई.एस.बी. बोकोनी, मुंबई
- एम्बेसडर श्री प्रदीप कपूर, स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, युनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड, वाशिंगटन
- श्री अनिल कुमार सिन्हा, निदेशक, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरों, नई दिल्ली

- श्री गुलशन राय, राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक, एन.एस.सी.एस., नई दिल्ली।
- श्री गौतम भान, वरिष्ठ सलाहकार, आई.आई.एच.एस., बंगलौर

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– I (26 सप्ताह)

आधारिक पाठ्यक्रम के पश्चात भा.प्र. सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थी व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– I में पहुंचते हैं। यह पाठ्यक्रम उस वातावरण की समझ को मजबूत करने का प्रयास करता है, जिसके अंतर्गत भा.प्र. सेवा के अधिकारी को कार्य करना होता है। जन व्यवस्था एवं उसके प्रबंधन पर बल दिया जाता है। चरण– I के दौरान भा.प्र. सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को शीतकालीन अध्ययन भ्रमण पर भेजा जाता है जिसमें तीन सेना बलों, सार्वजनिक उपक्रम, निजी सेक्टर, नगर निगम निकाय, स्वैच्छिक एजेंसियां, जनजाति क्षेत्र, निजी क्षेत्र तथा गैर सरकारी संगठन के साथ संबद्धता शामिल है। सेना बलों के साथ संबद्धता से उनकी भूमिका की बेहतर सराहना का प्रयोजन पूरा होता है। संसदीय अध्ययन ब्यूरो के साथ प्रशिक्षण तथा संवैधानिक प्राधिकारियों के साथ भी प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है।

ये संबद्धताएं अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को देश की विविध मोजेक का अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। उन्हें विभिन्न संगठनों की कार्य पद्धति को नजदीक से देखने तथा समझने का अवसर भी प्राप्त होता है। तत्पश्चात, अधिकारियों को कक्ष प्रशिक्षण की व्यवस्था से गुजरना होता है। अतः भारत सरकार द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के अनुसार अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को लोक प्रशासन, प्रबंधन, विधि, कंप्यूटर तथा अर्थ शास्त्र के व्यावसायिक विषयों की शिक्षा दी जाती है। चरण– I पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर, अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को एक वर्ष के जिला प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है।

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– I (2014–16 बैच)

(15 दिसंबर, 2014 से 12 जून, 2015 तक)

कार्यक्रम का उद्देश्य/लक्ष्य समूह	भा.प्र. सेवा में नवनियुक्त अधिकारियों के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रम
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती जसप्रीत तलवार, संयुक्त निदेशक
सह– पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती रोली सिंह, उपनिदेशक (वरिष्ठ) श्रीमती निधि शर्मा, उपनिदेशक (वरिष्ठ) श्री सौरभ जैन, उपनिदेशक श्रीमती सुनीता रानी, प्रोफेसर
कुल प्रतिभागी	183 (पुरुष –127, महिला– 56)

भा.प्र. सेवा चरण–I (2014–16 बैच) के प्रतिभागियों का ब्योरा परिशिष्ट – 5 में संलग्न है।

लक्ष्य

- एक प्रभावी सिविल सेवक बनने के लिए अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के ज्ञान, कौशल तथा मनोभावों में वृद्धि करना।
- आचार – नीति एवं विकासात्मक प्रशासन से संबंधित लर्निंग एक्सपीरियेंस से अवगत करना।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य में हमारी उभरती सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक – विधिक प्रवृत्तियों से अवगत होना, भा0प्र0 सेवा की उभरती भूमिका एवं अन्य सेवाओं के साथ अपनी प्रशासनिक जिम्मेदारियों को समझना।
- सेवा (कैरियर) के पहले दशक में निम्न क्षेत्रों में प्रशासनिक उत्तरदायित्वों का निर्वाह करने के लिए आवश्यक ज्ञान तथा कौशल प्राप्त करना :
  - विधि एवं विधिक कार्यवाहियां
  - प्रशासनिक नियम, प्रक्रियाएं तथा कार्यक्रम दिशानिर्देश
  - आधुनिक प्रबंधन साधन तथा
  - आर्थिक विश्लेषण
- अपनी प्रशासनिक एवं सांस्कृतिक लोकाचार की बेहतर समझ के लिए आवंटित राज्य की क्षेत्रीय भाषा में कुशलता सिद्ध करना।

- आवंटित राज्य की सांस्कृतिक तथा सामाजिक – आर्थिक पृष्ठभूमि को समझना।
- अंतर्वैयक्तिक तथा संगठनात्मक,दोनों संदर्भों में लिखित/मौखिक संप्रेषण कौशल का प्रभावी प्रदर्शन करना।
- उचित जीवन मूल्यों एवं मनोभावों का प्रदर्शन करना।
- शारीरिक स्वास्थता को बनाए रखना।
- ''शीलम परम भूषणम्'' की भावना पर दृढ़ रहना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा तथा विशय

चरण–I कार्यक्रम की पाठ्यक्रम रूपरेखा ज्ञान एवं विषय वस्तु के संदर्भ सोच–समझ कर सामान्य बनायी गई है। अध्ययन, शिक्षा, खेल–कूद तथा मनोरंजन को पर्याप्त स्थान देते हुए यहां अधि0 प्रशि0 में ज्ञान, कौशल तथा मनोभावों का एक ऐसा परिवेश तैयार किया जाता है जिससे वे कार्यक्षेत्र तथा पहल दोनों में भावी उत्तरदायित्वों को उठा पाने में सक्षम होंगे जो कि काफी चौंकाने वाली तथा पेचीदगी भरी होती है।

26 सप्ताह का भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम, चरण–। (2014 बैच) 15 दिसंबर, 2014 को प्रारंभ हुआ तथा 12 जून, 2015 को समाप्त हुआ था। इसमें दो मुख्य घटक थेः–

- शीतकालीन अध्ययन भ्रमण एवं ब्यूरो ऑफ पार्लियामेन्ट्री स्टडीज (09 सप्ताह का कार्यक्रम – 20 दिसंबर, 2014 से 20 फरवरी, 2015 तक हुआ था)।
- 2 मार्च, 2015 से 12 जून, 2015 तक ऑन कैंपस प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

चरण–। पाठ्यक्रम एक पूर्णकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम है जिसमें पाठ्यक्रम तथा पाठ्येतर गतिविधियों का मिश्रण होता है। दिन की शुरूआत पोलोग्राउंड में शारीरिक व्यायाम के साथ 6:30 बजे शुरू होती है। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ अधिकारी–प्रशिक्षणार्थियों द्वारा विभिन्न क्लब तथा सोसाइटियों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए जाते थे।

शैक्षणिक विषय

ऑन कैंपस शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रम 2 मार्च, 2015 को आरंभ हुआ था। हालांकि ''भारतीय प्रशासकि सेवा (अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की अंतिम परीक्षा) विनियम, 1955'' के अंतर्गत निर्धारित पाठ्यक्रम एक आधारिक पाठ्यक्रम है, तथापि भा0प्र0 सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण की आवश्यकताओं में परिवर्तन करने के लिए समुचित संशोधन किए गए हैं। शैक्षणिक मॉड्यूल विषयवार तैयार किए जाते हैं जिसमें अलग–अलग कार्य के ऐसे विषय शामिल किए जाते हैं जो विभिन्न कार्य–क्षेत्रों में भा0प्र0 सेवा के अधिकारियों को करना होता है। इसमें विधि, अर्थशास्त्र, राजनैतिक सिद्धांत तथा संविधान, भाषा एवं आई.सी.टी. के व्यापक सत्र आयोजित किए गए।

अपनाई गई प्रशिक्षण कार्य–प्रणाली में अन्य बातों के साथ–साथ मिश्रित व्याख्यान, प्रकरण अध्ययन परिचर्चा, सेमीनार, पैनल चर्चा, आदेश लेखन अभ्यास, मूट कोर्ट तथा मॉक ट्रायल, मेनेजमेंट गेम तथा रोल प्लेसमूह अभ्यास, फिल्म, क्षेत्रीय तथा आउटडोर भ्रमण कार्यक्रम शामिल है। अधिकारियों को संबोधित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से अनेक विशेषज्ञ एवं ख्याति प्राप्त व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया।

एक भा.प्र. सेवा अधिकारी के बतौर अधिकारी प्रशिक्षणार्थी को आवंटित राज्य भाषा में निपुण होना होता है। चरण–। पाठ्यक्रम में वैधानिक भाषा परीक्षा आयोजित की गई। अधिकारी प्रशिक्षणार्थी जो पहले से ही संवर्ग की भाषा से परिचित थे उनको भाषा के प्रशासनिक प्रयोग में विकसित अनुदेश उपलब्ध कराए गए तथा उनसे वैकल्पिक मॉड्यूल एवं गतिविधियां भी कराई गई। प्रशिक्षु अधिकारियों से अपना राज्य पेपर संवर्ग की भाषा में प्रस्तुत करने को कहा गया जबकि उनकी हार्ड कॉपी भी अंग्रेजी भाषा में प्रस्तुत किया जा सकता है। चरण–। का आईसीटी का मॉड्यूल अधिकारी प्रशिक्षणार्थी को किसी सिस्टम का कंप्यूट्रीकरण करने में उपयोग होने वाले कॉनसेप्ट/विषय, क्लाइंट/सर्वर कंप्यूटिंग, ई–गवर्नेन्स इत्यादि से परिचित करने हेतु डिजाइन किया गया है। इस विषय का उद्देश्य अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को कंप्यूटर प्रोफेशनल बनाना नहीं है बल्कि उनको वास्तविक कार्य वातावरण से परिचित कराना है।

मूल्यांकित शैक्षिक कार्य : –पाठ्यक्रम में पुस्तक समीक्षा तथा स्टेट टर्म पेपर के माध्यम से एक स्वअध्ययन आधारित तत्व भी उसके डिजाइन में समाहित किए गए थे जिसे परामर्शी समूह बैठक में आवंटित राज्य की क्षेत्रीय भाषा में प्रस्तुत किया गया, शीतकालीन अध्ययन भ्रमण समूह प्रस्तुतियां, वैयक्तिक शीतकालीन अध्ययन डायरी तथा यात्रावृत्त, बाह्य गतिविधियों में भागीदारी, पाठ्यत्तर गतिविधियों में भागीदारी भी इसमें शामिल थे।

बाह्य गतिविधियां : भा.प्र. सेवा में कैरियर अक्सर कार्यलय केंद्रित तथा तनावपूर्ण होता है। सेवा के अधिकारी का शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होना सेवा की आवश्यकता है। चरण–। पाठ्यक्रम में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम की आदत

विकसित करने एवं बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सुबह का शारीरिक प्रशिक्षण अनिवार्य होता है।शारीरिक व्यायाम तथा बाह्य गतिविधियां इस पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण भाग होता है।

पाठ्येतर गतिविधियां : अधिकारी जिनका कार्यालयी कार्य के अतिरिक्त अन्य रूचियां भी होती है वह सेवा में उत्पन्न होने वाले तनाव से अधिक सक्षमता से निपट सकते हैं। चरण– । पाठ्यक्रम में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को मॉड्यूल द्वारा सृजनात्मक गतिविधियों में रूचि उत्पन्न करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

आंचलिक दिवस : अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा चरण– । पाठ्यक्रम में आंचलिक दिवस आयोजित किया गया। आंचलिक दिवस आयोजित करने का उद्देश्य अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को उनके आवंटित संवर्गों की संस्कृति एवं खान–पान से परिचित करना है। प्रत्येक क्षेत्र के लिए समूह का गठन आवंटित राज्य पर आधारित होगा।

अंतर–सेवा अधिकारी संगम : क्लब एवं सोसाइटियों द्वारा एक अंतर–सेवा अधिकारी संगम भी 10 से 14 अप्रैल 2015 के दौरान आयोजित किया गया। इस समागम में अध्ययन तथा पाठ्येतर प्रतियोगिता का आयोजन शामिल थे जिससे अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को अन्य सेवाओं के अपने बैच के साथियों से परस्पर संपर्क करने का अवसर प्राप्त हुआ तथा विभिन्न सेवाओं के बीच सौहार्द एवं संघ भाव को प्रोत्साहित किया।

नवाचार सम्मेलन (Innovation Conference) : पाठ्यक्रम के अंतिम सप्ताह में एक नवाचार सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट प्रयास एवं नयाचार पद्धतियों को विकसित करने वाले अधिकारियों द्वारा अन्य अधिकारियों के साथ साझा किया गया।

मॉड्यूल : विषय पर आधारित जिला प्रशासन मॉड्यूल : भू–प्रशासन, ग्रामीण विकास विकेन्द्रीकरण, कृषि एवं पीडीएफ, मीडिया नेतृत्व मॉड्यूल, कार्यालय प्रबंधन, सामाजिक क्षेत्र (स्वास्थ्य), सामाजिक क्षेत्र (शिक्षा) सामाजिक सुरक्षा, ई–गवर्नेन्स एवं बीपीआर, लोक वित्त, नगर निगम प्रशासन, प्रशासकों के लिए अवसंरचना एवं इंजीनियरिंग कौशल, वातावरण, वन एवं जनवायु परिवर्तन, कानून एवं व्यवस्था, आपदा प्रबंधन नीतियां, नैतिक एवं भ्रष्टाचार निवारण नीतियां तथा चुनाव और नवाचार संगोष्ठियां भी पाठ्यक्रम के दौरान आयोजित की गई।

सराहनीय कार्य निष्पादन के लिए पुरस्कार :व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– । के दौरान भा.प्र. सेवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अध्ययन एवं पाठ्येतर गतिविधियों में सराहनीय निष्पादन के लिए उनको पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

पाठ्यक्रम समन्वयक की रिपोर्ट :

पाठ्यक्रम की रचना लगभग तीन बृहद, घटकों में की गई है जिसमें 16 सप्ताह का परिसर में कक्षा आधारित प्रशिक्षण तथा मूल्यांकन, 8 सप्ताह का शीतकालीन अध्ययन भ्रमण तथा 01 सप्ताह का संसदीय प्रक्रियाओं तथा कार्यवाहियों पर प्रशिक्षण शामिल है। 26 सप्ताह के इस पाठ्यक्रम में कक्षीय विषयों में लगभग 300 घंटे लगे जिसमें हम लोक प्रशासन के 144 सत्र, विधि के 30 सत्र भाषा के 20, प्रबंधन के 45, अर्थशास्त्र के 30 तथा आईसीटी के 10 सत्र कवर करने में सफल रहे हैं। शीतकालीन अध्ययन दौरे में तीनों सशस्त्र बलों, प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, कॉरपोरेट सेक्टर, गैर–सरकारी संगठनों, जिला प्रशासन, द्वीप प्रशासन तथा वामपंथी अतिवादियों और बलवा प्रभावित क्षेत्रों के साथ व्यापक संबद्धताएं की गई। अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को डायरी–के रूप में तथा यात्रा वृतांत के रूप में अपने अनुभवों तथा विचारों को दर्ज करना होता है। शीतकालीन अध्ययन भ्रमण की समाप्ति पर, संसदीय अध्ययन तथा प्रशिक्षण ब्यूरो के साथ उनकी संबद्धता के दौरान संवैधानिक पदों पर आसीन गणमान्यों के साथ भेंट कराई जाती है तथा विचार–विनिमय कराया जाता है। इस दौरान उनकी भेंट भारत के महामहिम राष्ट्रपति, माननीय उपराष्ट्रपति, सम्माननीय प्रधान मंत्री, कार्मिक राज्य मंत्री तथा कई अन्य विशिष्ट सांसदों से कराई जाती है। मंत्रिमंडल सचिव तथा भारत सरकार के कतिपय सचिवों के साथ विचार–विनिमय कार्यक्रम बीपीएसटी संबद्धता का सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है। प्रयुक्त किए गए शैक्षणिक विषयों में प्रकरण अध्ययन, सेमिनारों में समूह कार्य प्रस्तुति, आदेश लेखन तथा रोल प्ले शामिल किए गए।

विभिन्न क्लबों तथा सोसाइटियों की शिक्षणेतर गतिविधियां बहुत ओजपूर्ण थी। यद्यपि अधिकारी क्लब ने विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर ख्याति प्राप्त की तथापि, राइफल तथा धनुर्विद्या क्लब ने शूटिंग का प्रभावी प्रदर्शन किया। साहसिक खेलकूद क्लब के तत्वावधान में रीवर राफ्टिंग का आयोजन किया गया। सोसाइटी फॉर कंटेम्परेरी अफेयर्स परिचर्चाओं, कैडर कैफे तथा अन्य बहुत सारे कार्यक्रमों के आयोजन में सक्रिय रहा। प्रबंधन मंडल ने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए तरह–तरह के माइंड गेम्स का आयोजन किया जबकि ललित कला एसोशिएसन ने सालसा नृत्य तथा नियमित संगीत संध्या का आयोजन किया। गृह पत्रिका सोसाइटी ने सक्रिय रूप से सबसक्राइब्ड ब्लॉग का प्रकाशन किया जबकि कंप्यूटर सोसाइटी ने लैपटॉप मरम्मत में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की सहायता की तथा एंटी वायरस सॉफ्टवेयर लगाया। किसी से पीछे न रहने वाले समाज सेवा सोसाइटी ने समीप के विद्यालयों में नियमित वृहस्पतिवार की चिकित्सा सेवा तथा परामर्शी सेवा का आयोजन करके सराहनीय कार्य किया। अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने 4 क्षेत्रीय दिवस का आयोजन करके अपनी विविध प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया।

आर्थिक विकास पर एम.आई.टी. पाठयक्रम के माध्यम से इस पाठयक्रम में मूक लर्निंग (Mooc Learning) तथा फ्लिप्ड क्लासरूम के प्रयोग से भी परिचित कराया। प्रतिभागियों को कुछ ऐसे शैक्षणिक विषयों की जानकारी दी गई जिन्हें विश्व के कुछ उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थानों में दी जा रही है। अप्रैल में पहली इंटर सर्विसेज मीट 'संगम' की मेजबानी की गई। संगम में ला.ब.शा.रा.प्र.अ. के अलावा केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के 9 तथा अन्य अकादमियों के 164 अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिए जिसमें कई प्रतियोगी कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- श्री उमेश सिन्हा, भा.प्र. सेवा, उप चुनाव आयुक्त, भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली
- सुश्री सौजन्या, भा.प्र. सेवा, निदेशक स्वजल प्रोजेक्ट, इंजीनियरिंग संस्थान, देहरादून
- श्री एस.ए. मुरूगसेन, भा.प्र. सेवा, मेला अधिकारी, अर्धकुम्भ मेला, उत्तराखंड सरकार, हरिद्वार
- श्री सचिन आर. जाधव, भा.प्र. सेवा, जिला मजिस्ट्रेट, जिला अंगुल, ओडिशा
- श्री नागराजन एम, भा.प्र. सेवा, जिला विकास अधिकारी, गुजरात सरकार, साबरकांठा, गुजरात
- श्री संजय दुबे, भा.प्र. सेवा, संभागीय आयुक्त, इंदौर संभाग, मध्य प्रदेश
- सुश्री आरती डोगरा, भा.प्र. सेवा, प्रबंध निदेशक, जोधपुर विद्युत निगम, न्यू पावर हाऊस, जोधपुर
- डॉ0 के. सीता प्रभु, टाटा चेयर प्रोफेसर, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई
- श्री औंजनेय कुमार सिंह, भा.प्र. सेवा, विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, लखनऊ
- सुश्री सरिता नागपाल, प्रधान सलाहकार, भारतीय उद्योग परिसंघ, गुड़गांव कार्यालय, गुड़गांव
- श्री स्नेहिल कुमार, टाटा क्वालिटी मैनेजमेंट काउंसलर, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)
- श्री कृष्ण कुमार, भा.प्र. सेवा, उपाध्यक्ष, भुवनेश्वर विकास प्राधिकारण, भुवनेश्वर, उड़ीसा
- श्री कुमार रवि, भा.प्र. सेवा, जिला मजिस्ट्रेट, जिला दरभंगा, बिहार
- श्री पी. वेलरसू, भा.प्र. सेवा, विशेष आयुक्त, बिक्री कर, महाराष्ट्र सरकार, मुम्बई
- श्री आशीष गुप्ता, भा.पु. सेवा, संयुक्त सचिव, एनएटीजीआरआईडी, नई दिल्ली
- श्री राजेश दास, भा.पु. सेवा, अपर पुलिस महानिदेशक, सामाजिक न्याय एवं मानव अधिकार, चेन्नई
- श्री अमित सतिजा, भा.प्र. सेवा, एडिशनल सीईओ / निदेशक (राजस्व), दिल्ली जल बोर्ड, नई दिल्ली
- डॉ0 एम. सैजाद हसन, अध्येता, सेंटर फॉर इक्विटी स्ट्डीज, अमन बिरादरी, नई दिल्ली
- श्री संदीप वर्मा, भा.प्र. सेवा, उपमहानिदेशक, यूआईडीएआई, नई दिल्ली
- सुश्री सोनाली घोष, वैज्ञानिक ई, यूनेस्को सी2सी ऑन वर्ल्ड हेरिटेज साइट, मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग फॉर एशिया एंड द पैसिफिक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून
- प्रोफेसर ई. सोमनाथन, अर्थशास्त्र एवं नियोजन यूनिट, भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, नई दिल्ली
- प्रोफेसर हिमांशू राय, डीन, एम. आई. एस. बी. बोकोनी, मुंबई, महाराष्ट्र
- श्री कबीर वाजपेयी, प्रधान आर्किटेक्ट, विन्यास, सेंटर फॉर आर्किटेचरल रिसर्च एंड डिजाइन, नई दिल्ली
- श्री पवन कुमार शर्मा, भा.प्र. सेवा, अपर आयुक्त, उत्तरी दिल्ली नगर निगम आयुक्त, नई दिल्ली
- श्री अमलानज्योति गोस्वामी, कानून एवं विनियमन प्रमुख, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन सेटलमेंट्स, बंगलोर
- डॉ0 देविंदर सिंह, प्रोफेसर, विधि विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
- श्री पी. उमानाथ, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव, वित्त विभाग, तमिलनाडु सरकार, चेन्नई
- माननीय मुख्य मंत्री, आंध्र प्रदेश
- श्री रमानाथन सोमसुंदरम, एस जी – 02, यूनिशायर विक्ट्री पैलेस, गुट्टाहल्ली, बैंगलोर
- श्री एस. राशिद बशा, प्रोजेक्ट मैनेजर, एनआईएसजी, नई दिल्ली
- श्री एस. चोक्कालिंगम, संभागीय आयुक्त, पुणे
- श्री अनुराग बाजपेयी, निदेशक, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री ई. श्रीधरण, अकादमी निदेशक, यूनिवर्सिटी ऑफ पैंसिलवेनिया इंस्टीट्यूट फॉर द एडवांस्ड स्टडी ऑफ इंडिया (यूपीआईएएस), नई दिल्ली।

- श्री मनोज झलानी, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, नई दिल्ली
- डॉ0 अच्युत सामंत, संस्थापक, केआईआईटी / केआईएसएस, केआईआईटी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, उड़िसा
- डॉ. मनोहर अगनानी, भा.प्र.सेवा, आयुक्त, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, भोपाल
- डॉ. निखिल जे. गुप्ता, उपनिदेशक (प्रशासन एवं सीनियर कोर्सेज)एसवीपीएनपीए, हैदराबाद
- श्री जयेश रंजन, भा0प्र0 सेवा, उपाध्यक्ष एवं एमडी, तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम, हैदराबाद।
- श्री मनिवंनन पी., प्रबंध निदेशक, कर्नाटक स्टेट हाईवेज इंप्रूवमेंट प्रोजेक्ट, बंगलुरू
- श्री अकुन सभरवाल, निदेशक एवं नियंत्र, औषध प्रशासन, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश
- श्री संजय बहादुर, आईआरए, निदेशक, क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, मुंबई
- प्रोफेसर, राम कुमार कंकानी, सहायक प्रोफेसर, एक्स एल आर आई स्कूल ऑफ बिजनेस, सी.एच.एरिया (एस्टेट), जमशेदपुर – 831035
- श्री निशांत वरवड़े, भा.प्र. सेवा, कलेक्टर, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश
- श्री मनिक सरकार, सी.एम. त्रिपुरा
- श्री अमर केजेआर नायक, प्रोफेसर, स्ट्रटेजिक मैनेजमैंट, जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट भुवनेश्वर, उड़ीसा
- प्रोफेसर, विजय पॉल शर्मा, कृषि प्रबंधन केंद्र (सीएमए), आईआईएम, अहमदाबाद
- श्री जॉन फ्लोरेटा, डिप्टी, जेपीएएल एम.आई.टी
- श्री संजीव चोपड़ा, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, कृषि एवं सहकारिता विभाग
- श्री महेंद्र जैन, भा.प्र. सेवा, अपर मुख्य सचिव, कर्नाटक सरकार, बंगलुरू
- डॉ.ए. संतोष मैथ्यू, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, ग्राम विकास विभाग, ग्राम विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्रीमती सौजन्या, भा.प्र. सेवा, निदेशक, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट, स्वजल प्रोजेक्ट देहरादून, उत्तराखंड
- सुश्री मंजू राजपाल, भा.प्र. सेवा, निदेशक, रूरल कनेक्टिविटी, आईसी / आईसीई / आरटीआई, ग्राम विकास विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- डॉ0 दिनेश अरोड़ा, भा.प्र. सेवा, कार्यकारी निदेशक, ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड, नई दिल्ली
- श्री रंजीत निर्गुणी, सदस्य, जिला परिषद, समस्तीपुर, बिहार
- श्री सुयश राय, वरिष्ठ परामर्शदाता, एनआईपीएफपी, नई दिल्ली
- श्री बी. के. सिन्हा, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, भारत सरकार एवं सदस्य प्रशासन, केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण, नई दिल्ली
- श्री ओ.पी. चौधरी, भा.प्र. सेवा, जिला मजिस्ट्रेट, जांजगीर – चंपा, छत्तीसगढ़
- सुश्री निवेदिता पी. हरण, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व अपर मुख्य सचिव, केरल सरकार
- श्री राज शेखर, भा.प्र. सेवा, जिला मजिस्ट्रेट, जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- सुश्री जासिन्टा लाजर्स, भा.प्र. सेवा, उपायुक्त, जिला सेनापति, मणिपुर
- श्रीमती रजनी सेखरी सिब्बल, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव (सी एंड डीडी), भारत सरकार, पशुपालन, डेरी एवं मतस्य पालन विभाग, कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली
- डॉ0 अरविन्द मायाराम, भा.प्र. सेवा, सचिव, भारत सरकार, अल्पसंख्यक मंत्रालय, नई दिल्ली
- प्रोफेसर रोहिणी सोमनाथन, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- श्री विवेक प्रताप सिंह, भा.प्र. सेवा, आयुक्त, नगर आयोग, चंडीगढ़
- डॉ0 नीरजा पाण्डेय, सहायक प्रोफेसर, आईआईएम, लखनऊ
- श्री गौतम भान, वरिष्ठ परामर्शदाता, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन सेटलमेंट्स, बंगलोर
- सुश्री नीरजा पाण्डेय, सहायक प्रोफेसर, आईआईएम, लखनऊ, (नोएडा कैंपस)
- श्री सौरभ नारायण, महालेखाकार, उत्तराखंड सरकार, देहरादून
- श्री जावेद खान, एसआरओ, सेंटर फॉर बजट एंड गवर्नैंस अकाउंटेबिलिटी, नई दिल्ली
- विग कमांडर ए.के. श्रीनिवास (सेवानिवृत्त), प्रोग्राम मैनेजर स्पेशियलिस्ट, आईसीआईएस प्रोजेक्ट, डब्ल्यूआरडी, महाराष्ट्र सरकार, पुणे
- श्री अभीजीत, बेनर्जी, प्रोफेसर, जेपीएएल, एमआईटी

- श्री पीयुष गुप्ता, एसोसिएट वाइस प्रेजीडेंट, एनआईएसजी, नई दिल्ली
- श्री प्रसन्ना कुमार पिंचा, पूर्व मुख्य आयुक्त, निःशक्तजन, नई दिल्ली
- डॉ0 जी. वाणी मोहन, भा.प्र. सेवा, आयुक्त एवं निदेशक, नगरपालिका प्रशासन, आंध्र प्रदेश
- डॉ0 भूपिंदर औलख, एमडी, एमपीएच, कंट्री रिप्रिजेंटेटिव, फ्यूचर ग्रुप, गुड़गांव
- श्री श्रीधर सी, भा.प्र. सेवा, राज्य परियोजना निदेशक, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना, बिहार
- डॉ0 जे.बी.जी. तिलक, प्रोफेसर एवं प्रमुख, शैक्षिक वित्त विभाग, एनयूईपीए, नई दिल्ली
- डॉ0 दारेज अहमद, भा.प्र. सेवा, जिला कलेक्टर, पेरामबालुर, तमिलनाडु
- श्री ए.पी.एम. मोहम्मद हनीश, भा.प्र. सेवा, सचिव (एलएसजीडी –यूए), केरल सरकार, तिरूवन्नतपुरम, केरल
- श्री सोनल अग्निहोत्री, भा.पु. सेवा, एसपी, सीबीआई, पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
- श्री राजेश आर्य, भा.पु. सेवा, निदेशक, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, नई दिल्ली
- डॉ0 अमर केजेआर नायक, प्रोफेसर, जेवीयर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भुवनेश्वर
- श्री पंकज सेठी, सेंटर फॉर क्रिएटिव लीडरशिप, गुड़गांव, हरियाणा
- प्रोफेसर अनिल कुमार गुप्ता, आईआईएम, अहमदाबाद, गुजरात
- श्री प्रवेश शर्मा, प्रबंध निदेशक, स्मॉल फार्मर्स एग्रीबिजनेस कंजर्शम, कृषि एवं सहकारिता विभाग, नई दिल्ली
- सुश्री जयती सरकार, प्रोफेसर, इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
- श्री इकबाल धालीवाल, निदेशक, जेपीएएल, एमआईटी
- श्री श्रीधर सी., भा.प्र. सेवा, परियोजना निदेशक, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना, बिहार
- श्री गौरव द्विवेदी, भा.प्र. सेवा, मिशन निदेशक (ई–गवर्नेंस), संचार एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली
- प्रोफेसर अमित मुखर्जी, आईआईएम, लखनऊ (नोएडा कैंपस), नोएडा
- श्री एस.एम. विजयानंद, भा.प्र. सेवा, सचिव, भारत सरकार, पंचायती राज मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री टी.आर. रघुनंदन, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), बंगलोर, कर्नाटक
- डॉ0 प्रियंका शुक्ला, भा.प्र. सेवा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला पंचायत, राजनंदगांव, छत्तीसगढ़
- श्री डी.आर. पाटिल, पूर्व एमएलए, जिला गडग, कर्नाटक
- डॉ0 वेद आर्य, सीईओ, सेल्फ रेलिएंट इंनिशिएटिव थ्रू जॉइंट एक्शन (एसआरआईजेएएन), नई दिल्ली
- श्री शुभो रॉय, वरिष्ठ परामर्शदाता, एनआईपीएफपी, नई दिल्ली
- डॉ0 सी. अशोक वर्धन, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), सदस्य, 05वां राज्य वित्त आयोग, पटना, बिहार
- श्री वी.पोन्नुराज, भा.प्र. सेवा, निजी सचिव, कानून एवं न्याय मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री राजींदर कुमार, भा.प्र. सेवा, कलेक्टर, जिला सूरत, गुजरात
- श्री अमित कुमार अग्रवाल, भा.प्र. सेवा, उपायुक्त, फरीदाबार, हरियाणा
- डॉ0 शाहिद इकबाल चौधरी, भा.प्र. सेवा, उपायुक्त, जिला कठुआ, जम्मू एवं कश्मीर

जिला प्रशिक्षण (52 सप्ताह)

इस प्रशिक्षण के दौरान अधिकारी प्रशिक्षणार्थी जिला स्तर पर प्रशासन के विभिन्न पहलुओं से अवगत होते है। वे प्रत्यक्ष रूप से जिला कलेक्टर तथा राज्य सरकार के नियंत्रण में रहते हैं तथा उन्हें कलेक्टर/जिला मजिस्ट्रेट एवं राज्य सरकार के विभिन्न संस्थानों की भूमिका की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलता है। उन्हें विभिन्न क्षेत्र पदाधिकारियों के स्तर के रूप में स्वतंत्र प्रभार संभालने का अवसर भी प्राप्त हो सकता है। इसके साथ–साथ अधिकारी प्रशिक्षणार्थी जिले में क्षेत्र अध्ययन पर आधारित अकादमी द्वारा दिए गए असाइनमेंट पूरे करते हैं।

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– II (8 सप्ताह)

हालांकि आधारिक पाठ्यक्रम तथा चरण– I में सैद्धांतिक संकल्पनाएँ देने के लिए जिला प्रशिक्षण के दौरान पृष्ठ भूमि स्तर की वास्तविकताओं का अध्ययन किया जाता हैं, चरण– II पाठ्यक्रम देशभर से प्राप्त अनुभवों को बांटने का समय होता है जब अधिकारी प्रशिक्षणार्थी भारत के अलग–अलग जिलों से अकादमी में वापिस लौटते हैं। चरण– II पाठ्यक्रम की विषय वस्तु प्रशासन में शामिल मुद्दों को समझने के लिए

जिला प्रशिक्षण में राज्य स्तर पर वर्ष–भर अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्राप्त शिक्षा तथा जिला अनुभव से अवगत कराने के लिए तैयार की गई है। यह उनके कैरियर के आरंभिक वर्षों में आने वाली समस्याओं तथा परिस्थितियों से अवगत कराता है।

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– II (2013–15 बैच)

(29 जून, 2015 से 21 अगस्त, 2015)

कार्यक्रम का लक्ष्य समूह	भा.प्र. सेवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थी
पाठ्यकम समन्वयक	श्रीमती रोली सिंह, उपनिदेशक (वरि0)
सह–पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती जसप्रीत तलवार, संयुक्त निदेशक श्री एम0एच0 खान, उपनिदेशक श्री आर0 रविशंकर, उपनिदेशक
कार्यक्रम का उद्घाटन	डॉ0 जितेन्द्र सिंह, माननीय राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय
विदाई संबोधन	श्री राजीव कपूर, निदेशक
प्रतिभागियों की कुल संख्या	177, (पुरुष–127, महिला–50)

भा.प्र. सेवा चरण–II (2013–15 बैच) के प्रतिभागियों का ब्योरा परिशिष्ट–6 में संलग्न है।

लक्ष्य

भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–II में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को व्यापक विषयों का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे पहले दस साल की सेवा में विभिन्न तरह के कार्य भार संभालने में सक्षम हो सकें।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–II में पाठ्यक्रम की ऐसी रूपरेखा तैयार करने का प्रयास किया जाता है कि अधिकारी अपनी प्रवृत्ति, ज्ञान तथा कौशल के संदर्भ में अपनी कार्य क्षमता का अनुभव कर सके। इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा आधारिक पाठ्यक्रम तथा भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–I से काफी अलग है, इसमें प्रशासनिक सिद्धांत, प्रारंभिक कौशलता तथा सरकारी योजनाओं तथा कार्यक्रमों की समीक्षा की बुनियादी जानकारी देने पर ध्यान दिया जाता है। पिछले 54 सप्ताह में, आपको अंतिम समय में जिला प्रशासन के विभिन्न पहलुओं के कार्य का अमूल्य अनुभव प्राप्त हो चुका है। चरण–II पाठ्यक्रम की रूप रेखा तथा संरचनापर आपके सुझाव मांगे गए थे तथा प्राप्त विषयों में कार्यक्रम डिजाइन की भूमिका निभाई। जिला के प्रशिक्षण के दौरान, समूह द्वारा ज्ञात कमियों के स्थान पर मुख्यतः समावेश सत्रों, परिचर्चाओं तथा सेमिनारों पर ध्यान दिया गया।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- जिला प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त व्यक्तिगत तथा सामूहिक अनुभवों के विश्लेषण और उसकी मीमांसा के लिए संरचित दृष्टिकोण अपनाना।
- कार्यालय एवं मानव संसाधन प्रबंधन के व्यावहारिक विषय पर बल
- राजनीतिक अर्थशास्त्र, सार्वजनिक सेवा वितरण प्रणाली तथा विधि में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान देना।
- प्रशासनिक, प्रबंधकीय तथा आईसीटी कौशल में निखार लाना।
- संवर्ग की क्षेत्रीय भाषा में दक्षता हासिल करना।
- नेतृत्व भूमिका के लिए प्रगतिशील मूल्यों एवं प्रवृत्तियों को अपनाना तथा उस पर अमल करना।
- श्रेष्ठ राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय कार्यों की जानकारी प्रदान करना।
- अधिकारियों को उत्तम स्वास्थ्य एवं उच्च स्तरीय स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करना।
- सक्रिय परिसरीय जीवन के माध्यम से बैच के अंदर सौहार्द एवं एकता का विकास करना।

पाठ्यक्रम समन्वयक की रिपोर्ट

29 जून को आरंभ चरण–II कार्यक्रम में विगत के कई कार्यक्रमों में बदलाव किया गया। ये परिवर्तन पिछले चरण–II कार्यक्रमों से प्राप्त फीडबैक तथा विगत के कुछ बैचों से मांगे गए विस्तृत फीडबैक के आधार पर किए गए। इनमें से एक बदलाव विधि का संशोधित प्रारूप तथा

डीएपी प्रजेंटेशन था। कक्षा में डीएपी प्रस्तुति देने के लिए प्रत्येक अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को अनिवार्यतः के स्थान पर विशिष्ट विषयों पर प्रस्तुती देनी थी। पाठ्यक्रम टीम ने जन वितरण प्रणाली (पीडीएस), स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास तथा संस्थानों के पांच व्यापक विषयों पर ''विकास अर्थशास्त्र की अवधारणाएं'' भी आरंभ की।यह मॉड्यूल वैश्विक गरीबी की चुनौतियों से संबंधित एमआईटी पाठ्यक्रम पर आधारित था।

तत्कालीन कुछ वरिष्ठ अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के साथ केन्द्रित विषयों पर पारस्परिक विचार विमर्श करने के लिए प्रभावी एसडीओ, प्रभावी सीईओ/जि.पं., प्रभावी एमसी तथा प्रभावी डीएम विषयों पर चार सेमिनार आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम के भाग के रूप में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को एक सप्ताह के सिंगापुर अध्ययन दौरे के लिए भेजा गया। इस अध्ययन दौरे का आयोजन सिविल सर्विस कालेज, सिंगापुर ने किया था तथा यह दौरा कार्यक्रम शैक्षणिक विषयों तथा फील्ड भ्रमण का बढ़िया मिश्रण था। समूह ने कक्षा के विषयों के अलावा बाह्य कार्यकलापों तथा सायंकालीन कार्यक्रमों में अत्यधिक रूचि दिखाई तथा सप्ताहांत में व्यस्त कार्यक्रम होते थे। इसमें लाल टिब्बा तथा नागटिब्बा तक ट्रैक, धनौल्टी तक साइकिल चालन, इफ्तार पार्टी, चिर स्थायी कोलाज के सृजन में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने अत्यधिक उत्साह दिखाया। पाठ्क्रम टीम को यह सूचित करते हुए बहुत प्रसन्न है कि प्रबंधन मंडल ने बैच को जोड़ने तथा बैच की जानकारी प्राप्त रकने के लिए एक पोर्टल बनाया तथा बैच उन्होंने ''बेस्ट गवनेंश प्रैक्टिसेस'' का लिंक'' जीओवी एलएबी'' नामक पोर्टल भी बनाया। इसमें इस वर्ष के शुरू के सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत नवोन्मेष शामिल हैं तथा ये सभी नवोन्मेष आधारिक पाठ्यक्रम, चरण–I तथा II के दौरान प्रस्तुत किए गए।

जैसा उल्लेख किया गया है कि इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य अनुभव आदान–प्रदान तथा विश्लेषण द्वारा पारस्परिक अध्ययन है। सभी के द्वारा असाइनमेंट प्रस्तुत करने के बजाय केवल कुछ मुख्य बिन्दु एवं विषय प्रस्तुतीकरण के लिए चयनित किए जांएगेअतः विश्लेषण नोट, जिला नियत कार्य विधि कार्यपत्र (असाइनमेंट) तथा ग्रामीण अध्ययन कार्यपत्र जिनको चयनित किया गया है, वह प्रस्तुत किए जाएंगे। प्रशिक्षु अधिकारियों को अपने संबंधित प्रस्तुतीकरण तैयार करने हेतु पहले से ही सूचित कर दिया जाएगा।

प्रशिक्षु अधिकारियों का मूल्यांकन प्रस्तुतीकरण की गुणवत्ता, कक्षा में सक्रियता तथा कक्षा के दौरान तथा उससे बाहर पाठ्यक्रम गतिविधियों में भागीदारी के आधार पर किया जाएगा। यह कहना आवश्यक नहीं है कि आपका दृष्टिकोण अनुशासन तथा सामान्य व्यवहार भी चरण–।। में निदेशक द्वारा मूलंकन को निर्धारित करेगा। प्रस्तुतीकरण सत्र को फैकल्टी सदस्यों एवं बाहरी दक्ष व्यक्तियों द्वारा किया जाएगा।

हमने इस पाठ्यक्रम में वही विषय सम्मिलित किए हैं जो प्रशिक्षण के पश्चात आपके तात्कालिक कार्य स्थितियों में अर्थपूर्ण, संगत तथा प्रयोज्य हैं। फील्ड प्रशासन विधि, आई.सी.टी. तथा भाषा से संगत लोक प्रशासन के विषय होंगे। विषय सामग्री में आपके द्वारा प्रशिक्षण के पूर्व चरणों में सीखे गए पाठ से अतिरिक्त रखा जाता है। इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में हम अन्य लोगों द्वारा अब तक प्राप्त प्रशिक्षण और आगे के प्रशिक्षण को समेकित करने का प्रयास करेंगे। प्रदान करने का प्रयास करेंगे टी.एन.ए. पर आधारित प्रतिक्रियाओं पर आधारिक सॉफ्ट स्किल्स पर कुछ विषेश सत्र रखे गए हैं जैसे कि विनयमीकरण, नेतृत्व एवं संचार।

मुख्य बल टर्मपेपर, विदेश अध्ययन भ्रमण (पेपर), रेपोटियर कार्य, भाषा एवं शारीरिक व्यायाम तथा घुड़सवारी, साहसिक खेलकूद तथा पाठ्येतर गतिविधियां तथा विदेश अध्ययन भ्रमण पर दिया गया।

- श्री सत्येन्द्र मिश्रा, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त)
- डॉ0 अरविंद माया राम, भा.प्र. सेवा
- श्री अनिल स्वरूप, भा.प्र. सेवा
- श्री के.सी. वर्मा, भा.पु. सेवा
- श्री कृष्ण कुणाल, भा.प्र. सेवा
- श्री हिमांशु राय, डीन
- श्री के. नाथ कुमार, भा.प्र. सेवा
- श्री विजय किरण आनंद, डी.एम., फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश
- डॉ0 मनोहर अग्नानी
- श्री राजेश प्रभाकर पाटिल, भा.प्र. सेवा
- श्री सुरेन्द्र सिंह, भा.प्र. सेवा
- श्री एरिक डोजी, ईपीओडी
- श्री नागराजन एस. भा.प्र. सेवा
- श्री जुगल किशोर महापात्रा, भा.प्र. सेवा
- डॉ. दारेज अहमद, भा.प्र. सेवा
- श्री ओम प्रकाश चौधरी, भा.प्र. सेवा
- श्री विकास गोथवाल, भा.प्र. सेवा
- श्री रघुराज एम. राजेन्द्रन, भा.प्र. सेवा
- श्री गौरव उपल, भा.प्र. सेवा
- डॉ0 टी. सुन्द्रम, प्रोफेसर
- श्री एन.जी. रवि कुमार, भा.प्र. सेवा
- डॉ0 सी. अशोक वर्धन, भा.प्र. सेवा
- श्री टी.पी. सिंह, भा.प्र. सेवा
- श्री विनोद के. अग्रवाल

- श्री मुनिश मोदगिल, भा.प्र. सेवा
- डॉ0 राजेन्द्र कुमार, भा.प्र. सेवा
- डॉ0 नजीब जंग, माननीय उप राज्यपाल, नई दिल्ली
- श्री ओ.पी. सिंह, भा.पु. सेवा
- सुश्री ममता कुंद्रा
- श्री एम.एस. कसान
- श्री के.एस. समरेन्द्र नाथ
- श्री संतोष कुमार मिश्रा, भा.प्र. सेवा
- मेजर जनरल वी.के. दत्त
- डॉ0 एन. यूराज, भा.प्र. सेवा
- श्री अमिताभ दत्त (सेवानिवृत्त) एडिशनल मेम्बर, रेलवे बोर्ड
- श्री सैयद अबीद राहीद शाह, भा.प्र. सेवा
- सुश्री मालनी शंकर
- डॉ0 पी.के. चंपाती रॉय
- श्री अशोक लवासा, भा.प्र. सेवा
- श्री क्रिस्टॉफ जैफ्फलॉट
- श्री मृत्युंजय सारंगी
- श्री विषेश घरपले, भा.प्र. सेवा
- श्री श्रीकांत विश्वनाथन
- श्रीमती डी. तारा,भा.प्र. सेवा
- श्री सोमनाथ सेन
- सुश्री कविता वानखड़े
- सुश्री नेहा सामी
- श्री मनीवनन पी. भा.प्र. सेवा
- श्री विजय नेहरा, भा.प्र. सेवा
- डॉ0 के. विजय कार्तिकेन, भा.प्र. सेवा
- श्री श्रीधर चेरूकूरी

भा.प्र. सेवा अधिकारियों के लिए मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

अनिवार्य एमसीटीपी कार्यक्रम के चरण–III, चरण–IV एवं V भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए हैं जिन्होंने क्रमशः सेवा के 7–9 वर्ष, 15–18 वर्ष तथा 27–30 वर्ष पूरे कर लिए हैं। किसी अधिकारी के कैरियर में निश्चित चरणों के पश्चात आगे की पदोन्नति के लिए एमसीटीपी पाठ्यक्रम में उपस्थिति आवश्यक है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार ने अपने दिनांक 20 मार्च 2007 की अधिसूचना में भा.प्र. सेवा (वेतन) नियमावली, 1954 में संशोधन किया था जिसके द्वारा विभिन्न स्तरों पर कैरियर प्रगति के लिए एमसीटीपी पाठ्यक्रम के संगत चरण को सफलता से पूरा करना आवश्यक है। पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों के अगले स्तर की सक्षमता का निर्माण करना है।चरण–III, चरण–IV पाठ्यक्रम प्रत्येक 8 सप्ताह की अवधि के थे जबकि चरण–V 5 सप्ताह की अवधि का था।

मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण–III (9वां दौर)

(1 जून 2015 से 17 जुलाई 2015 तक)

कार्यक्रम का लक्ष्य समूह	7–9 वर्ष की वरिष्ठता वाले भा.प्र. सेवा अधिकारी (2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007 के बैच)
पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ0 प्रेम सिंह, उपनिदेशक वरिष्ठ
सह– पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री जयंत सिंह, उपनिदेशक वरिष्ठ श्री सौरभ जैन, उपनिदेशक
विदाई संबोधन	श्री जे.के. महापात्रा, सचिव भारत सरकार, ग्राम विकास मंत्रालय
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल 112 (पुरुष 92, महिलाएं 20) पिछले बैच के प्रतिभागी–1 (प्रतिभागियों की कुल संख्या को छोड़कर)

भा.प्र. सेवा चरण– III (9वां दौर) के प्रतिभागियों का ब्यौरा परिशिष्ट–7 में संलग्न है।

लक्ष्य

उन अधिकारियों को उत्कृष्ट बनाना जो सेवा के 07 से 09 वर्ष पूरे कर चुके हैं तथा जिससे वे फील्ड प्रशासन के अग्रणी क्षेत्र में कई तथा विभिन्न प्रकार की जिम्मेवारी निभा सके।

कार्यक्रम के उद्देश्य

- राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर राजनीतिक अर्थव्यवस्था में सामयिक विकास का मूल्यांकन करना।
- अधिकारियों को ऐसे उपकरणों से अवगत करना जो उन्हें कार्यक्रम के कार्यान्वयन में उत्कृष्टता उपलब्ध कराने में सहायक होंगे।
- सरकार में बी.पी.आर. डिजाइन एवं कार्यान्वयन करना तथा जनसेवा वितरण में सुधार हेतु सूचना प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना।
- संचार, अंतर वैयक्तिक तथा टीम बिल्डिंग दक्षताओं को मजबूत करना तथा गवर्नेंस में मूल्यों की मुख्य भूमिका से अवगत होना।
- पाठ्यक्रम का सप्ताहवार डिजाइन (इसमें मुख्य शैक्षिक विषय की योजनावार समीक्षा प्रदान करनी चाहिए)

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

- गवर्नेन्स : व्यापक परिप्रेक्ष्य, लागत लाभ विश्लेषण पी.पी.पीएस., प्रापण, निर्णय विज्ञान एवं नेतृत्व
- परियोजना प्रबंधन, सरकार में बीपीआर तथा सेवा वितरण के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना, सरकार में उच्च निष्पादन दल तथा टीक्यूएम सृजित करना एवं उनका नेतृत्व करना
- विदेश भ्रमण हेतु कोरिया डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर दक्षिण कोरिया का दौरा
- प्रशासन तथा अनुविक्षण एवं मूल्यांकन में वार्ता, लोक वित्त, भ्रष्टाचार निवारण नीतियां एवं नैतिकता
- नगर निगम प्रशासन तथा शहरी विकास तथा सामाजिक क्षेत्र कार्यक्रम में कार्यान्वयन विषय
- विदेश अध्ययन भ्रमण कोरिया डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के सहयोग से आयोजित किया गया।

पाठ्यक्रम समन्वयकारों की रिपोर्ट

चरण–III कार्यक्रमके प्रतिभागियों को विस्तारित एवं अधिक व्यापक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु संशोधित किया गया था जिसमें कार्यान्वयन में उत्कृष्टता पर बल दिया गया। इस कार्यक्रम ने एक्सेल कंपोनेंट को घटाते हुए आने वाले परिणामों पर समझौता किए बगैर परियोजना मूल्यांकन तथा पीपीपीएस पर विषय घटा दिए गए। निर्णय विज्ञान, परियोजना प्रबंधन, सरकार में पीपीपीएस तथा सेवा वितरण के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग सरकार में टीक्यूएम को मॉड्यूल के बतौर रूप में शामिल किया गया। इनपुटों को सहर्ष स्वीकार किया गया। पाठ्यक्रम में 'वार्ता रणनीति' पर भी दो दिन का मॉड्यूल प्रविष्ट किया गया जिसे इन हाउस उपलब्ध कराया गया एवं इसे भी सहर्ष स्वीकार किया गया। इन अकादमी की फैकल्टी द्वारा संचालित मॉड्यूल को भागीदारों की काफी प्रसन्नाता के साथ स्वीकार किया गया। मूल्यांकन बहुत सख्त था जिसमें प्रश्नोंतरी, पत्र लेखन तथा कक्षा भागीदारी शामिल थी तथा इसको वस्तुनिष्ठ एवं संरचित रूप से किया गया। कुल मिलाकर पाठ्यक्रम तकनीकी, सख्त एवं बहुत मेहनत की मांग करने वाला होने के बावजूद सहर्ष स्वीकार किया गया।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- प्रोप्रोफेसर टी0टी0 राम मोहन, प्रोफेसर, विनत एवं लेखा, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद
- प्रोफेसर एन0आर0 माधव मेनन, फाउंडर वाइस चांसलर, नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवार्सिटी, बंगलौ,
- श्री निखिल डे, सामाजिक कर्माकर्ता, मजदूर किसान शक्ति संगठन, डुंगरी, राजस्थान,
- प्रो0 अश्विन महालिंगम, सहायक प्रोफेसर, आई आई टी चेन्नई,
- श्री शेखर गुप्ता, संपादकीय सलाहकार, इंडिया टुडे ग्रुप, नोएडा,
- श्री जॉन फ्लोरेट्टा, उपनिदेशक, जे पाल (साउथ एशिया ऑफिस) नई दिल्ली,
- श्री एस0 कृष्णन, भा0 प्र0 सेवा, प्रधान सचिव (योजना एवं विकास) तमिलनाडु सरकार, चेन्नई,
- डॉ0 विवेक जोशी, भा0प्र0सेवा, विशेषकर्ता अधिकारी, सार्वजनिक खरीद प्रभाग तथा प्रशासक, स्वच्छ भारत कोष, व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली,
- श्री सतोष कुमार मिश्रा, भा0प्र0 सेवा, प्रंबध निदेशक, छत्तीसगढ पर्यटन बोर्ड, रायपुर,
- डॉ0 रतन यू0 केलकर, भा0प्र0 सेवा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सेंटर कॉर ई–गवर्नेस, कर्नाटक सरकार, बंगलोर,
- श्री संजीव चोपडा, भा0प्र0सेवा, प्रधान सचिव उद्योग ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर,
- श्रीमती रंजना चोपडा, भा0प्र0 सेवा, सचिव, ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर,

- श्री राजेश आर्य, भा0पु0 सेवा, पुलिस महानिरीक्षक, राजस्थान सरकार, जयपुर,
- डॉ0 निखिल जे0 गुप्ता, भा0पु0 सेवा, उपनिदेशक, सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद,
- श्री पी0के0 सिन्हा, भा0पु0 सेवा, पुलिस महानिरीक्षक, पंजाब सरकार, चंडीगढ,
- श्री आर0के0 ककानी, प्रोफेसर, एक्स एल आर आई– जेवीयर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, जमशेदपुर, झारखंड,
- श्री निशांत वारवडे, भा0पु0 सेवा, जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर, मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल
- प्रोफेसर अजय शाह, प्रोफेसर, राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली,
- श्री आदेश जैन, चैयरमैन, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोजेक्ट एंड प्रोग्राम मैनेजमेंट, नोएडा,
- श्री अनुज दयाल, कायंकारी निदेशक, दिल्ली मेट्रो रेल कोर्पोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली,
- श्री श्रीनाथ चक्रवर्ती, वाइस प्रेजीडेंट, एन आई एस जी, हैदराबाइ,
- श्री एस.आर. बाशा, उप महाप्रबंधक, एन आई एस जी, हैदराबाद,
- श्री वाकुल शर्मा, एडवोकेट सर्वोच कार्यलय तथा साइबर लॉ एक्सपर्ट, नई दिल्ली,
- श्रीमती रेनु बुद्विराजा, वरिष्ठ निदेशक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली,
- श्री राकेश मलिक, एसोसिएट वाइस प्रेजीडेंट, एन आई एस जी, हैदराबाद,
- डॉ0 सुंदर बालाकृष्ण, प्रबंध निदेशक, ए पी टी एस तथा निदेशक, मीसेवा, आ0प्र0 सरकार, हेदराबाद,
- श्री जगदीश खट्टर, भा0प्र0 सेवा (सेवानिवृत्त) सेक्टर–5 नोएडा,
- श्री योगी श्रीराम, सीनियर वाइस प्रेजीडेंट, लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड, मुम्बई,
- डॉ0 सरिता नागपाल, प्रधान सलाहाकार, कंफेडरेशन ऑफ इंडिया इंडस्ट्रीज,
- श्री स्नेहिल कुमार, टी क्यू एम काउंसलर, कंफेडरेशन ऑफ इंडिया इंडस्ट्रीज
- डॉ0 अनुपम कॉल, प्रिंसपल काउंसलर, इंस्टीट्यूट ऑफ क्वालिटी, कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रिज,
- श्री राजीव टकरु, सचिव, भा0प्र0 सेवा, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली,
- डॉ0 के0 सलीम अली, भा0पु0 सेवा (सेवानिवृत्त) पूर्व विशेष निदेशक, सीबीआई, नई दिल्ली
- श्री मनीष कुमार, सीनियर इंस्टीटयूशनल डेवलपमेंट स्पेशलिस्ट एंड कंट्री कॉर्डिनेटर, वर्ल्ड बैंक, नई दिल्ली
- श्री हिमांशु राय, डीन, एम आई एस बी बोकोनी, मुम्बई,
- श्री थॉमस रिचर्डसन, सीनियर रेजिडेंट रिप्रेजेंटेटिव इन इंडिया, अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष, नई दिल्ली,
- श्री अजय शाह, प्रोफेसर, राष्ट्रीय लोक वित्त नीति संस्थान, नई दिल्ली,
- डॉ0 इला पटनायक, प्रधान आर्थिक सलाहकार, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली,
- डॉ0 अरोमर रेवि, डायरेक्टर, इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट, बेंगलुरु,
- श्री सतीश सेल्वकुमार, अध्यक्ष, अरबन प्रेक्टिशनर्स प्रोग्राम, इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट, बेंगलुरु,
- श्री गौतम भान, सीनियर कंसल्टेंट, इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट, बेंगलुरु,
- श्री स्वास्तिक हरीश, कंसल्टेंट, अरबन प्रेक्टिशनर्स प्रोग्राम, इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट, बेंगलुरु,
- डॉ0 समीर शर्मा, भा0प्र0 सेवाद्व संयुक्त सचिव शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली,
- श्री रवि चोपडा, अध्यद्वा, भू–स्थानिक प्रयोगशाला, इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट, बेंगलुरु,
- श्री अमलन ज्योति गोस्वामी, प्रमुख, लीगल एंड रेग्युलेशन, इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट, बेंगलुरु,
- सुश्री सुदेशना मित्रा, कंसल्टेंट, लैंड इकोनोमिक्स, इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट, बेंगलुरु,
- श्री सी0एल0 मीणा, भा0प्र0 सेवा (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष गुजराज सिविल सेवा ट्रिब्यूनल, गांधीनगर,
- श्री दीपक सनन, भा0प्र0 सेवा, अपर मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला,

- श्री माधव पई, निदेशक, ई एम बी एम आर क्यू इंडिया, मुम्बई,
- श्री सोमनाथ सेन, चीफ प्रेक्टिस, इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर यूमन सेटलमेंट, बेंगलुरु,
- सुश्री कविता वानखडे, लीड प्रेक्टिस, इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट, बेंगलुरु,
- श्री अमरजीत सिन्हा, भा0प्र0 सेवा, अपर सचिव, भारत सरकार, ग्रामीण विकास विभाग, नई दिल्ली
- श्री श्रीधर राजगोपालन, प्रबंध निदेशक, एजुकेशन इनिशिएटिव्ज प्राइवेट लिमिटेड, हमदाबाद,
- श्री सी0के0 मिश्रा, भा0प्र0 सेवा, अपर सचिव एवं प्रबंध निदेशक (एन आर एच एम) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली,
- डॉ0 टी सुंदर रमन, प्रोफेसर तथा डीन, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साईसेज, मुम्बई,
- डॉ0 पी0के0 त्रिपाठी सह–संस्थापक एवं मुख्य पदाधिकारी एकजुट (इं के जे यू टी) झारखंड,
- डॉ0 वेद आर्य, सीईओ, सेल्फ–रेलिएंट इंनीशिएटिव्ज थ्रू जॉइंट एक्शन (सृजन) नई दिल्ली,
- श्री निखिल डे, सामाजिक कर्याकर्ता, मजदूर किसान शक्ति संगठन, राजस्थान,
- श्री जे0के0 महापात्र, भा0प्र0 सेवा सचिव भारत सरकार, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली

मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण–IV (10वां दौर)

(6 अप्रैल 2015 से 22 मई 2015 तक)

कार्यक्रम का लक्ष्य समूह	15–18 वर्ष की वरिष्ठता वाले भा.प्र. सेवा अधिकारी (1991,1992,1993,1994,1996,1997,1998,1999 से 2000 के बैच)
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री तेजवीर सिंह, संयुक्त निदेशक
सह–पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री दुष्यंत नरियाला, संयुक्त निदेशक श्री जयंत सिंह, उपनिदेशक वरिष्ठ
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	डॉ0 कृष्णकांत पॉल, माननीय राज्यपाल, उत्तराखंड
विदाई संबोधन	माननीय श्री एम. वैंकैया नाईडु, केन्द्रीय शहरी विकास, आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन एवं संसदीय कार्य मंत्री
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल 62 (पुरुष 46, महिलाएं 16)

भा.प्र. सेवा चरण–IV (10वां दौर) के प्रतिभागियों का ब्यौरा परिशिष्ट–8 में संलग्न है।

लक्ष्य

- नीति निर्माण एवं बेहतर कार्यान्वयन हेतु प्रभावी परिवर्तन के लिए 15 से 18 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले अधिकारियों को अवगत कराना।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- वैश्विक एवं राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक अर्थव्यवस्था तत्कालीन विकास की सराहना करना
- लोक नीति निर्माण, विश्लेषण एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया समझना
- लोक नीति के संदर्भ में क्षेत्रीय ज्ञान बढ़ाना
- नेतृत्व तथा बातचीत कौशल को बढ़ावा देना तथा

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

- नीति विश्लेषण
- स्मार्ट नीति डिजाइन एवं नीति निर्धारण
- जनसेवा वितरण एवं कनाडा और फ्रांस का विदेश अध्ययन भ्रमण

- लोक वित्त, शहरी क्षेत्र तथा नेतृत्व
- अवसंरचना, सार्वजनिक निजी सहभागिता (पीपीपी) तथा बातचीत
- स्वास्थ्य, शिक्षा तथा क्षेत्रीय अद्यतन

विदेश अध्ययन दौरे की रूपरेखा

चरण–IV के भागीदारों को 10 (दस) दिन के विदेश अध्ययन भ्रमण हेतु विदेश ले जाया गया। यह दो भागों में आयोजित किया गया अर्थात आधा समूह कनाडा का भ्रमण किया तथा आधा समूह फ्रांस का भ्रमण किया। अध्ययन दौरे का उद्देश्य गंतव्य राष्ट्र की वृद्धि एवं विकास का एक प्रत्यक्ष अवलोकन करना तथा उस देश की नीतियों का एक व्यापक परिप्रेक्ष्य ग्रहण करने का अवसर तथा भारतीय संदर्भ में उनके व्यवहार्यता की जांच करना था।

कनाडा का विदेश अध्ययन भ्रमण कनाडा में (आईपीएसी) लोक प्रशासन संस्थान के सहयोग से हुआ। आईपीएसी एक सिविल सेवकों का एसोसिएशन है तथा लोक नीति प्रोफेशनल का एक तथा गवर्नेन्स के क्षेत्र में सर्वोत्तम पद्धतियों को प्रसारित करने की जिम्मेवारी है। वह नियमित रूप से विश्व के विभिन्न भागों से आए बड़ी संख्या में ब्यूरोक्रेट्स के लिए मिड कैरियर ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित करती है। इस अध्ययन भ्रमण में टोरंटो के आसपास छोटे स्थल भ्रमणों के अतिरिक्त ओटावा तथा टोरंटो का भ्रमण भी शामिल था।

फ्रांस का विदेश अध्ययन भ्रमण साइंसेज पीओ के सहयोग से आयोजित किया गया, जो कि एक अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान विश्वविद्यालय है जिसका लोक नीति तथा गवर्नेन्स में मजबूत अध्यापन आधार है। संघ के अनुदेश, साइंस पीओ फैकल्टी तथा सरकार के अधिकारियों द्वारा प्रयोग शामिल होंगे। ब्रूसेल्स में यूरोपियन आयोग का एक छोटा भ्रमण भी अध्ययन भ्रमण के रूप में आयोजित किया गया।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- प्रोफेसर रेणुका साणे, विजिटिंग फैकल्टी, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, दिल्ली
- डॉ0 के.पी. कृष्णन, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव, भूमि अनुसंधान विभाग, ग्राम विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
- प्रोफेसर अजय शाह, प्रोफेसर राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली,
- डॉ0 चैरिटी ट्रॉयर मूरे, डाएरेक्टर, एविडेंस फॉर पॉलिसी डिजाइन, हार्डवर्ड कैनेडी स्कूल, कैम्ब्रीज, यू.एस.ए., थ्यूडोर सवर्नोस, रिसर्च फैलोएविडेंस फॉर पॉलिसी डिजाइन, हार्डवर्ड कैनेडी स्कूल, कैम्ब्रीज, यू.एस.ए.,
- डॉ0 प्रताप भानू मेहता अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी, नीति अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली,
- डॉ0 अरविंद सुब्रह्मणीयन, मुख्य आर्थिक सलाहकार, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली,
- श्री अनिल स्वरूप, भा.प्र. सेवा, सचिव, भारत सरकार, कोयला मंत्रालय, नई दिल्ली,
- थ्यूडोर सवर्नोस, रिसर्च फैलोएविडेंस फॉर पॉलिसी डिजाइन, हार्वर्ड कैनेडी स्कूल, कैम्ब्रीज, यू.एस.ए.,
- डॉ0 डीन स्पेयर्स, आर.आई.सी.ई., लखनऊ,
- प्रोफेसर रोहिणी पांडे,
- मोहम्मद कमल, प्रोफेसर ऑफ पब्लिक पॉलिसी हार्वर्ड कैनेडी स्कूल, कैम्ब्रीज, यू.एस.ए.,
- डॉ0 जिष्णु दास, वरिष्ठ अर्थशास्त्री, विश्व बैंक एवं विजिटिंग फैलो, नीति अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली,
- प्रोफेसर आर सुदर्शन, डीन, जिंदल स्कूल ऑफ गवर्नमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी, सोनीपत (हरियाणा),
- श्री शशि शेखर, सी.ई.ओ., निती डिजिटल
- प्रोफेसर प्रेम पंगोत्र, प्रोफेसर, पबल्कि सिस्टम्स, आई.आई.एम. अहमदाबाद (गुजरात)
- श्री के.एल. शर्मा, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली,
- श्री शेखर गुप्ता, वाईस चेयरमैन, इंडिया टूडे ग्रुप, नई दिल्ली,
- श्री अमरजीत सिन्हा, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव एवं मिशन डाएरेक्टर, एनआरएलएम, ग्राम विकास मंत्रालय, नई दिल्ली,
- प्रोफेसर अभिजीत बेनर्जी, फोर्ड फाउंडेशन प्रोफेसर ऑफ इंटरनेशनल इकोनोमिक्स, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी, बॉसटन (यू.एस.ए.) एंड डाएरेक्टर जे–पाल,
- श्रीमती शालीनी रजनीश, भा.प्र. सेवा, प्रधान सचिव, कर्नाटक सरकार, बंगलूरू,
- श्री एन. चंद्र बाबू नाएडू, माननीय मुख्य मंत्री, आंध्र प्रदेश सरकार, हैदराबाद,

- श्री राजीव कुमार, भा0प्र0 सेवा, अपर सचिव एवं स्थापना अधिकारी, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली,
- श्रीमती विनी महाजन, भा.प्र. सेवा, प्रधान सचिव (वित्त), पंजाब सरकार, चंडीगढ़,
- श्री अरविंद श्रीवास्तव, भा.प्र. सेवा, सचिव (वित्त), कर्नाटर सरकार, बंगलूरू,
- श्री सुमित बोस, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व वित्त सचिव, भारत सराकर, तथा सदस्य, व्यय प्रबंधन आयोग,
- डॉ0 हसमुख अधिया, भा.प्र. सेवा, सचिव, वित्तीय सेवा विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली,
- श्री रविन्द्र, भा.प्र. सेवा निदेशक, उद्योग नीति एवं उन्नयन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली,
- डॉ0 अरबिन्द प्रसाद, महानिदेशक, एफ.आई.सी.सी.आई., नई दिल्ली,
- श्री अरोमररेवी, डाएरेक्टर, इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स बंगलूरू,
- श्री सतीश सेल्वाकुमार, फैकल्टी, इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स बंगलूरू,
- श्री सोमनाथ सेन फैकल्टी, इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स बंगलूरू
- श्रीमती कविता वानखेड़े, फैकल्टी इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स बंगलूरू,
- श्री दीपक सनन, भा.प्र. सेवा, अपर मुख्य सचिव, पशुपालन, हिमाचल प्रदेश सराकर, शिमला,
- डॉ0 गौतम भान, फैकल्टी, इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स बंगलूरू,
- श्री स्वास्तिक हरिश, फैकल्टी, इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स बंगलूरू,
- श्री जे.एस. दीपक, भा.प्र. सेवा अपर सचिव, वाणिज्य विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली,
- डॉ. समीर शर्मा संयुक्त सचिव, (स्मार्ट सीटीज), शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली,
- श्री अमलन गोस्वामी, फैकल्टी इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स बंगलूरू,
- डॉ0 सुदेशना मित्रा, फैकल्टी इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स बंगलूरू,
- श्रीमती सिंधुश्री खुल्लर, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), सीईओ, एनआईटीआई आयोग, नई दिल्ली,
- श्री संजय बहादुर, आई.आर.एस., आयुक्त, आयकर एवं निदेशक क्षेत्र प्रशिक्षण संस्थान, मुंबई,
- श्री राजेश आर्य, भा.पु. सेवा, पुलिस महानिरीक्षक, राजस्थान सरकार, जयपुर,
- श्री मोहम्मद हनिश, भा.प्र. सेवा, सचिव, केरल सरकार, तिरूवनंतपुरम,
- श्री अरूण गोयल, भा.प्र. सेवा, प्रधान सचिव, गोवा सरकार, पणजी,
- श्री प्रवीर सिन्हा, सीईओ, नई दिल्ली पावर लिमिटेड (टाटा पावर), नई दिल्ली,
- श्री यू.एन. पंजीयर, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), चेयरमैन बिहार राज्य, विद्युत नियामक आयोग, पटना,
- श्री संदीप वर्मा, भा.प्र. सेवा, डीडीजी, यूआईडीएआई, नई दिल्ली,
- श्री सुरेश पी. प्रभु, माननीय केन्द्रीय रेल मंत्री, नई दिल्ली,
- श्री अरविंद माया राम, भा.प्र. सेवा, सचिव, भारत सरकार, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली,
- श्री के.जय किशन, सीईओ, आईडीईसीके, मुंबई,
- श्री एस.के. अग्रवाल, वाइस प्रेजिडेंट, एसबीआई केपीटल मार्केट, नई दिल्ली,
- श्री ए. बालासुब्रमणयन, वरिष्ठ परामार्शदाता, ज्योति सागर एवं एसोसिएट्स, चेन्नई,
- डॉ0 अश्विन महालिंगम, सहायक प्रोफेसर, आई.आई.टी. चेन्नई,
- श्री विवेक अग्रवाल, भा.प्र. सेवा, मुख्य मंत्री के सचिव, मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल,
- श्री के. वैकटेश, सीईओ एवं प्रबंध निदेशक, एल.एन.टी. इन्फ्राटेक, चेन्नई,
- श्री राजेश अग्रवाल, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, वित्तीय सेवा विभाग, नई दिल्ली,
- श्री राजेन्द्र कुमार, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, डीईआईटीवाई, नई दिल्ली,
- डॉ0 अरूण वाखलू, कार्यकारी अध्यक्ष, प्रगति लीडरशीप, पुणे, प्रोफेसर अशोक गुलाटी, इंफोसिस चेयर प्रोफेसर, कृषि, आईसीआरआईईआर, नई दिल्ली,

- डॉ0 श्वेता सैनी, परामर्शदता, आईसीआरआईईआर, नई दिल्ली, प्रोफेसर के. श्रीनाथ रेड्डी, चेयरमैन, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली,
- श्री मनोज झलानी, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली,
- डॉ0 विश्वजीत कुमार, सीईओ एवं फाउंडर, कम्यूनिटी एम्पावरमेंट लैब्स, शिवगढ़, उत्तर प्रदेश,
- प्रोफेसर कार्तिक मरमुर्लीधरण, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र, कैलीफोरनिया यूनिवर्सिटी, सैन डिगो, यूएसए,
- श्रीमती राधा चौहान, भा.प्र. सेवा, उपमहानिदेशक, यूआईडीएआई, नई दिल्ली,
- प्रोफेसर राजन वेलुकर, वाइस चांसलर, मुंबई यूनिवर्सिटी, मुंबई,
- डॉ0 सुखबीर संधु, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, उच्च शिक्षा विभाग, नई दिल्ली,
- श्री मनीष सभरवाल, सीईओ एंड फाउंडर, टीम लीज, बंगलूरू,
- श्री टीएसआर सुब्रह्मणयन, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व केबिनेट सचिव, भारत सरकार, नोएडा,
- श्री शांतनु कौनसुल, भा.प्र. सेवा सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, भारत सरकार, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, बंगलूरू,

मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण–V (9वां दौर)

(12 अक्टूबर से 6 नवंबर, 2015)

कार्यक्रम का लक्ष्य समूह	26–28 वर्ष की वरिष्ठता वाले भा.प्र. सेवा अधिकारी (1983,1984,1985,1986,1987 से 1988 के बैच)
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री राजीव कपूर, निदेशक
सह–पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री तेजवीर सिंह, संयुक्त निदेशक श्रीमती जसप्रीत तलवार, संयुक्त निदेशक श्री जयंत सिंह, उपनिदेशक वरिष्ठ श्री सी.श्रीधर, उपनिदेशक
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	भारत के माननीय प्रधानमंत्री
विदाई संबोधन	श्री राहुल खुल्लर, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व चेयरमैन, टी.आर.ए.आई.
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल 97 (पुरुष 84, महिलाएं 13)

भा.प्र. सेवा (चरण–V) का मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम 9वां दौर के प्रतिभागियों का ब्योरा परिशिष्ट –9 में संलग्न है।

लक्ष्य

रणनीति निर्धारण तथा इसके क्रियान्वयन में प्रभावी परिवर्तन लाने के लिए 26 से 28 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके अधिकारियों को तैयार करना।

कार्यक्रम के उद्देश्य

- भावी चुनौतियों का सामना करने के लिए नीतियों के निर्धारण के उद्देश्य से वैश्विक तथा राष्ट्रीय योजना तैयार करना अन्तः क्षेत्रीय नीति निर्धारण के महत्व को समझना तथा कार्यान्वित करना।
- अपने कार्य परिवेश में प्रभावी लीडरशिप प्रदान करना।
- नीति निर्धारण के लिए आवश्यक सेवा नेटवर्क को सुदृढ़ बनाना तथा कार्यान्वित करना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

- गवर्नेन्स, आर्थिक राजनीति, आर्थिक विकास, लोक वित्त, विदेश नीति, व्यापार, वातावरण, ऊर्जा इत्यादि विषय
- 25–30 के समूह में आस्ट्रेलिया, चीन, दक्षिण अफ्रिका तथा यू.एस.ए. में विषय केंद्रीत विषय परक विदेश अध्ययन भ्रमण
- विदेश अध्ययन भ्रमण तथा भारत के लिए शिक्षा पर विचार, राज्य एवं बाजार की भूमिका, समावेशी वृद्धि पर सेमिनार, शहरी क्षेत्र में नीति विषय तथा प्रमुख चुनौतियां, राष्ट्रीय सुरक्षा में चुनौतियां, विनियम तथा विनियामक सुधार तथा सरकार में रणनीतिक विचार

विदेश अध्ययन भ्रमण की रूपरेखा

- चरण–V का विदेश अध्ययन भ्रमण अक्टूबर के दूसरे सप्ताह 19–23 अक्टूबर तक आयोजित किया गया। यह प्रत्येक 4 राष्ट्रों विषय केंद्रीत रूप से 25–30 अधिकारियों के छोटे दल में आयोजित किया गया। विषय में प्रसिद्ध संसाधनयुक्त व्यक्तियों द्वारा परस्पर संचार वाले व्याख्यान सत्र, नीति निर्माताओं तथा सरकार के अधिकारियों के साथ संचार एवं क्षेत्र भ्रमण।
- आस्ट्रेलिया : आस्ट्रेलिया का अध्ययन भ्रमण आधुनिक सरकार पर केंद्रित होगा। यह क्रॉफोर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, ऑस्ट्रेलियम नेशनल युनिवर्सिटी, कैनबरा, की भागीदारी के साथ आयोजित किया जाएगा।
- दक्षिण अफ्रिका : दक्षिण अफ्रिका का अध्ययन भ्रमण ब्रिक्स में शहरीकरण के विषय पर आधारित था। इसे भारतीय मानव पूनर्वास संस्थान बंगलोर तथा अफ्रिका सेंटर ऑफ सिटीज, युनिवर्सिटी ऑफ केपटाउन एट जोहान्सबर्ग तथा केपटाउन की भागीदारी के साथ आयोजित किया गया।
- चीन : चीन का अध्ययन भ्रमण चीन के द्रुत आर्थिक सामाजिक विकास पर केन्द्रित होगा। यह चाइनीज एग्जीक्यूटिव लीडरशिप, अकादमी, पुडोंग संघाई के भागीदारी के साथ आयोजित किया जाएगा।
- संयुक्त राज्य अमेरिका :संयुक्त राज्य अमेरिका का अध्ययन भ्रमण होलैंड सुरक्षा के विषय पर केंद्रित होगा जिसमें युनाइटेड स्टेट्स द्वारा आंतरिक सुरक्षा के विषयों से निपटने के अनुभवों से सीखने पर मुख्य बल दिया जाएगा। इसे ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन, वाशिग्टन, डीसी के साथ भागीदारी द्वारा आयोजित किया जाएगा।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- श्री बी. के. चुतुर्वेदी, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व केबिनेट सचिव तथा पूर्व सदस्य, योजना आयोग
- श्री मनीष सभरवाल, फाउंडर टीम लीज, बंगलोर
- न्यायाधीश बी.एन. श्रीकृष्ण, पूर्व न्यायाधीश, भारत का सर्वोच्च न्यायालय
- श्री प्रकाश जावड़ेकर, माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री (आई/सी), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, नई दिल्ली
- डॉ0 रोथिन रॉय, निदेशक, एनआईपीएफपी, नई दिल्ली तथा सदस्य, 7वां वेतन आयोग
- श्री अमिताभ कांत, भा.प्र. सेवा, सचिव, औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- श्री हर्षपति सिंघानिया, वाइस चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, जे.के. पेपर
- प्रोफेसर अरविंद पनगड़िया माननीय वाइस चेयर–मैन, नीति आयोग, नई दिल्ली
- श्री हमीश एम.सी. डोनाल्ड, मंत्री, ऑस्ट्रेलियन हाई कमीशन, नई दिल्ली
- श्री एन.एन. वोहरा, भा. प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), माननीय राज्यपाल, जम्मू एवं कश्मीर
- श्री एस. राजगोपालन मैनेजिंग डाएरेक्टर एजुकेशनल इनिशिएटिव्ज प्राईवेट लिमिटेड, अहमदाबाद
- डॉ0 रमेश चंद, सदस्य, नीति आयोग, नई दिल्ली
- श्री जे.एस. दीपक, भा.प्र. सेवा, सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स आई. टी. विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- डॉ0 एन.सी. सक्सेना, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), सलाहकार, यूएनडीपी इंडिया, नई दिल्ली
- श्री अमरजीत सिन्हा, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव, भारत सरकार, ग्राम विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री के. विजय कुमार, भा.पु. सेवा, (सेवानिवृत्त), वरिष्ठ सुरक्षा सलाहकार, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली
- प्रोफेसर प्रमोद मंत्रवेदी, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद
- डॉ0 के. पी. कृष्णन, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव, भारत सरकार, भूमि अनुसंधान विभाग, नई दिल्ली
- श्री आर.एस. शर्मा, , भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), चेयरमैन, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली
- श्री अरोमर रेवी, निदेशक, आई.आई.एच.एस, बंगलोर
- डॉ0 विमल पटेल, अध्यक्ष, सीईपीटी यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद
- डॉ0 समीर शर्मा, अपर सचिव, भारत सरकार, शहरी विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री शेखर गुप्ता, पूर्व मुख्य संपादक, द इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप
- प्रोफेसर माइकल कोहेन, निदेशक न्यू स्कूल, न्यूयार्क
- प्रोफेसर राहुल मुखर्जी, सहायक प्रोफेसर, नेशनल युनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर

- श्री अरुण जेटली, माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री
- श्री राजीव कुमार, भा.प्र. सेवा, स्थापना अधिकारी, भारत सरकार, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग
- श्री सुनील कांत मुंजाल, संयुक्त प्रबंधन निदेशक, हिरोमोटोकॉर्प
- श्रीमती नैना लाल किदवई, इंडिया हैड, एचएसबीसी ग्रुप, नई दिल्ली
- डॉ0 पार्थ मुखोपाध्याय, वरिष्ठ अध्येता, नीति अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली
- प्रोफेसर अजय शाह, राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली
- डॉ0 संजय प्रधान, वाइस प्रेजिडेंट, द वर्ल्ड बैंक, वाशिंगटन डीसी, यूएसए,
- श्री विजय महाजन, अध्यक्ष एवं संस्थापक, बेसिक्स ग्रुप, नई दिल्ली
- डॉ0 नचिकेत मोर, चेयरमैन, सुगावाजहव्हू हेल्थ केयर, आईकेपी सेन्टर फॉर टेक्नोलॉजिज इन पब्लिक हैल्थ, चेन्नई
- डॉ0 जीन ड्रेज, डेवलपमेंट इकोनोमिस्ट एंड ऑनरेरी चेयर प्रोफेसर, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी
- श्री गोपाल पिल्लई, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व केन्द्रीय गृह सचिव, नई दिल्ली
- डॉ0 पार्थ मुखोपाध्याय, वरिष्ठ अध्येता, नीति अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली
- श्री सत्यानंद मिश्रा, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त, नई दिल्ली
- डॉ. ईला पटनायक, प्रधान आर्थिक सलाहकार, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली
- डॉ0 सुबीर गोकरण अनुसंधान निदेशक, ब्रुकिंग्स इंडिया, नई दिल्ली
- डॉ0 गौतम भान आई.आई.एच.एस. बंगलौर
- श्री श्रीराम आनंत स्वानम, आई.बी.एम. इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव (गवर्नमेंट एंड एजुकेशन) स्मार्टर सिटीज, दुबई (यूएई)
- श्री राहुल खुल्लर, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व अध्यक्ष टी.आर.ए.आई., नई दिल्ली
- श्री गुरचरण दास, प्रख्यात विचारक एवं लेखक, नई दिल्ली
- श्री जे.एस. दीपक, भा.प्र. सेवा, सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आई.टी. विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- श्री बिक्रम एस. मेहता, चेयरमैन, ब्रुकिंग्स इंडिया, नई दिल्ली
- श्री जयंत सिन्हा, माननीय केन्द्रीय राज्य, वित्तमंत्री
- डॉ0 अरविंद गुप्ता, आईएफएस (सेवानिवृत्त), राष्ट्रीय उप सुरक्षा सलाहकार एवं सचिव (एनएससीएस)
- डॉ0 दीदार सिंह, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), महा–सचिव, एफ.आई.सी.सी.आई., नई दिल्ली
- श्री जयंत दास गुप्ता, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), फोरमर एम्बेसडर ऑफ इंडिया टू डब्ल्यू.टी.ओ.
- डॉ0 के. पी. कृष्णन, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव, भारत सरकार, भूमि अनुसंधान विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- श्री प्रदीप कुमार रावत, आई.एफ.एस, संयुक्त सचिव, (पूर्वी एशिया), एमईए, नई दिल्ली
- श्री लवीश भंडारी, फाउंडर डायरेक्टर ऑफ इंडिकस, गुड़गांव
- प्रोफेसर एन.वी. वर्गीज, निदेशक, सेन्टर फॉर पॉलिसी रिसर्च इन हायर एजुकेशन, नई दिल्ली
- प्रोफेसर सोमनाथ घोष, डीन, एकेडमिक्स इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, काशीपुर
- श्री जोसेफ डी'क्रूज, रिजनल टीम लीडर एशिया – पैसिफिक ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट, यूएनडीपी, बैंकॉक
- डॉ0 किरण कर्णिक, पूर्व अध्यक्ष, नासकॉम, नई दिल्ली
- श्री अशोक प्रसाद, भा.पु. सेवा, सचिव, आंतरिक सुरक्षा, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली
- प्रोफेसर आंतोम मसग्रेव, सीनियर पार्टनर – फ्यूचर वर्ल्ड इंटरनेशनल, साउथ अफ्रिका
- श्री देवेन्द्र चौधरी, भा.प्र. सेवा, सचिव, भारत सरकार, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग, नई दिल्ली
- प्रोफेसर अजय शाह, राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली
- श्री गिरीश बी. प्रधान, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी, सीईआरसी, नई दिल्ली
- श्री सतीश सेल्वा कुमार, आई.आई.एच.एस, बंगलोर
- डॉ0 अश्विन महालिंगम, संकाय, आई.आई.टी. मद्रास, चेन्नई

राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पददोनत/चयनित सूची के अधिकारियों के लिए प्रवेशकालीन प्रशिक्षण (8 सप्ताह)

प्रवेशकालीन पाठ्यक्रम विभिन्न राज्यों की चयनित सूची में अधिकारियों अथवा राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत किए गए अधिकारियों के लिए आयोजित किया जाता है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य ज्ञान, कौशल के स्तरों का उन्नयन करना तथा उन व्यक्तियों के साथ विचार, मत तथा अनुभव के आदान–प्रदान का अवसर उपलब्ध कराना है जिन्होंने राष्ट्र विकास के विभिन्न क्षेत्रों में कौशल विकसित किया है। नये प्रबंधन विचारों, तकनीकियों तथा कौशल एवं तकनीकी एवं प्रबंधन के अग्रणी क्षेत्रों को भी पर्याप्त बल दिया जाता है। इसके भागीदारों को एक अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य देने पर बल दिया जाता है। अधिकारियों को देश के अग्रणी संस्थानों के भ्रमण के लिए भी ले जाया जाता है, जिससे उन्हें सेवा की अखिल भारतीय प्रकृति से अवगत कराया जा सके।

भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए 117वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

(27 जुलाई से 4 सितंबर, 2015 तक)

कार्यक्रम का लक्ष्य समूह	राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में (पदोन्नत/चयनित सूची) अधिकारियों के लिए प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री दुष्यंत नरियाला, संयुक्त निदेशक
सह–पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिषेक स्वामी, उपनिदेशक वरिष्ठ एवं श्रीमती तुलसी मद्दिनेनी, उपनिदेशक
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री इंदु कुमार पांडे, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), देहरादून
विदाई संबोधन	श्री देवेन्द्र चौधरी, भा.प्र. सेवा, सचिव, प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, नई दिल्ली
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल 75 (पुरुष 67, महिलाएं 8) शेष प्रतिभागी –6 (प्रतिभागियों की कुल संख्या को छोड़कर)

117वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का ब्योरा अनुलग्नक–10 में संलग्न है।

लक्ष्य

पाठ्यक्रम का लक्ष्य शासन और प्रशासन के अखिल भारतीय स्वरूप से अवगत कराना तथा निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के माध्यम से अगले स्तर पर राज्य तथा केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों के कार्यकरण में जागरूकता लाना तथा उन्हें दायित्वों का बोध कराना है।

- एक प्रशासक के रूप में सक्षमता से कार्य करने हेतु अंतर्विषयक ज्ञान एवं दक्षता ग्रहण करना
- प्रशासनिक विषयों तथा शासन की चुनौतियों पर अनुभव, विचारों एवं मतों के आदान–प्रदान द्वारा एक अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य ग्रहण करना
- प्रतिभागियों को नए सूचना संचार तकनीकी दक्षताओं तथा प्रबंधन नीतियों से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अपनाई गई प्रशिक्षण विधियों में व्याख्यान, परिचर्चा, प्रकरण अध्ययन, पैनल चर्चा, कंप्यूटर का व्यावहारिक ज्ञान, अनुभव आदान–प्रदान, फिल्म प्रदर्शन तथा विचार–विमर्श, मैनेजमेंट गेम, समूह कार्य तथा क्षेत्र भ्रमण शामिल किए गए थे।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

प्रथम सप्ताह में प्रमुख बल भारतीय प्रशासनिक सेवा, परियोजना मूल्यांकन, ऊर्जा तथा सामाजिक क्षेत्र पर एक परिप्रेक्ष्य प्रदान करना था। दूसरे सप्ताह में प्रमुख बल लोक वित्त, वित्तीय विवरणों को समझने, आपदा प्रबंधन, इ–गवर्नेन्स, लोक वित्त में सुधार के लिए तकनीकी में उपयोग सार्वजनिक निजी सहभागिता डाटा विश्लेषण एवं व्याख्यान, वित्तीय मामलों तथा आरटीआई को समझने पर था जबकि चौथे सप्ताह में प्रमुख बल मीडिया का सामना करने, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्वीकरण, स्वच्छ भारत अभियान, लोक नीति में दुविधा तथा प्रतिभागियों को समस्या समाधान कार्य तथा प्रस्तुतियां देने के लिए कहा गया।

विदेश अध्ययन दौरे की रूपरेखा

कार्यक्रम के हिस्से के रूप में प्रतिभागियों के लिए 2 सप्ताह का क्षेत्र अध्ययन दौरा कार्यक्रम आरंभ किया गया जिसमें भारत के सरकारी तथा

गैर–सरकारी संस्थानों और संगठनों का भ्रमण और संबद्धता कार्यक्रम और उसके बाद श्रीलंका का भ्रमण कार्यक्रम शामिल है। इसका अभिप्राय प्रशासनिक ढांचों तथा प्रक्रियाओं की सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त करना ही नहीं बल्कि पूरी तरह से समाज और समुदाय की समीक्षा करना है ताकि इसकी विविधता को समझने में सहायता मिल सके और कुछ अलग करने के तरीकों का पता लगाया जा सके। इससे उन्हें अपने ज्ञान की सीमा का विस्तार करने और जरूरी मानसिक उदारता तथा खुलापन हासिल करने में सहायता मिलेगी जो एक प्रशासक के पास होनी चाहिए।

बाह्य कार्यक्रमों में स्थानीय निकायों, एनजीओ तथा देश के विभिन्न भागों में स्थित प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ संबद्धता शामिल है। इसके पश्चात श्रीलंका का एक दौरा शामिल था जिसमें स्वास्थ्य एवं शैक्षिक संस्थानों तथा नगर निगमों के साथ संबद्धता शामिल है।

पाठ्यक्रम समन्वयक की रिपोर्ट

117वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पिछले कई वर्षों के दौरान सबसे बड़े बैच वाला था। पहली बार सत्रों के चर्चा प्रेरक के बतौर संरचित अनुभव आदान–प्रदान का उपयोग किया गया। इस पाठ्यक्रम का समापन केन्द्रीय राज्य मंत्री (पीपी), डॉ0 जितेन्द्र सिंह से बातचीत के साथ नई दिल्ली में हुआ।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- श्री इंदु कुमार पांडे, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व मुख्य सचिव, उत्तराखंड
- श्री आलोक, सचिव (राजस्व), राजस्थान सरकार, जयपुर (राजस्थान)
- श्री अविनाश चंपावत, पंजीयक, सहकारी, छत्तीसगढ़ सरकार, रायपुर
- श्री संतोष राय, वैज्ञानिक–'डी' (पेट्रोलॉजी एवं जिओकेमिस्ट्री) ग्रुप) वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी, 33 जीएमएस रोड, देहरादून
- मेजर जनरल वी.के. दत्त, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त)
- श्री श्रीकांत विश्वनाथन, समन्वयक, एडवोकेसी एंड रिफोर्मस रिसर्च एंड इंसाइट्स
- श्री पी. मणिवांनन, भा.प्र. सेवा, प्रबंध निदेशक, कर्नाटक शहरी जल आपूर्ति एवं ड्रेनेज बोर्ड,
- श्री के.जी. वर्मा, संयुक्त सचिव (सेवानिवृत्त) कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- सुश्री वर्तिका नंदा, अध्ययक्ष, पत्रकारिता विभाग, लेडी श्री राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- श्री एस.डी. मुनि, प्रोफेसर, एमेरिट्स, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- श्री देवेन्द्र चौधरी, भा.प्र. सेवा, सचिव, भारत सरकार, प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, नई दिल्ली
- डॉ0 बी.राजेंद्र, संयुक्त सचिव (पीपी), जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
- श्री देवी प्रसाद, आई ई एस (सेवानिवृत्त)
- डॉ0 समीर सरन, वैज्ञानिक/इंजीनियर–एस.एफ, जियो इंफोर्मेटिक्स डिपार्टमेंट, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग (आईआईआरएस), 4, कालिदास रोड, देहरादून
- डॉ0 एन. यूवराज, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय, महारानी पेटा विशाखापटनम
- डॉ0 सी.वी. आनंद बोस, 1/13, शांतिनिकेतन, डिप्लोमेटिक एनक्लेव, नई दिल्ली
- श्री विजय नेहरा, भा.प्र. सेवा, नगर आयुक्त, राजकोट नगर निगम, राजकोट
- श्री सोमनाथ सेन, आई.आई.एच.एस, बंगलोर
- प्रोफेसर, एस. थरप्पन, निदेशक, कॉलेज फॉर लीडरशिप एंड ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट, एआईएम इंसाइट्स द एचआरडी ग्रुप, वेलेंशिया सर्कल, मंगलोर, कर्नाटक
- डॉ0 राज अग्रवाल, निदेशक, ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए –सीएमई), मैनेजमेंट हाउस, नई दिल्ली
- श्री वी.पी. सिंह, भा0प्र0 सेवा, सचिव सतर्कता विभाग, पंजाब सरकार, चंडीगढ
- डॉ0 जी.डी. बड़गैयां, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), नई दिल्ली
- श्री कुमार वी. प्रताप, आर्थिक सलाहकार, शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
- श्री वी. भास्कर, भा.प्र. सेवा, पूर्व विशेष मुख्य सचिव, वित्त विभाग, आ.प्र. सरकार, हैदराबाद

- डॉ0 अड़पा कार्तिक, अपर सचिव (गृह), पंजाब सरकार, चंडीगढ़
- श्री सैयद आबीद रशीद शाह, एसडीएम श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, राहत एवं पुनर्वास एनजीओ गतिविधि तथा पूर्व बाड़ पुनर्वास समन्वय अधिकारी
- श्री विनय ठाकुर, निदेशक (परियोजनाएं), राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस प्रभाग (एनईजीडी), विद्युत एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीईआईटीवाई), भारत सरकार, नई दिल्ली
- सुश्री कविता वानखेड़े, इंडियन इंस्टीटयूट फॉर हयूमन सैटलमेन्ट बंगलोर
- श्री आलोक कुमार, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव, (एचयूए / स्वास्थ्य / उद्योग प्रभाग), भारत सरकार, नई दिल्ली।
- डॉ0 के. सलीम अली, भा.पु. सेवा (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, द वॉचगार्ड, चेन्नई
- सुश्री पी. अमुधा, भा.प्र. सेवा, श्रम आयुक्त, तमिलनाडु सरकार, चेन्नई

भा.प्र. सेवा 1965 बैच के अधिकारियों का स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन

(25 मई से 26 मई 2015)

पाठ्यक्रम समन्वयकः	श्री अभिषेक स्वामी, उपनिदेशक

अकादमी प्रतिवर्ष उन अधिकारियों का पुनर्मिलन कार्यक्रम आयोजित करती है जो 50 वर्ष पूर्व सेवा में शामिल हुए थे। पहला पुनर्मिलन, स्वतंत्र भारत के स्वर्णजयंती वर्ष अर्थात, 1997 में आयोजित किया गया था जिसमें स्वतंत्रता के समय सेवारत भारतीय सिविल सेवा तथा भा0प्र0 सेवा के अधिकारियों ने भाग लिया। तब से, सेवानिवृत्त अधिकारियों को प्रतिवर्ष तीन दिनों की अवधि के लिए संकाय एवं अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों से अपने अनुभवों का आदान–प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। वरिष्ठ अधिकारियों का दृष्टिकोण बेहद सामाजिक होता है तथा प्रशासन के इस बदलते परिवेश में बहुमूल्य जानकारियां देते हैं। शासन के महत्वपूर्ण मुद्दों पर औपचरिक सत्रों के बीच, भा.प्र. सेवा तथा सिविल सेवाओं पर विचार, आधारिक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण लेने वाले अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के साथ पारस्परिक सत्रों, संस्मरणों तथा अकादमी परिसर के दौरे भी शामिल होते हैं।

इस वर्ष 1965 बैच का स्वर्णजयंती पुनर्मिलन 25 मई तथा 26 मई 2015 को आयोजित किया गया तथा बैच के 82 पुरुष तथा 6 महिला अधिकारी इस पुनर्मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए।

अध्याय 4

सहयोगी केंद्र

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान प्रशिक्षण केन्द्र

अकादमी में एन.आइ.सी. की यह यूनिट अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों को अकादमी में प्रशिक्षण के दौरान, सूचना तथा संचार प्रौद्योगिकी से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करती है। एन.आई.सी यूनिट द्वारा प्रशिक्षण कैलेण्डर 2015 के दौरान निम्नलिखित पाठ्यक्रम तथा गतिविधियां संचालित की गई।

क्र.सं.	पाठ्यक्रम तथा अवधि	सत्र	प्रतिभागी	विषय
1.	भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–I (2014–16 बैच) (26 सप्ताह)	25X4 = 100	181	What-if-analysis using Excel, Descriptive Statistics and Graphical Analysis using MS Excel, Survey Analysis, Time, Value and Money, Capital Budgeting, Introduction to MS Access, Multiple Table with Single Primary Key, Application Utility using MS Access, Tenancy database, Introduction to MS Project, Project Appraisal with Management Faculty.
2.	भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–II (2013–15 बैच) (08 सप्ताह)	4 X 2 = 12	175	Population Pyramid Analysis with MS Excel, Descriptive Statistics and Graphical Analysis, Survey Analysis, Microsoft Project, Public Grievances Monitoring using MS Access.
3.	भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए 9वां मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम (चरण–III)	20	100	Absolute and Relative Cell Addressing, User Defined Formula and In-built Function, What-if Analysis using MS Excel, Financial Management (Time Value of Money, PV, FV, PMT, IRR, NPV) using MS Excel, Project Appraisal (Financial and Investment Criteria, Constructing Project Cash Flows, Case Studies – Small and Large) using MS Excel.
4.	90वां आधारिक पाठ्यक्रम (15 सप्ताह)	20X4 = 80	353	Word Processing Basics using MS Word, Effective Document Management using MS Word, Special Publication Features for Quality work, Boiler Plate Features in MS Word to Minimise Time & Efforts, Generating Table of Contents and Indexing

क्र.सं.	पाठ्यक्रम तथा अवधि	सत्र	प्रतिभागी	विषय
				(Basic and Advance) in MS Word, Document Sharing and Security issues (Basic and Advance), Presentation Basics using Power Point, Visual Tools of Enhancement of Presentation using Power Point, Customiation of Presentation using Power Point, Object Animation using Power Pint, Spread sheet Basics, Absolute and Relative Cell Referencing and User Defined Formula Vs in-built functions, Income Tax Calculation using MS Excel, Regression Analysis using MS Excel, Data Analysis using MS Excel.
5.	भा.प्र.सेवा के अधिकारियों के लिए 117वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम (6 सप्ताह)	15	73	Word Processing Basics using MS Word, Effective Document Management using MS Word, Special Publication Features for Quality work, Boiler Plate Features in MS Word to Minimise Time & Efforts, Presentation Basics using Power Point, Visual Tools of Enhancement of Presentation using Power Point, Customiation of Presentation using Power Point, Object Animation using Power Pint, Spread sheet Basics, Absolute and Relative Cell Referencing and User Defined Formula Vs in-built functions.

अपनाई गई प्रशिक्षण विधि

- व्याख्यान – सह–निदर्शन
- हैन्ड्स – ऑन
- प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुतिकरण
- प्रकरण अध्ययन

सॉफ्टवेयर का निर्माण

अकादमी की आवश्यकता अनुसार निम्नलिखित सॉफ्टवेयर तैयार किए गए :

- ऑन लाइन परीक्षा मॉड्यूल।
- प्रतिभागियों के लिए कॉम्पलेक्स मैनेजमेंट गेम्स आयोजित करने के लिए मॉड्यूल्स का विकास किया गया।
- ऑनलाइन अंक प्रबंधन प्रणाली

अन्य गतिविधियां

- अकादमी के 90वें आधारिक पाठ्यक्रम के 353 परिवीक्षाधीनों के लए ऑनलाइन एन्ट्री लेवर टेस्ट सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।
- 117वें प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के भागीदारों के लिए सफलतापूर्वक ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की गई।
- लोक प्रशासन, विधि, प्रबंधन, अर्थशास्त्र तथा राजनीतिक अवधारणाओं एवं भारत के संविधान पर भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– I (2014 बैच) के प्रतिभागियों के लिए ऑनलाइन परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई

- लोक प्रशासन, विधि, प्रबंधन, अर्थशास्त्र तथा राजनीतिक अवधारणाओं एवं भारत के संविधान पर 90वें आधारिक पाठ्यक्रम के 353 अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए 3 ऑनलाइन परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित की गई।
- सभी ऑनलाइन परीक्षा के लिए प्रश्न बैंक परीक्षा नियंत्रक की आवश्यकता के अनुसार तैयार किया गया है।
- सभी ऑनलाइन परीक्षाओं के लिए परिणाम विश्लेषण परीक्षा नियंत्रक की आवश्यकता के अनुसार किया जाता है।
- अधिकारी मेस लेखा का डाटा विश्लेषण अकादमी की आवश्यकतानुसार किया गया था।
- अधिकारी मेस लेखा का डाटा विश्लेषण कार्मिक लोक शिकायत तथा अकादमी की आवश्यकता के अनुसार किया गया था।
- प्रबंधन संकाय के सहयोग के साथ क्वान्टिटीव विश्लेषण के लिए डाटा विश्लेषण मॉड्यूल तैयार किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 3 फरवरी, 2015 को अकादमी के 40 अधिकारियों के लिए ''ई–ऑफिस एंड कंप्यूटर स्किल्स''पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के विषय थेः– ई–ऑफिस, एडवांस्ड फीचर्स ऑफ एम.एस.वर्ड, एम.एस.पावर प्वाइंट तथा एम.एस. एक्सेल।

प्रशिक्षण में भागीदारी

प्रशिक्षणार्थियों ने राष्ट्रीय सूचना केन्द्र के लिए एक विशिष्ट प्रबंधन विकास कार्यक्रम भारतीय प्रबंधन संस्थान इंदौर में 17 अगस्त 2015 से 21 अगस्त 2015 तक कौशल विकास कार्यक्रम के रूप में भाग लिया गया।

आपदा प्रबंधन केंद्र

आपदा प्रबंधन केंद्र (सीडीएम), ला.ब.शा.रा.प्र.अ. एक क्षमता वर्धन तथा अनुसंधान केंद्र है जो ला.ब.शा.रा.प्र.अ., मसूरी की छत्रछाया में कार्य करता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के अलावा यह केन्द्र आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप विश्व के श्रेष्ठ कार्यों के अनुकूलन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति का निर्धारण करता है।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

शहरी मौसम परिवर्तन प्रतिरोध क्षमता पर शहरी स्थानीय निकायों का क्षमता निर्माण

(24 अगस्त 2015 से 26 अगस्त 2015)

कार्यक्रम का लक्ष्य समूह	उत्तर भारत के 6 शहरों के शहरी स्थानीय निकायों के अधिकारी
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री सौरभ जैन, उपनिदेशक एवं निदेशक, आपदा प्रबंधन केंद्र
सह–पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिनव वालिया, शोध अधिकारी, आपदा प्रबंधन केंद्र
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री तेजवीर सिंह, संयुक्त निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी
कार्यक्रम का समापन संबोधन	श्री तेजवीर सिंह, संयुक्त निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल –18 (पुरुष–16 तथा महिला– 2)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य शहरी मौसम परिवर्तन प्रतिरोध क्षमता पर शहरी स्थानीय निकायों का क्षमता निर्माण

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- श्री सी. श्रीधर, उपनिदेशक (वरिष्ठ), ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी
- श्री पीयूष रौतेला, कार्यकारी निदेशक, डीएमएमसी
- प्रोफेसर उषा रघुपति, एनआईयूए
- डॉ0 श्यामलामणि, एनआईयूए

केंद्र की अन्य गतिविधियां

भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम (चरण– I), 2014–16 बैच में आपदा प्रबंधन के सत्र 25 मई से 29 मई 2015 तक निम्नानुसार आयोजित किए गए:

क्रम संख्या	सत्र के विषय
1.	आपदा प्रश्मन तथा प्रबंधन योजना – श्री ए.के. सिंह
2.	जिले में बाढ़ एवं सूखे का प्रबंधन, श्री कुमार रवि
3.	मानव निर्मित आपदाओं से निपटना – श्री पी. वैलरासू
4.	मानव निर्मित आपदाओं से निपटना – श्री पी. वैलरासू

भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम (चरण– II) 2013 –15 बैच में आपदा प्रबंधन के सत्र 3 अगस्त से 7 अगस्त 2015 तक निम्नानुसार आयोजित किए गए:

क्रम संख्या	सत्र के विषय
1.	आपदा प्रबंधन में मीडिया की भूमिका – सुश्री मालिनी शंकर
2.	आपदा प्रबंधन में आईसीटी/जीआईएस का प्रयोग – श्री पी.के. कम्पती रॉय
3.	आपदा ''हुदहुद'' चक्रवात का निपटान – श्री एन. यूराज
4.	जम्मू कश्मीर बाढ़ आपदा का निपटान – श्री सैयद आबिद रशीद शाह
5.	नेपाल भूकंप की आपदा – श्री ओ.पी. सिंह

3 अगस्त से 7 अगस्त 2015 को 117वें प्रवेशकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में आपदा प्रबंधन सत्र निम्नानुसार आयोजत किए गए :

क्रम संख्या	सत्र के विषय
1.	विकास में मौसम परिवर्तन को मुख्य धारा में लाना – श्री संतोष के. राय
2.	जम्मू कश्मीर बाढ़ आपदा का निपटान – श्री सैयद आबिद रशीद शाह
3.	आपदा हुदहुद चक्रवात का निपटान – श्री एन. यूराज
4.	फील्ड से आपदा प्रबंधन अनुभव – मेजर जनरल वी.के. दत्त

23 अक्टूबर, 2015 को 90वें आधारिक पाठ्यक्रम में आपदा प्रबंधन के सत्र निम्नानुसार आयोजित किए गए :

क्रम संख्या	सत्र के विषय
1.	देश में आपदा प्रबंधन – श्री सौरभ जैन/श्री अभिनव वालिया
2.	देश में आपदा प्रबंधन – श्री सौरभ जैन/श्री अभिनव वालिया

2015–16 के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के प्रकाशित शोध लेख

- आपदा प्रत्युत्तर तथा प्रबंधन खण्ड 3 संख्या 1 आईएसएसएन 2347–2553
- भारत में आपदा गवर्नेन्स सिरीज 3 आईएसबीएन 978–81–928670–2–1
- उपरोक्त उल्लिखित पाठ्यक्रम का कोर्स मॉड्यूल
- विभिन्न आपदा प्रबंधन पर प्रकरण अध्ययन

ग्रामीण अध्ययन केंद्र

ग्रामीण अध्ययन केंद्र को अकादमी का एक अनुसंधान केंद्र माना जाता है। भूमि सुधार इकाई 1989 में शुरू हुई तथा उसका ग्रामीण अध्ययन यूनिट के साथ आमेलन ने सीआरएस सृजित किया है। इसकी शुरूआत से ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार इसकी संरक्षक है। व्यापक

रूप में, भूमि प्रशासन एवं ग्रामीण विकास केंद्र के कार्यक्षेत्र हैं। सीआरएस को 30 अप्रैल 2015 से सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत सोसाइटी के रूप में पंजीकृत किया गया है।

केन्द्र मुख्य रूप से 4 कार्य करता है : (i) भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को भूमि प्रशासन तथा ग्रामीण विकास पर उनको जमीनी वास्तविकताओं से अवगत करा के सुग्रहाय करना, फील्ड अनुसंधान के लिए उपकरण उपलब्ध कराना तथा उनके प्रशिक्षण के चरण–IV के दौरान उनके कार्य का मूल्यांकन (ii) विभिन्न विधाओं का अनुसंधान अध्ययन आयोजित करना तथा प्रकाशन के बतौर प्राप्त ज्ञान का प्रसार (iii) भूमि प्रशासन तथा ग्रामीण विकास पर मतों के नियमित आदान–प्रदान हेतु प्राध्यापकों, प्रशासकों, कार्यकर्ताओं एवं संशोधित नागरिकों के साथ कम से कम दो राष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाएं आयोजित करना तथा IV सेज प्रकाशन के साथ भूमि तथा ग्रामीण अध्ययन के लिए अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं सह प्रकाशित करना।

गतिविधियां

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

सीआरएस आधारिक पाठ्यक्रम एवं भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम के दौरान अकादमी के प्रशिक्षण पाठ्क्रमों में नियोजित है। वर्तमान वर्ष के दौरान सीआरएस ने निम्नलिखित प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित कीः

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– I

सीआरएस भूमि प्रशासन मॉड्यूल तथा ग्राम विकास मॉड्यूल दोनों पर सक्रीय रूप से कार्य कर रहा है। मॉड्यूल्स एकेडमिक काउंसलिंग सदस्यों द्वारा 2014 बैच के 179 भा.प्र. सेवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए स्वीकृत डिजाइन के अनुसार वितरित किया गया।

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– II के लिए ग्रामीण अध्ययन असाइनमेंट

यह असाइनमेंट भा.प्र. सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए जिला प्रशिक्षण असाइनमेंट का प्रमुख अंग होता है। केन्द्र ने 2013–15 बैच के भा.प्र. सेवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों से 163 सामाजार्थिक तथा 158 भूमि सुधार रिपोर्टें प्राप्त की।

इन रिपोर्टों का वर्तमान स्थितियों, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक विश्लेषण तथा गरीबी उन्मूलन प्रयासों पर सर्वोत्तम रिपोर्ट के लिए अनुविक्षण किया जाता है। डाटा / पेपर ग्रामीण भारत की सामाजिक आर्थिक रूपरेखा के लिए संपादित खंडो के बतौर एकत्रिक, संपादित एवं प्रकाशित किए जाते हैं। इसने अभी तक इन संस्करणों की 4 श्रृंखला प्रकाशित की है। केंद्र 5वीं श्रृंखला पर कार्य कर रहा है : इस श्रृंखला के दो खण्ड (पूर्वी तथा उत्तरी भारत) वर्तमान में प्रेस में हैं।

90वें आधारिक पाठ्यक्रम– ग्रामीण भ्रमण कार्यक्रम

ग्रामीण भ्रमण कार्यक्रम में तीन गतिविधियां हैः कक्षा विषय, क्षेत्र भ्रमण तथा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की रिपोर्टों का मूल्यांकन। इन्हें अक्टूबर के अंतिम सप्ताह, 3–10 नवंबर तथा नवंबर, 2015 के तीसरे सप्ताह में आयोजित किया गया।

- क्षेत्र भ्रमण के लिए विषय के रूप में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए पार्टिसिपेटरी लर्निंग तथा कार्य तकनीकें शुरू की गई। मुख्त : (6) विषय फील्ड दौरे के दौरान लिए गएः गरीबी, शिक्षा, पंचायती राज संस्थान, स्वच्छ भारत अभियान तथा वित्तीय समावेश जैसे कि ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों को स्वच्छ भारत की प्रतिज्ञा दिलाना, जन–रैलियां आयोजित करना, ग्राम स्तर बैठकें नुक्कड़ नाटक करना तथा गाने आयोजित करना तथा सफाई एवं स्वास्थ्य तथा बैंकिंग के माध्यम से बचत एवं बीमा का महत्व प्रेषित करना। उन्होंने प्रधानमंत्री के जनधन योजना तथा बीमा योजनाओं के विषय में भी जागरूकता का प्रसार किया।
- कुल 59 उपसमूहों का गठन किया गया। प्रत्येक उपसमूह एक गांव में ठहरा। इस कार्यक्रम के लिए अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा हिमाचल प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के कुल 12 जिलों का दौरा किया गया।
- प्रत्येक उपसमूह ने 6 विषयों पर व्यक्तिक एवं समूह आधाारित रिपोर्ट प्रस्तुत की। केन्द्र ने स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक वितरित किए।

अनुसंधान एवं प्रकाशन

- केंद्र द्वारा किया जाने वाला अनुसंधान दो पद्धतियों पर आधारित है – केंद्र अनुसंधान के लिए विषय प्रस्तावित करता है तथा भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण मंत्रालय से स्वीकृति एवं धन की मांग करता है तथा कभी भूमि संसाधन विभाग केंद्र को विशेष अनुसंधान विषय आवंटित करता है। वर्ष 2015–16 के दौरान केंद्र ने अनुसंधान अध्ययन की लंबित कार्यों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया।

भूमि संसाधन विभाग द्वारा विशेष रूप से आवंटित निम्नलिखित **अनुसंधान विषय पूरे किए गए:**

- राज्यों में मौजूदा क्षमताओं की पहचान करना तथा राष्ट्र भूमि रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम को निष्पादित करने हेतु, समय रूप–रेखा का विकास : मध्यप्रदेश का एक आंकलन
- भारत के भूमि रिकार्ड प्रबंधन की सर्वोत्तम पद्धतियों का दस्तावेजीकरण सेवा में भूमि रिकॉर्ड एवं पंजीकरण का एकीकरण
- आंध्र प्रदेश में भी सेवा परियोजना
- गुजरात के ईटीएस एवं जीपीएस का सर्वेक्षण तथा विधि – डाटा के साथ नवीन उत्पन्न डाटा का आमेलन
- बिहार में भाड़ा पद्धति द्वारा हार्डवेयर के पंजीकरण का कंप्यूट्रीकरण
- दिल्ली के एसआरओ में नागरिक सेवा में सुधार करने हेतु नवीनतम पद्धतियां तथा नागरिकों पर इसका प्रभाव

निम्नलिखित अनुसंधान विषय 31 मार्च 2016 से पहले पूरे कर लिए जाएंगे:

- भूमि स्वामित्व में जेंडर मामले : मौजूदा भूमि नियमों की समीक्षा
- राज्यों की मौजूदा सक्षमताओं की पहचान तथा राष्ट्र भूमि रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम के निष्पादन का विकास : राजस्थान का एक आंकलन
- राज्यों की मौजूदा सक्षमताओं की पहचान तथा राष्ट्र भूमि रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम के निष्पादन का विकास : असम राज्य का एक आंकलन
- बिहार, केरल तथा पश्चिम बंगाल में वक्फ संपदाओं का आधुनिकीकरण
- राष्ट्रीय भूमि रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम के कर्यान्वयन की स्थिति पुनः समीक्षा,
- भारत में मॉडर्न केडेस्ट्रल सर्वेक्षण पर हैंड बुक

प्रकाशन

- केन्द्र द्वारा निम्न प्रकाशन लाए गए। कुछ प्रकाशन संस्थाओं द्वारा प्रकाशित किए जाते हैं जबकि अन्य को सीआरएस को आंतरिक प्रकाशन के रूप में प्रकाशित किया जाता है।
- भारत में भूमि एवं आजीविका पहलू : आंध्र प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल (मानेक प्रकाशन) से शिक्षा
- भारत में रियासत भूमि तथा आजिविका पहलू (मानेक प्रकाशन)
- काश्तकारी कानून तथा प्रथाएं : उभरते मुद्दे (मानेक प्रकाशन)
- निर्णायक भूमि शीर्षक प्रणाली : भूमि प्रशासन में सुधार की आवश्यकता (मानेक प्रकाशन)
- संविदा कृषि : भारत में छोटे तथा सीमांत किसानों के हितों की रक्षा (मानेक प्रकाशन)
- राष्ट्र भू–आलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (एनएलआरएमपी) के निष्पादन हेतु राज्यों तथा समय सीमा विकास की मौजूदा क्षमताओं को पहचानना : महाराष्ट्र तथा पश्चिम बंगाल राज्य का मूल्यांकन (सीआरएस आंतरिक प्रकाशन)
- भारत में भू–आलेख प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्यों का प्रलेखन (सीआरएस आंतरिक प्रकाशन)
- भूमि तथा कावेरी का एकीकरण : कर्नाटक में भू–आलेख प्रबंधन प्रणाली पर प्रकरण अध्ययन
- शहरी संपत्ति स्वामित्व का रिकार्ड (यूपीओआर) का प्रलेखन : कर्नाटक
- महाराष्ट्र में पंजीकरण शुल्क तथा स्टाम्प शुल्क के भुगतान में प्रयुक्त पंजीकरण का कंप्यूट्रीकरण तथा नवीन कार्य प्रणाली।
- पश्चिम बंगाल के कैडेस्ट्रल नक्शे का डिजिटाइजेशन तथा पठित डाटा के साथ एकीकरण
- हरियाणा में एचआरएसआई सर्वेक्षण तथा नागरिकों पर प्रभाव
- अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पारंपरिक वन्य निवासी (वन्य अधिकार मान्यता) अधिनियम 2006 की कार्यशाला की कार्रवाई (सीआरएस आंतरिक प्रकाशन)

आगामी प्रकाशन

- भूमि खाद्यान की यात्रा (शिप्रा प्रकाशन, नई दिल्ली)
- भूमि स्वामित्व में जेंडर विषय : मौजूदा भूमि नियमों की समीक्षा
- राज्यों की मौजूदा सक्षमताओं की पहचान तथा राष्ट्रीय भूमि रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम के निष्पादन में समय रूपरेखा का विकास : राजस्थान एवं असम राज्य का मूल्यांकन

- बिहार, केरल तथा पश्चिम बंगाल में वक्फ संपदा का रिकार्ड
- राष्ट्रीय भूमि रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम के कार्यान्वयन की स्थिति की पुनः समीक्षा
- भारत में आधुनिक कैडेस्ट्रल सर्वेक्षण की हैंड बुक

कार्यशालाएं / संगोष्ठियां

अप्रैल 2015 में 2 कार्यशालाएं आयोजित की गई थीं :

अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पारंपरिक वन्य निवासी (वन्य अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006

कुल 26 व्यक्तियों ने विभिन्न क्षेत्रों से – शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता, वरिष्ठ ब्यूरोक्रेट्स, वरिष्ठ वन अधिकारी तथा संबंधित नागरिकों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला की कार्यवाही को केंद्र द्वारा आंतरिक प्रकाशन के रूप में प्रकाशित किया गया। आवश्यक नीति परिवर्तनों तथा वन अधिकार 2006 के सक्षक कार्यान्वयन के अनुपालन कार्रवाई हेतु भूमि सुधार विभाग को सिफारिशें प्रस्तुत की गई।

भूमि खाद्यान यात्रा

- कुल 22 व्यक्तियों ने विभिन्न क्षेत्रों से शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, वरिष्ठ ब्यूरोक्रेट्स, वरिष्ठ वन अधिकारी तथा संबंधित नागरिकों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। आवश्यक नीति परिवर्तन तथा वन अधिकार 2006 के सक्षम कार्यान्वयन की अनुपालन कार्रवाई हेतु भूमि सुधार विभाग को सिफारिशें प्रस्तुत की गई।
- भूमि खाद्यान यात्रा पर एक संपादित खंड प्रकाशन हेतु प्रगति पर है जो कि कार्यशाला में प्रस्तुत अनुसंधान प्रस्तुतीकरणों पर आधारित है। इसे मार्च 2016 में प्रकाशित किया जाएगा।

भूमि एवं ग्रामीण अध्ययनों पर पत्रिका (सेज प्रकाशन के साथ सह प्रकाशन)

यह एक द्विवार्षिक, संदर्भित तथा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका है। (2321–0249 तथा ऑनलाइन आईएसएसएनः 2321–7464) : इसमें निम्नलिखित खंड है – विशेष लेख, लेख, नीति सार, संक्षिप्त कार्य पत्र तथा पुस्तक समीक्षाएं – 2 अंक वर्ष 2015–16 में प्रकाशित होंगे।

- भूमि एवं ग्रामीण अध्ययन पत्रिका, संस्करण 3, जारी 1 (जुलाई 2015)
- भूमि एवं ग्रामीण अध्ययन पत्रिका, संस्करण 4, अंक 1 (जनवरी 2016) भारत में भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास तथा पुनः आवास पर विशेष अंक
- जुलाई 2016 का एन ब्लॉक मनूस्क्रिप्ट (संस्करण 4, ,खण्ड 2) 1 मार्च 2016 को प्रस्तुत किया जाएगा।

राष्ट्रीय भूमि रिकॉर्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम (एनएलआरएमपी प्रकोष्ठ)

एन.एल.आर.एम.पी. ग्रामीण अध्ययन केंद्र का एक भाग है। यह प्रकोष्ठ इलेक्ट्रॉनिक टोटल स्टेशन (ईटीएस), ग्लोबल पोजिसनिंग सिस्टम (जीपीएस), स्केनर तथा प्रींटर आवश्यक सॉफ्टवेयर से सज्जित है। अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को सर्वेक्षण तथा पूनर्वास प्रचलनों पर प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता है। पुरानी परंपरागत पद्धतियों तथा आधुनिक तकनीकों के साथ भूमि सर्वेक्षण के भूमि धारण प्रयोगों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। स्थानीय भूमि राजस्व तथा भारतीय सर्वेक्षण के कर्मचारी इस प्रशिक्षण के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करते है।

राष्ट्रीय जेंडर केंद्र

राष्ट्रीय जेंडर प्रशिक्षण, योजना तथा अनुसंधान केन्द्र (राष्ट्रीय जेंडर केन्द्र) की स्थापना 1993 में की गई थी तथा 1998 में सोसाइटीज एक्ट 1860 के अंतर्गत सोसाइटी के रूप में पंजीकृत किया गया था। राष्ट्रीय जेंडर केन्द्र एक क्षमतावर्धक केन्द्र है जो ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी के हिस्से के रूप में कार्य करता है।

इस केन्द्र का मिशन ग्लोबल नेटवर्क पार्टनर के साथ कार्य करना तथा सरकार में नीतिगत मामलों, कार्यक्रम निर्धारण तथा क्रियान्वयन में जेंडर तथा बाल अधिकारों को मुख्य धारा से जोड़ना है ताकि यह सिद्ध किया जा सके कि जेंडर तथा बाल अधिकार मुद्दा सरकार के लिए सबसे महत्वपूर्ण है और यह भी सुनिश्चित किया जा सके कि पुरुष, महिला तथा बच्चों का समान विकास किया जा रहा है। यह केन्द्र अकादमी में अखिल भारतीय सेवाओं तथा केन्द्र सेवाओं के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को पाठ्यक्रमों तथा सुग्राह्य विषयों के जरिए जेंडर संबंधी प्रशिक्षण देता है।

अकादमी के नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा केन्द्र शासन में जेंडर तथा बाल अधिकारों की योजनाओं को संस्थित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा सम्मेलनों से संबंधित विषय विशेष के आयोजन में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग,एमडब्ल्यूडीसी, एनसीडब्ल्यू, एनसीपीसीआर, यूएनआईसीईएफ, यूएन–वूमेन, जैसी द्विपक्षीय एजेंसियों से संबद्ध रहता है।

कार्यकारी निदेशक का नाम : सुश्री अश्वती एस. भा.प्र. सेवा

राष्ट्रीय जेंडर केंद्र ला.ब.शा.रा.प्र.अ. ने यूनिसेफ, नई दिल्ली के सहयोग से महिला एवं बच्चों के विरुद्ध हिंसा पर 24–28 अगस्त 2015 को पांच दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न राज्यों में विशेष प्रशिक्षकों के समूह को विकसित करना है जिससे वी.ए.डब्ल्यू एवं बच्चों पर उनकी प्रशिक्षकों के रूप में कौशल में वृद्धि की जा सके। इन प्रशिक्षकों को जेंडर एवं वी.ए. डब्ल्यू, वी.ए.डब्ल्यू के निवारण तथा बच्चों के लिए हाल के विधेयकों के प्रावधान (अधिनियम जैसे पोसको, डी.वी. अधिनियम जूवेनाइल जस्टिस बिल, बच्चों एवं महिलाओं का मानव व्यापार इत्यादि) से अवगत कराया जाएगा तथा इन कार्यक्रमों की शिक्षा द्वारा अपने प्रशिक्षण संस्थानों अथवा कार्य स्थलों में सक्षमता से उपयोग में लाया जाएगा। कुल राज्यों की संख्या (महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, गोवा, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, असम, नागालैंड, मेघालय तथा त्रिपुरा),

महिला एवं बाल हिंसा पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

(24 अगस्त से 28 अगस्त 2015)

पाठ्यक्रम समन्वयक	सुश्री रोली सिंह, भा.प्र. सेवा, उपनिदेशक वरिष्ठ
सह–पाठ्यक्रम समन्वयक	सुश्री अंजली चौहान
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	सुश्री सरोजनी जी. ठाकुर, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त)
कार्यक्रम का समापन संबोधन	सुश्री रोली सिंह, भा.प्र. सेवा, उपनिदेशक वरिष्ठ
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल –39 (पुरुष–14 तथा महिला– 25)

कार्यक्रम के लक्ष्य एवं उद्देश्य

इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिला एवं बाल हिंसा के विषय पर प्रशिक्षकों के एक विशेष दल का गठन करना है। इन प्रशिक्षकों को जेंडर, महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध हिंसा रोकने से संबंधित हाल के विधेयकों के प्रावधानों (अधिनियम जैसे यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा, घरेलू हिंसा अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम बच्चों एवं महिलाओं की मानव तस्करी इत्यादि) से अवगत कराना है। इन कार्यक्रमों से प्राप्त शिक्षा उनके द्वारा अपने निजी प्रशिक्षण संस्थानों या कार्यस्थल में प्रभावी रूप से किया जा सकता है।

उद्देश्य

- जेंडर एवं महिलाओं के विरुद्ध अपराध अवधारणाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराना
- महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध अपराधों पर पोस्को, डी.वी. अधिनियम, यौन उत्पीड़न, महिलाओं एवं बच्चों की तस्करी, किशोर न्याय संशोधन विधेयक इत्यादि पर हाल के विधेयकों पर समझ विकसित करना
- महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध हिंसा के पीड़ितों की सुरक्षा एवं इसे रोकने हेतु रणनीतियों को साझा करना तथा ऐसे मामलों पर सरकार की विभिन्न एजेंसियों से बहुक्षेत्रीय प्रतिक्रिया
- देश के विभिन्न राज्यों की गौरवशाली परंपराओं का आदान–प्रदान
- अपने संस्थानों में उचित प्रशिक्षण आयोजित करने हेतु भागीदारों को उपयुक्त संसाधन सामग्री से अवगत करना
- राज्य में प्रशिक्षण हेतु एक कार्य योजना विकसित करना

मुख्य अतिथि वक्ता

- सुश्री सरोजनी जी. ठाकुर (सेवानिवृत्त, भा.प्र. सेवा) अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश निजी शैक्षिक संस्थान, विनियामक आयोग, मजिता हाऊस, शिमला – 171002
- सुश्री फ्लेविया एग्निस, निदेशक, मजलिस (एनजीओ), मुंबई – 98
- सुश्री ऑदरे डी मेलो, कार्यक्रम निदेशक, मजलिस लीगल सेंटर मुंबई – 98
- सुश्री सुनीता धर, निदेशक, जागोरी (एन.जी.ओ.) नई दिल्ली – 1100117

- सुश्री सोनिया चौधरी, बी–88, सूर्या एन्क्लेव, जी.टी. रोड, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
- श्री आशीश शुक्ला, एफ–171, प्रथम तल, लक्ष्मी नगर, दिल्ली– 92
- डॉ0 पी.एम. नायर, भा.पु. सेवा (सेवानिवृत्त), मुंबई – 400020
- सुश्री रजनी एस. सिब्बल, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, सीएनडीडी, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य पालन विभाग, कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली – 110001
- श्री रवि कुमार वर्मा, क्षेत्र निदेशक, इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिसर्च ऑन वूमेन, नई दिल्ली, इंडिया – 110049
- डॉ0 वर्तिका नंदा – विभागाध्यक्ष (पत्रकारिता), लेडी श्रीराम कॉलेज, लाजपत नगर–IV, नई दिल्ली– 110024
- सुश्री तनिष्टा दत्त, चाइल्ड प्रोटेक्शन स्पेशियलिस्ट, चाइल्ड प्रोटेक्टशन सेक्शन, इंडिया कंट्री ऑफिस यूनिसेफ, 73 लोदी स्टेट, नई दिल्ली – 110003, इंडिया

कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह

जेंडर एकता एवं बाल अधिकार पर नीति संगोष्ठी ज्ञान का आदान–प्रदान तथा कार्रवाई हेतु कार्य सूची विकसित करना

(28 जनवरी से 30 जनवरी 2016)

पाठ्यक्रम समन्वयक	सुश्री रोली सिंह, भा.प्र. सेवा तथा
	सुश्री अश्वती एस. भा.प्र. सेवा
सह– पाठ्यक्रम समन्वयक	सुश्री अंजली चौहान
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	डॉ0 गीता सेन, निदेशक, पब्लिक हेल्थ फाउन्डेशन ऑफ इंडिया
कार्यक्रम का समापन संबोधन	श्री राजीव कपूर, सुश्री सरोजनी जी. ठाकुर, सुश्री स्तुति काकर, डॉ0 ज्ञानेन्द्र बडगैयां
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल –80 (पुरुष–28 तथा महिला– 52)

जेंडर एकता एवं बाल अधिकार पर नीति संगोष्ठी ज्ञान का आदान–प्रदान तथा कार्रवाई हेतु कार्य सूची विकसित करना इस पर एक नीति संगोष्ठी 28–30 जनवरी 2016 को ला.ब.शा.रा.प्र.अ. में आयोजित की गई। यह राष्ट्रीय जेंडर केंद्र, ला.ब.शा.रा.प्र.अ. द्वारा भारत, भूटान, मालदीव एवं श्रीलंका तथा यूनीसेफ इंडिया कंट्री ऑफिस के सहयोग से आयोजित किया गया। इस सभा में 120 प्रतिभागियों से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिसमें भारत सरकार के प्रतिनिधि, 18 राज्य सरकारें, बाल अधिकार सुरक्षा पर राज्य आयोग, अध्यापन संस्थाओं के सदस्य, एनजीओ प्रतिनिधि, विकास कार्यों से संबंधित व्यक्ति तथा सेवानिवृत्त भा.प्र. सेवा अधिकारी शामिल थे।

कार्यक्रम का लक्ष्य एवं उद्देश्य

संगोष्ठी का व्यापक उद्देश्य राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर जेंडर तथा बाल – संग्राहलय नीतियों पर प्रभाव डालना तथा उसमें संसाधनपूर्ति करना था। प्रमुख संबोधन, डॉ0 गीता सेन प्रोफेसर एवं निदेशक, एकता एवं स्वास्थ्य के सामाजिक कारक, जन स्वास्थ्य संस्थान, रामालिंगा स्वामी केंद्र द्वारा आर्थिक वृद्धि, विकास तथा जेंडर समता पर दिया गया। कार्यक्रम में प्रमुख सत्र में सम्मिलित थे (i) जेंडर समता तथा बाल अधिकारों से अवगत होने हेतु नीति पद्धतियां एवं चुनौतियां (ii) पितृसत्ता, पौरुषेय एवं आमेलित पहचाने (iii) उत्कृष्ट पद्धतियों से शिक्षा (iv) जेंडर एवं बाल सुग्राह्य परिणाम प्रदान करना, समान्तर सत्रों में एक गवर्नेन्स परिप्रेक्ष्य तथा विशिष्ट विषय मुद्दों पर भी बल दिया गया,

महिला एवं बाल हिंसा तथा महिलाओं और बच्चों की तस्करी, स्वास्थ्य एवं पोषण, जेंडर तथा रोजगार, और जेंडर, बाल तथा सामाजिक सुरक्षा।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- श्री शंकर अग्रवाल भा.प्र.सेवा, सचिव, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, श्रम शक्तिभवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली– 110001
- सुश्री स्तुति काकर, चेयर पर्सन, राष्ट्रीय बाल अधिकार सुरक्षा आयोग, 5वां तल, चंदरलोकबिल्डिंग, 36 जनपत, नई दिल्ली–110001
- डॉ0 गीता सेन, प्रख्यात प्रोफेसर एवं निदेशक, रामलिंगा स्वामी सेंटर ऑन इक्विटी एंड सोशल डेटर्मिनेट्स ऑफ हेल्थ पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया रु 63 (तीसरा तल), 9वां मैन, 14वां क्रास, इंदिरा नगर, बंगलोर – 560038
- श्री लुईस – जॉर्ज अर्सेनॉल्ट, यूनीसेफ रिप्रजेन्टेटिव, 73 लोदी एस्टेट, नई दिल्ली – 110003
- डॉ0 पी.एम. नायर, भा.पु. सेवा (सेवानिवृत्त), चेयर प्रोफेसर, टीआईएसएस, फ्लैट 23, 12वां तल, बेलवेदर गवर्नमेंट फ्लैट्स, भुलाभाई देसाई रोड (बी.डी. रोड), मुंबई – 400020
- सुश्री सरोजनी गंजू ठाकुर, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), चेयर पर्सन, हिमाचल प्रदेश प्राइवेट एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन, विनियामक आयोग, मजिथा हाऊस, शिमला – 171002
- सुश्री शारदा मुरलीधरण गोमती, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, पंचायती राज मंत्रालय, कृषि भवन, डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद रोड, नई दिल्ली – 110001
- सुश्री फ्लेविया एगनिस, डाएरेक्टर मजलिस (एन.जी.ओ.), ए–2/4 गोल्डन वैली – कलिना–मुंबई–98
- डॉ0 सतीश बी. अग्निहोत्री, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), 93, न्यू मोती बाग, नई दिल्ली – 110023
- सुश्री अंतरा लाहिड़ी, सोशल पॉलिसी स्पेशिलस्ट, यूनीसेफ इंडिया, यूनाईटेड नेशन्स चिल्ड्रन्स फन्ड, यूनीसेफ हाऊस, 73 लोदी एस्टेट, नई दिल्ली – 110003
- सुश्री इंदिरा जयसिंह, निदेशक, वूमेन्स राइट्स इनिशिएटिव, लॉयर्स क्लेक्टिव, 63/2 (जी.एफ.) मस्जिद रोड, भोगल – जंगपुरा, नई दिल्ली – 110014
- डॉ0 ज्ञानेन्द्र बड़गैयां, महानिदेशक, राष्ट्रीय सुशासन केन्द्र, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, नई दिल्ली।
- सुश्री यामिनी मिश्रा, यू.एन.–वूमेन ऑफिस फॉर इंडिया, भूटान, मालदीव एवं श्रीलंका, सी–83, डिफेन्स कालॉनी, नई दिल्ली – 110024

कार्यक्रम का समापन समारोह

जेंडर एकता एवं बाल अधिकार पर नीति संगोष्ठी ज्ञान का आदान–प्रदान तथा कार्रवाई हेतु कार्य सूची विकसित करना

अध्याय 5

क्लब और सोसाइटियां

अकादमी में प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। अतः अकादमी परिसर में प्रशिक्षणार्थियों को सुखद एवं विविधतापूर्ण जीवन को जीने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वे अपने आप को क्लबों तथा सोसाइटियों का सदस्य बनाते हैं जो उन्हें अपनी रचनात्मक क्षमता को व्यक्त करने के लिए अलग–अलग मंच प्रदान करते हैं। प्रत्येक क्लबों/सोसाइटियों का अपना–अपना निर्धारित उद्देश्य हैं। इन क्लबों/सोसाइटियों से अधिक से अधिक सीखने तथा उनके उद्देश्यों की उपलब्धि सुनिश्चित करने के लिए संकाय सदस्यों को निदेशक नामिति के रूप में नामित किया जाता है। पाठ्यक्रम के अंत में, अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों का विभिन्न मुख्य परिसर पाठ्यक्रमों में निदेशक के मूल्यांकन के भाग के रूप में विभिन्न क्लबों तथा सोसाइटियों की गतिविधियों में उनकी प्रतिभागिता के लिए मूल्यांकन किया जाता है।

साहसिक खेलकूल क्लब

इस वर्ष के दौरान साहसिक खेलकूद क्लब ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों के लिए रिवर राफ्टिंग (ऋषिकेश), जॉर्ज एवरेस्ट के लिए ट्रेक, केम्पटी फॉल के लिए शॉर्ट ट्रेक, बेनोग हिल्स के लिए शॉर्ट ट्रेक, लाल टिब्बा के लिए शॉर्ट ट्रेक, नाग मंदिर के लिए शॉर्ट ट्रेक तथा फ्लाइंग फॉक्स एवं बंगी जंपिंग का आयोजन किया।

कंप्यूटर सोसाइटी

कंप्यूटर सोसाइटी, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी ने वर्ष 2015–16 के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया :

- भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–। (2014–16 बैच), के दौरान अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए ऑन लाइन कंप्यूटर गैमिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–।। (2013–15 बैच), अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की गई थी :
- एमएस एक्सेल, एमएसवर्ड तथा एमएस पावर प्वाइंट आदि पर अतिरिक्त कक्षाएं ली गई थी।
- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए दिनांक 19.08.2014 को एक कंप्यूटर प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई।
- कंप्यूटर सोसाइटी द्वारा ओटी सर्वर का रख–रखाव किया गया।

ललित कला एसोसिएशन

ललित कला एसोसिएशन ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यापक विविधता के माध्यम से अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को बांधे रखा जो समूह प्रतिभागिता पर आधारित था। एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रमों ने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों में संघ–भाव को उत्पन्न किया तथा धर्म एवं भाषा के बंधनों को तोड़ा।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने अनेक अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को उनके रचनात्मक पक्ष को उजागर करने का अवसर दिया। ललित कला एसोसिएशन विभिन्न कलाकारों तथा समूहों के कार्यक्रमों के आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल था। ललित कला एसोसिएशन ने भारतीय स्वर संगीत, स्पेनिश गिटार तथा ड्रम के अतिरिक्त पाठ्यक्रम मॉड्यूल भी आयोजित किया। आधारिक पाठ्यक्रम के दौरान स्वर्गीय श्री ए.के.सिन्हा एकांकी नाटक प्रतियोगिता सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

फिल्म सोसाइटी

- फिल्म सोसाइटी – 90वें आ0 पा0 ने गंगा ओ.टी. लाउंज के चौथे तल के साथ–साथ नेहरू ऑडिटोरियम दोनों में औपचारिक फिल्मों की सक्रियता से स्क्रीनिंग की गई।

- स्क्रीन (ऑस्कर सप्ताह), गैंग्स ऑफ वासेपुर – I (बॉलीवुड सप्ताह), अंदाज अपना–अपना (कॉमेडी सप्ताह) तथा जब दिन चले न रात चले (सिविल सेवक द्वारा फिल्में) शामिल थी।
- बहुत से फिल्म प्रेमी अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने आधारिक पाठ्यक्रम के व्यस्तम कार्यक्रम में से गंगा ओटी लाउंज के चौथे तल पर अन्य फिल्मों के बीच द क्रो (इंडी), अग्राम (कन्नड़) एग्जोरसिज्म ऑफ एमिली रोज (होरर), इंसाइडियस (होरर), मैड मैक्स : फ्यूरी रोड (एक्शन) तथा मिशन इंपोसिबल रग नेशन (थ्रिलर) देखने का आनंद लिया।
- बहुत से मामलों में, जो फिल्में लोग देखना चाहते हैं उन फिल्मों की स्क्रीनिंग के लोकतांत्रिक तरीके को सुनिश्चित करने के लिए फिल्म पोल आयोजित किया गया।

अभिरूचि क्लब

अभिरूचि क्लब 90वें आधारिक पाठ्यक्रम तथा भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– I (2014–16 बैच) के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के निर्वाचित निकाय द्वारा चलाया गया।

- अभिरूचि क्लब के पदाधिकारियों ने निदेशक नामिती के मार्गदर्शन में क्लब की विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया।
- अधिकारी क्लब का उद्देश्य अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों में विभिन्न अभिरूचियों का विकास करना रहा है। वर्ष 2015–16 के दौरान, अभिरूचि क्लब ने निम्नलिखित गतिविधियां करायी :
    - मूर्तिकला डिजाइन प्रतियोगिता
    - पैंटिंग प्रतियोगिता
    - फोटोग्राफी प्रदर्शनी के साथ फोटोग्राफी प्रतियोगिता
    - अंतर सेवा समागम (इंटर सर्विस मीट)
    - अंताक्षरी

गृह पत्रिका सोसाइटी

गृह पत्रिका सोसाइटी में एक सचिव तथा तीन सदस्य होते हैं। गृह पत्रिका सोसाइटी का सचिव गृह पत्रिका सोसाइटी के निदेशक नामिती के परामर्श से सोसाइटी की सभी गतिविधियों का समन्वयक होता है।

- मासिक समाचार पत्र –''द एकेडमी'' का प्रकाशन
- 90वें आधारिक पाठ्यक्रम संस्मरण का प्रकाशन
- एक नई पहल – अभिव्यक्ति : अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा रचित कविताओं का संग्रह
- लघु कहानी प्रतियोगिता
- काव्य प्रतियोगिता

गृह पत्रिका सोसाइटी मासिक समाचार पत्र 'द एकेडमी' के संकलन का समन्वय करती है। 'द एकेडमी' में अकादमी तथा इसके सहयोगी केंद्रों द्वारा संचालित की गई विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों/कार्यशालाओं को प्रकाशित किया जाता है। यह अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा एल्यूमनी को उनकी सक्रियता तथा साहित्यिक कौशल को प्रदर्शित करने के लिए मंच भी प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, गृह पत्रिका सोसाइटी विभिन्न पाठ्यक्रमों के अंत में एक बैच पिक्चर डाइरेक्टरी को भी एक साथ रखती है।

प्रबंधन मंडल

प्रबंधन मंडल अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की लोकप्रिय तथा सक्रिय सोसाइटी है। संदर्भाधीन अवधि के दौरान, मुख्य पाठ्यक्रमों में सोसाइटी ने निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए।

चरण– I के दौरान इंटर सर्विस मीट 'संगम' का आयोजन किया गया तथा इसके लिए प्रबंधन मंडल ने इन कार्यक्रमों का संचालन किया था

- आईस ब्रेकिंग
- मैनेजमेंट गैम्स
- कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम प्राधिकारी को धनराशि प्रदान की
- ओनली वन इवेंट – क्विज ''क्लॉकवर्क लेमनः पार्ट डिअक्स'' का आयोजन किया गया
- प्रकरण अध्ययन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

प्रकृति प्रेमी क्लब

प्रकृति प्रेमी क्लब अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों का बहुत सक्रिय तथा लोकप्रिय क्लब है। इस अवधि के दौरान क्लब ने निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की।

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– I (2014–16 बैच),

- भारत दर्शन तथा शीतकालीन अध्ययन भ्रमण के फोटोग्राफ को सम्मिलित करते हुए फोटोग्राफी प्रतियोगिता तथा प्रदर्शनी आयोजित की गई।
- समाजिक गतिविधियों के लिए समाज सेवा सोसाइटी के लिए अंशदान।
- पाठ्यक्रम के दौरान इंटर सर्विस मीट आयोजित की गई तथा इस संगम (मीट) की व्यवस्था के लिए धनराधि प्रदान की थी।

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– II (2013–15 बैच)

- वनरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, 30 अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा स्थानीय किस्म के 200 पौधे रोपे गए।
- परिसर के अंदर पेड़ों पर नाम के टैग लगाए गए।

आधारिक पाठ्यक्रम

- अभिरूचि क्लब के सहयोग से फोटोग्राफी प्रतियोगिता तथा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- कैनन इंडिया द्वारा फोटोग्राफी कार्यशाला आयोजित की गई।
- धनौल्टी से मसूरी तक 28 किमी. की साइकिल चालन अभियान का आयोजन किया गया।

प्रकृति, वन, पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गयी।

अधिकारी क्लब

अधिकारी क्लब अपने सदस्य अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों, सेवाकालीन पाठ्यक्रमों, चरण–IV, चरण– V पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों, संकाय तथा स्टाफ सदस्यों को बाह्य और आंतरिक खेलकूद की सुविधाएं प्रदान करता है। बाह्य खेलकूद में टेनिस, बास्केट बाल, वॉली बाल, क्रिकेट, फुटबाल, इत्यादि की सुविधाएं प्रदान की जाती है और आंतरिक खेलकूद में बिलियर्ड्स, कैरम, शतरंज, ब्रिज, स्नूकर, टेबल टेनिस, स्क्वैश तथा बैडमिंटन शामिल हैं। क्लब में सुसज्जित जिम्नाजियम भी मौजूद है। इस वर्ष के दौरान क्लब ने कई क्रियाकलाप आयोजित किए, जिनका पाठ्यक्रमवार विवरण निम्नवत् हैः

भा.प्र. सेवा चरण–I

क. भा.प्र.सेवा, चरण– I, 2009 बैच के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए निम्नलिखित खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं–

- बैडमिंटन – पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, मिश्रित युगल
- टेनिस – पुरुष एकल, पुरुष युगल, मिश्रित युगल
- कैरम – पुरुष एकल, पुरुष युगल, मिश्रित युगल
- शतरंज – पुरुष एकल
- स्क्वैश – पुरुष एकल
- बिलियर्ड्स – पुरुष एकल
- स्नूकर – पुरुष एकल

ख. उपर्युक्त प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त, अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने निम्नलिखित टीम स्पर्धाएं भी आयोजित की–

- फुटबॉल
- वॉलीबॉल
- क्रिकेट

ग. अधिकारी क्लब ने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा अकादमी संकाय सदस्यों की टीमों के बीच बैडमिन्टन मैच आयोजित किया।

घ. अधिकारी क्लब ने चरण–IV पाठ्यक्रम के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा प्रतिभागियों के बीच क्रिकेट मैच आयोजित कराया।

भा.प्र.सेवा, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, चरण –II

चरण–II के दौरान बैडमिंटन, टेनिस, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल तथा स्क्वैश इत्यादि की खेलकूद स्पर्धाएं आयोजित की गई।

अधिकारी क्लब ने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा अकादमी संकाय सदस्यों की टीमों के बीच बैडमिन्टन तथा चरण –III पाठ्यक्रम के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा प्रतिभागियों के बीच क्रिकेट मैच भी आयोजित किया।

90वां आधारिक पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के दौरान बैडमिंटन, टेनिस, टेबल टेनिस, शतरंज, स्क्वैश, स्नूकर, कैरम इत्याादि की खुली प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।
पाठ्यक्रम के दौरान व्याख्यान समूहवार वॉलीबाल, फुटबॉल, बास्केट बॉल तथा क्रिकेट के टूर्नामेन्ट का आयोजन किया गया।
90वें आधारिक पाठ्यक्रम के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए पोलो ग्राउंड में एथलीट्स मीट का आयोजन किया गया।
90वें आधारिक पाठ्यक्रम के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा संकाय सदस्यों के लिए क्रॉस कंट्री दौड़ का भी आयोजन किया गया।
व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण – I तथा चरण–II और 90वें आधारिक पाठ्यक्रम के दौरान क्लब ने टेनिस, बैडमिंटन, बासकेट बॉल, स्क्वैश, टेबल टेनिस तथा बिलियर्डस के लिए कोचिंग का भी आयोजन किया गया।

राइफल एवं धनुर्विद्या क्लब

अकादमी में प्रशिक्षण लेने वाला प्रत्येक अधिकारी इस क्लब का सदस्य होता है। क्लब की कार्यकारी समिति में एक निर्वाचित/नामित सचिव तथा तीन सदस्य होते हैं।

राइफल एवं धनुर्विद्या क्लब के पास 22 स्पोर्टिंग गनें, तीन 38 रिवाल्वर पांच एयर गनें तथा एक 12 बोर एसबीबीएल गन हैं। क्लब के पास एक ऑटोमेटिक राइफल तथा एक लाइट मशीन गन भी है जो 1972 में लेफ्टिनेंट जनरल जे.एस. अरोड़ा ने प्रदान की थी। क्लब ने उपरोक्त हथियारों के प्रयोग के लिए अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा संकाय के लिए अभ्यास सत्र आयोजित किया। 22 राइफलों, 38 रिवॉल्वरों तथा 5.56 आईएनएसएएस राइफल का फायरिंग सत्र आयोजित किया गया था।

समकालीन क्रियाकलाप सोसाइटी

यह सोसाइटी परिचर्चा चर्चा, वाद–विवाद तथा सामान्य अभिरूचि के सभी मामलों के अध्ययन, जिसमें सामयिकी, विज्ञान तथा तकनीकी एवं सामयिक अभिरूचि के विषयों के लिए मंच प्रदान करती है। इस सोसाइटी को दिया गया कार्यक्षेत्र काफी बड़ा होता है क्योंकि सामान्य प्रकृति की सभी गतिविधियां, जो अन्य सोसाइटियों तथा क्लबों के संगठन के अंतर्गत विशेष रूप से उपलब्ध नहीं करायी जाती हैं, इसके दायरे में होती है। समकालीन क्रियाकलाप सोसाइटी ने वर्ष के दौरान कई प्रतियोगिताओं तथा कार्यक्रमों का आयोजन किया।

अधिकारी मेस

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी परिसर में अधिकारी मेस एक पवित्र संस्थान है। यह एक स्थान है जहां व्यंजनों की विविधता के माध्यम से संस्कृति, परंपराएं, प्रथाएं तथा विश्वास मिल जाते हैं। यह संस्थान परिवीक्षाधीनों के बीच विश्व बन्धुत्व एवं भाईचारे की भावना को सदैव बढ़ावा देता है। मेस को अनिवार्य रूप से शिष्टाचार, आचार तथा सेवाओं के संदर्भ में उच्च मानक प्राप्त करना होता है। प्रत्येक परिवीक्षाधीन इस संस्थान का अभिन्न हिस्सा होता है।

अधिकारी मेस का संचालन परिवीक्षाधीनों द्वारा किया जाता है। मेस समिति के सदस्य परिवीक्षाधीनों में से होते हैं। मेस समिति में एक अध्यक्ष, एक सचिव, एक कोषाध्यक्ष तथा पांच अन्य सदस्य होते हैं जो स्वयं संघ भाव के अधारभूत दर्शन को बढ़ावा देने के लिए निर्विवाद रूप से कार्य करते हैं।

मेस समिति अधिकारी मेस के निदेशक नामिति के समग्र दिशा निर्देश तथा देख–रेख में कार्य करती है। मेस की सहायता हर समय मैस प्रबंधक, लेखाकार, स्टोर कीपर तथा पर्यवेक्षकों द्वारा की जाती है। इस संस्थान में अधिकारी मेस के कर्मचारी, कुक, सहायक, टेबल बीयरर, रूम बीयरर, स्वीपर तथा डिशवॉशर होते हैं।

अधिकारी मेस कर्मशिला, ज्ञानशिला तथा इंदिरा भवन परिसर में लगभग 500 लोगों की सेवा करता है। अधिकारी मेस प्रतिभागियों को इस राष्ट्र के कोने–कोने के विभिन्न व्यंजन (मेस में तैयार की हुई) परोसता है। अधिकारी मेस ए.एन.झा प्लाजा कैफे. कार्यकारी छात्रावासों के केफेटेरिया, अधिकारी प्रशिक्षणार्थी छात्रावासों तथा हैप्पी वैली के खेल परिसरों में अपनी सेवा प्रदान करता है। अधिकारी मेस बेकरी के द्वारा भी अपनी सेवाएं देता है।

मुख्य गतिविधियां :

- अक्षरशः स्वच्छ भारत अभियान का कार्यान्वयन।
- स्टाफ/कर्मचारियों की सभी गतिविधियों/प्रशिक्षण/कौशल विकास का प्रलेखन।
- बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली की शुरूआत।

शिकायत निवारण हेतु ''ओपन हाउस'' का आयोजन।

समाज सेवा सोसाइटी

समाज सेवा सोसाइटी (एस.एस.एस.) यथासंभव कई व्यक्तियों की जीवन की गुणवत्ता की वृद्धि के लिए विभिन्न गतिविधियों को पूरा करने में कार्यरत होता है। इसने शिक्षा तथा स्वास्थ्य क्षेत्रों जैसे जागरूकता उत्पन्न करना, स्वास्थ्य क्लीनिक आदि के आयोजन से संबंधित विभिन्न कार्यकलापों का आयोजन किया। यह ला.ब.शा.रा.प्र.अ., मसूरी की आंतरिक सोसाइटी है जिसमें प्रत्येक वर्ष अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों का एक निर्वाचित समूह पुनर्गठित होता है। निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी तथा निदेशक नामिती के मार्गदर्शन में सोसाइटी न केवल अकादमी के कर्मचारियों की बल्कि स्थानीय समुदाय के निवासियों की देखभाल के कई पहलों को आगे बढ़ाने में भी सहायक है।

परंपरा को जारी रखते हुए तथा नए क्षेत्रों को अपनाते हुए, 2015 बैच के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की समाज सेवा सोसाइटी (एस.एस.एस.), ने निम्नलिखित मुख्य पहल तथा कार्यक्रम करायेः

ललिता शास्त्री बालवाड़ी स्कूल तथा निःशुल्क होम्योपैथिक औशद्यालय का संचालन :

समाज सेवा सोसाइटी अकादमी के स्टाफ के बच्चों तथा कर्मचारियों के लिए स्वयं द्वारा बालवाड़ी स्कूल चलाती है। सोसाइटी स्टाफ तथा स्थानीय लोगों के लिए निःशुल्क होम्योपैथिक औषधालय का भी संचालन करती है।

रक्तदान शिविर : समाज सेवा सोसाइटी ने दून अस्पताल, देहरादून के सहयोग से जून 2014 तथा दिसंबर, 2014 में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें 148 अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने रक्त दान किया।

साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच : हर गुरूवार को समुदाय केंद्र में साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम का आयोजन किया जाता था तथा प्रत्येक सप्ताह सामान्य बीमारियों से पीड़ित औसतन 50 मरीजों की जांच की गई। तीन माह के दौरान लगभग 500 मरीजों ने इस सुविधा का लाभ उठाया।

वर्दी वितरण : सोसाइटी ने पाया कि विद्यालयों में कम उपस्थिति का मुख्य कारण विद्यार्थियों के पास उचित गरम कपड़ों का अभाव होता है। अतः इसी वक्त को ध्यान में रखते हुए सोसाइटी ने पहल की।

छात्रवृत्ति वितरण : सोसाइटी ने छात्रों को 1,12,910/– रुपए की छात्रवृत्ति वितरित की।

आई टी कौशल प्रदान करना : वर्ष 2015 बैच के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने कक्षा III से V तक के छात्रों को कंप्यूटर बेसिक कौशल की जानकारी प्रदान की।

पुस्तक तथा स्टेशनरी वितरण : सोसाइटी ने ललीता शास्त्री बालवाड़ी स्कूल के सभी छात्रों को निःशुल्क पुस्तकें तथा स्टेशनरी वितरित की।

वित्तीय सहायता में वृद्धि : सोसाइटी ने मेस कर्मचारियों की चिकित्सा व्ययों की पूर्ति के लिए 20,200 रु. की सहायता प्रदान की तथा प्राथमिक छात्रों को उनके पारिवार की आर्थिक स्थिति के आधार पर 42,200 रु. शुल्क के रूप में सहयोग दिया। इसके अतिरिक्त, जरूरतमंद छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए 1,00,000 रु. प्रदान किए।

इसके अतिरिक्त, क्लब ने पिछले प्रयासों में बढ़ोत्तरी की तथा निम्नलिखित कदम उठाए :

- **कैरियर काउंसिलिंग** : केंद्रीय विद्यालय, सीजेएम हैम्पटन कोर्ट, केंद्रीय तिब्बती स्कूलों के कक्षा IX से XII तक के छात्रों में जागरूकता लाने के लिए कैरियर काउंसिलिंग सत्र आयोजित किए गए।
- **धूम्रपान निषेध सत्र** : केंद्रीय तिब्बती स्कूल, मसूरी में एक धूम्रपान निषेध सत्र का आयोजन किया गया।
- **विद्यालयों के लिए सहायक अवसंरचना** : बालवाड़ी स्कूल की भैतिक अवसंरचना को सुधारा गया। स्कूल के फर्श को पुनः निर्मित किया गया तथा मध्याह्न भोजन योजना (मिड–डे–मील) के बर्तनों की खरीद के लिए धनराशि तथा कैमरा प्राप्त किया गया।
- **धन जुटाना** : धन जुटाने के लिए सोसाइटी ने 2015 बैच के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को स्वैच्छिक दान के लिए प्रोत्साहित किया जिससे 97800/–रु. की धनराशि प्राप्त की धन जुटाने के लिए समुचित पैम्फलेट्स बांटे गए और धनराधि देने वालों को उसकी रसीदें दी गई।
- **स्वास्थ्य शिविर** : सोसाइटी ने ललिता शास्त्री बालवाड़ी तथा अकादमी के मुख्य गेट के पास प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाली बच्चों के स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया, जिसमें 100 से ज्यादा छात्रों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा दवाइयां दी गई।

अध्याय 6

अकादमी संसाधन

गांधी स्मृति पुस्तकालय

अकादमी के पास सुसज्जित पुस्तकालय है। अकादमी पुस्तकालय नैसर्गिक सौंदर्य के बीच स्थित है जहां से भव्य हिमालय का मनोरम दृश्य दिखाई पड़ता है और प्रकृति से जुड़ाव का अनंत भाव उत्पन्न होता है। गांधी स्मृति पुस्तकालय महात्मा गांधी के नाम पर रखा गया है। यह पुस्तकालय कंप्यूटरीकृत है तथा पुस्तकालय की सभी पुस्तक सूची ऑनलाइन है।

पुस्तक/सीडी/डीवीडी आरएफआईडी टैग किए गए हैं तथा पुस्तकाल पटल (लाइब्रेरी काउन्टर) पर आरएफआईडी स्व–निर्गमन/स्व–वापसी कियोस्क संस्थापित किए गए हैं। अकादमी मुख्य परिसर के कर्मशिला भवन तथा इंदिरा भवनके प्रवेश स्थल पर आरएफआईडी बुक ड्रॉप कियोस्क लगाए गए है। पुस्तकालय उपयोगकर्ता पुस्तकालय आए बिना पुस्तक वापसी के लिए इस सुविधा का उपयोग कर सकते हैं। यह सेवा सातों दिन 24 घंटे उपलब्ध है।

पुस्तक संसाधन – गांधी स्मृति पुस्तकालय अध्ययन संसाधनों से भरा पड़ा है जिसमें 1.65 लाख आरएफआईडी टैग लगी पुस्तकें तथा बॉड वोल्यूम, जॉर्नल, 8000 सीडी/डीवीडी, विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों/संस्थानों द्वारा प्रकाशित 270 सामायिकी तथा लोकप्रिय पत्रिकाएं और 7 ऑनलाइन संसाधन सब्सक्राइब करने की सुविधा शामिल है।

ईबीएससीओ का बिजनेस सोर्स कंप्लीट : डाटाबेस ग्रंथ सूचियों का संग्रह तथा 3000 से अधिक पत्र पत्रिकाओं के लेखों, व्यवसाय का अनुशासन, मार्केटिंग, प्रबंधन, प्रबंधन सूचना प्रणाली उत्पादन एवं प्रबंधन संचालन, लेखांकन, वित्त तथा अर्थशास्त्र की पूरी पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराता है।

जेएसटीओआर ऑनलाइन मानवशास्त्र, एशियाई एफ्रो–अमेरिकन अध्ययन, परिस्थिति विज्ञान, अर्थशास्त्र, शिक्षा, वित्त सामान्य विज्ञान, इतिहास, साहित्य, गणित, संगीत, दर्शन, राजनैतिक विज्ञान, समाजशास्त्र तथा सांख्यिकी में वैज्ञानिक पत्रिकाओं का डिजिटल संग्रह है।

इंडिया स्टेट्स : ऑनलाइन सांख्यिकीय डेटाबेस भारतीय सांख्यिकीय डेटाबेस में भारत तथा उनके राज्यों के बारे में गौण स्तरीय सामाजार्थिक आंकड़ों का व्यापक संकलन है।

मनुपत्र : एक विधिक डेटाबेस है जिसमें भारत और अमरीका, ब्रिटेन, श्रीलंका, बंगलादेश तथा पाकिस्तान के कानूनों के संबंध में विधिक मामलों, विधिक शोध तथा लेख शामिल है।

सितंबर, 2015 में पुस्तकालय ने निम्नलिखित डेटाबेस शामिल किए हैं :

ईबीएससीओ इकोनलिट पूरी पाठ्य सामग्री के साथ :

यह सोर्स अर्थशास्त्र, पूंजी बाजार, देश का अध्ययन, अर्थमिति, आर्थिक पूर्वानुमान, पर्यावरणीय अर्थशास्त्र, सरकारी नियमों, श्रम अर्थशास्त्र, मौद्रिक सिद्धांत, शहरी अर्थशास्त्र तथा बहुत से क्षेत्रों में लेखों की पूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराता है।

ईबीएससीओपॉलिटिकल साइंस : विश्व केंद्रित वैश्विक राजनीतिक विषयों का व्यापक कवरेज उपलब्ध कराता है, समकालीन राजनीतिक लेख के वैश्वीकरण को दर्शाता है। यह 340 से अधिक संदर्भ पुरस्तकों तथा मोनोग्राफ की पूर्ण पाठ्य सामग्री तथा 44,000 से अधिक सम्मेलन पेपरों की पूर्ण पाठ्य सामग्री प्रदान करता है।

यह डेटाबेस विश्व का सबसे व्यापक तथा उच्चतम गुणवत्ता वाला समाजशास्त्र शोध डेटाबेस है। इसमें लगभग 900 पत्रिकाओं की पूरी पाठ्य सामग्री है तथा इसमें 1895 तक की 1500 से अधिक कोर कवरेज पत्रिकाओं के शिक्षाप्रद सार है। इसके अतिरिक्त, यह लगभग 420 प्राथमिकता कवरेज वाली पत्रिकाएं तथा लगभग 3,000 चयनित कवरेज वाली पत्रिकाओं से डेटा माइंड उपलब्ध कराता है।

पुस्तकालय ने 16 दिसंबर, 2015 को स्थान की परवाह किए बिना ईःसंसाधनों तक पहुंचने के लिए **रिमोट ऑथेंटिकेशन एंड एक्सेस सर्विस (ezproxy)** की भी सदस्यता ली है। ezproxy एक ऐसी सेवा है जो ई–संसाधनों के उपयोगकर्ताओं के परिसर से बाहर होने पर भी पुस्तकालय तक पहुंचने की अनुमति देता है।

इसके अलावा, पुस्तकालय प्रत्येक माह सुलभ संदर्भ के लिए निम्नलिखित प्रकाशनों को जारी करता है।

- पुस्तकालय के लिए नई पुस्तकों/सीडी/डीवीडी की सूची शामिल की गई।
- नई पुस्तकों की समीक्षा का संकलन

जनवरी 2015 से दिसंबर, 2015 के दौरान पुस्तकालय ने 3364 से अधिक पुस्तक तथा लगभग 735 समसामयिक संस्करण तथा 502 सीडी/डीवीडी जोड़े।

कर्मचारी विकास

दो कर्मचारी श्री राजेंद्र सिंह बिष्ट एवं श्री पवन कुमार को सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र (आईएनएफएलआईबीएनईटी), गांधीनगर (गुजरात) में 07 सितंबर, 2015 से 27 सितबर, 2015 तक आई.सी. टी. एप्लीकेशन फॉर लाइब्रेरीज पर उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भेजा गया था।

वित्तीय विवरण

ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी का बजट आवंटन ''मांग सं0 – 64–कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय'' के अंतर्गत किया जाता है। बजट प्रावधान में स्थापना से संबंधित व्यय गैर–योजना (राजस्व), अवसंरचना से संबंधित योजना व्यय (राजस्व), तथा योजना (पूंजीगत) व्यय शामिल है। बजट आवंटन अकादमी के विभिन्न मुख्य गतिविधियों के लिए किया जाता है जिसमें आधारिक पाठ्यक्रम, रिफ्रेशर पाठ्यक्रम, मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। योजना पूंजी तथा योजना राजस्व के अंतर्गत बजट का आवंटन ला.ब.शा. रा.प्र. अकादमी में अवसंरचना कार्य तथा आवश्यक सुविधाओं के उन्नयन के लिए किया जाता है।

वर्ष 2013–14, 2014–15 तथा 2015–16 के वास्तविक व्यय और चालू वर्ष 2016–17 के बजट आवंटन का ब्योरा नीचे दिया गया है।

(आंकड़े हजार में)

क्रम सं.		वास्तविक व्यय			बजट आवंटन
		2013–14	2014–15	2015–16	2016–17
गैर योजना (राजस्व)					
1	वेतन	109972	125188	131432	148780
2	मजदूरियां	7989	9879	10071	14000
3	समयोपरि भत्ता	106	110	74	300
4	चिकित्सा उपचार	2600	5399	5477	5000
5	घरेलू यात्रा व्यय	2500	4115	3850	4000
6	विदेश यात्रा व्यय	163	137	67	600
7	कार्यालय व्यय	49911	57371	51574	80100
8	किराया, दर तथा कर	1320	1325	1281	1425
9	प्रकाशन	100	31	226	350
10	अन्य प्रशासनिक व्यय	60	154	135	165
11	लघु कार्य .	135	600	500	
12	व्यावसायिक सेवाएं	59725	48602	49401	75300
13	अनुदान सहायता	450	485	500	500
14	अन्य प्रभार	4000	2344	862	4800
विभागीय कैंटीन					
15	वेतन	1595	2093	1947	2550
16	समयोपरि भत्ता	1	0	8	50
17	चिकित्सा उपचार	135	58	57	200
सूचना प्रौद्योगिकी					
18	अन्य प्रभार (सूचना प्रौद्योगिकी)	450	599	558	660
मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम					
19	व्यावसायिक सेवाएं	159457	159858	131525	20500
कुल (गैर योजना)		400534	417883	389649	539780
20	योजना (राजस्व)	181165	103898	148500	150000
21	योजना (पूंजी)	294830	231605	211600	160000

राजभाषा

भारत सरकार के कार्यालयों में भारत संघ की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, सरकार द्वारा निर्धारित राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जाना अपेक्षित है। अतः राजभाषा नीति के कर्यान्वयन हेतु अकादमी में वर्ष 1986 में राजभाषा अनुभाग की स्थापना की गई। यह अनुभाग, निदेशक एवं प्रभारी प्रशासन के समग्र मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण में कार्य करता है। इस अनुभाग द्वारा विचाराधीन वर्ष के दौरान मुख्यतः निम्नलिखित कार्य संपन्न किए गए –

- भारत सरकार, राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2015–16 के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप 'क' 'ख' और 'ग' क्षेत्रों के साथ हिंदी पत्राचार सुनिश्चित किया जा रहा है। तदनुसार, अकादमी द्वारा 'क' एवं 'ख' क्षेत्रों के साथ 87 प्रतिशत और 'ग' क्षेत्र के साथ लगभग 74.57 प्रतिशत पत्राचार हिंदी में किया जा रहा है। राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) के अंतर्गत द्विभाषी जारी किए जाने वाले सभी दस्तावेजों को द्विभाषी रूप में जारी किया गया। विचाराधीन वर्ष के दौरान, यह अकादमी, हिंदी पुस्तकों, सीडी, डीवीडी आदि की खरीद के लिए 44. 21 प्रतिशत राशि व्यय कर राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत बजट के व्यय के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहा है। अकादमी के निदेशक/संयुक्त निदेशक एवं प्रभारी प्रशासन के अध्यक्षता में प्रति माह मासिक समीक्षा बैठक तथा हर तिमाही राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन कर अकादमी के विभिन्न अनुभागों में राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की जाती है तथा यथोचित मार्गदर्शन किया जाता है।

- ला.ब.शा.रा.प्र.अ.,मसूरी में दिनांक 1 सितंबर से 15 सितंबर, 2015 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में अकादमी स्टाफ एवं अकादमी से संबद्ध इकाइयों के स्टाफ तथा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए राजभाषा नीति से संबंधित सामान्य ज्ञान, तीन वर्गों के लिए अलग–अलग हिंदी निबंध लेखन, श्रुतलेखन तथा हिंदी काव्य रचना प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

- हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को हिंदी दिवस के अवसर पर दिनांक 15 सितंबर, 2015 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि अकादमी के निदेशक, श्री राजीव कपूर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती रोली सिंह, उपनिदेशक वरि. द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन, सहायक निदेशक (राजभाषा) श्री नंदन सिंह दुग्ताल ने किया। समारोह में अकादमी के वरिष्ठ अधिकारी एवं स्टाफ सम्मिलित हुए। इस समारोह में, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों के साथ ही, वार्षिक टिप्पण तथा मसौदा लेखन प्रोत्साहन योजना 2014–15 के प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। इस तरह, इस समारोह में 29 प्रतिभागियों को निदेशक महोदय ने प्रशस्ति पत्र, नकद धनराशि तथा स्टेशनरी के वाउचर पुरस्कार स्वरूप प्रदान किए।

- निदेशक महोदय ने इस अवसर पर अकादमी की पत्रिका के तृतीय अंक ''सृजन'' का विमोचन किया। इस समारोह में अकादमी के संयुक्त निदेशक श्री दुष्यंत नरियाला ने अपने विचार व्यक्त किए तथा निर्धारित लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया अंत में निदेशक महोदय ने सभी संकाय सदस्यों, अधिकारी एवं अकादमी स्टाफ का आभार प्रकट करते हुए, सभी से अकादमी में हिंदी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाने का आह्वान किया।

- इस वर्ष हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के लिए गठित संसदीय राजभाषा समिति ने अकादमी में राजभाषा नीति के अनुपालन की दिशा में किए गए कार्यों का निरीक्षण किया। यह समिति एक उच्च अधिकार प्राप्त समिति है। समिति ने राजभाषा नीति कई बिंदुओं पर अकादमी का ध्यान आकर्षित किया तथा इन बिंदुओं पर यथाशीघ्र कार्रवाई करने का निदेश दिया जिसे अकादमी ने तय समय सीमा से पहले कार्रवाई कर संसदीय राजभाषा समिति को अपनी अनुपालन रिपोर्ट भेज दी है।

- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को आवश्यकतानुसार समय–समय पर उपलब्ध कराई जाने वाली प्रशासनिक सामग्री यथा–पत्रों, परिपत्रों, सूचनाओं, निविदा सूचनाओं, वार्षिक रिपोर्ट, प्रश्नपत्रों इत्यादि के अनुसाद के अतिरिक्त, राजभाषा अनुभाग ने विभिन्न पाठ्यक्रमों, आधारिक पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम पुस्तिका तथा मानक पत्रों के प्रारूप का अनुवाद संपन्न किया।

इस प्रकार यह अकादमी अपने प्रशासनिक और प्रशिक्षण दोनों क्षेत्रों में हिंदी के प्रचार–प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत है।

प्रशिक्षण अनुसंधान तथा प्रकाशन प्रकोष्ठ

अकादमी में प्रतिवर्ष कई गणमान्य व्यक्तियों एवं प्रतिनिधि–मण्डलों का आगमन होता है। इस दौरान आपसी अनुभव आदान–प्रदान द्वारा ज्ञानार्जन किया जाता है जिससे अतिथि तथा अकादमी, दोनों ही लाभान्वित होते हैं। वर्ष के दौरान प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा विकास प्रकोष्ठ द्वारा समन्वय किए गए कुछ भ्रमण कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है–

गणमान्य व्यक्ति / प्रतिनिधि मंडल

- 10.04.2015 को दिल्ली न्यायिक अकादमी (दिल्ली उच्च न्यायालय) के न्यायाधीशों का भ्रमण
- 18.04.2015 को भारतीय सैन्य अकादमी (आई.एम.ए.) देहरादून से दो अधिकारियों सहित ए.सी.सी. कैडेट्स का भ्रमण
- 05.05.2015 को राज्य मंत्री एच. ई. बेगम इस्मात आरा सादिक, राज्य लोक प्रशासन मंत्री, बांग्लादेश का भ्रमण
- चीन एक्जीक्यूटिव लीडरशि अकादमी, पूडोग, चीन के प्रतिनिधिमंडल का भ्रमण (21.05.2015 से 23.05.2015 तक)
- 05.06.2015 को कोलंबिया ग्लोबल सेंटर्स / साउथ एशिया, मुंबई के डॉक्टरों का भ्रमण
- 17 जून, 2015 को राष्ट्रीय सुशासन केंद्र द्वारा आयोजित लोक सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए प्रबंध विकास कार्यक्रमों के प्रतिभागियों का भ्रमण
- 03.07.2015 को हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, नई दिल्ली के 13 प्रतिनिधियों का भ्रमण
- 08.08.2015 केरल के विधानसभा सदस्यों कीसमिति XIII (समाजसेवा) का भ्रमण
- 24.08.2015 को राष्ट्रीय सुशासन केंद्र, मसूरी द्वारा आयोजित उपायुक्तों के लिए विशेष प्रशिक्षण के प्रतिभागियों का भ्रमण
- 03.09.2015 को भारतीय रेलवे सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे के डीन का भ्रमण
- 05.09.2015 को हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान, गुड़गांव के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के दल का भ्रमण
- 09.09.2015 केरल के विधानसभा सदस्यों की समिति –II (भूमि राजस्व तथा देवासोम) के 20 सदस्यों का भ्रमण
- 15.09.2015 को सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, अहमदाबाद का भ्रमण
- 15.09.2015 को राष्ट्रीय सुशासन केंद्र, मसूरी द्वारा आयोजित बांग्लादेश के प्रशासको के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का भ्रमण
- 04.10.2015 को जम्मू–कश्मीर के युवाओं में राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना के सद्भावना मिशन के अंतर्गत जम्मू एवं कश्मीर के युवा दल का भ्रमण
- 06.10.2015 को एस.एस.बी. अकादमी, श्रीनगर के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों का भ्रमण
- 07.10.2015 को स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग, देहरादून का भ्रमण
- 05.10.2015 को राष्ट्रीय सुशासन केंद्र, मसूरी द्वारा आयोजित बांग्लादेश के प्रशासको के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का भ्रमण
- 10.10.2015 को आर्मी कैडेट कॉलेज (ए.सी.सी.), आई.एम.ए., देहरादून का भ्रमण
- 05.11.2015 को विभाग से संबंधित संसदीय स्थायी समिति, नई दिल्ली का भ्रमण
- 15–17 / 11 / 2015 को संघ लोक सेवा आयोग विशेषज्ञ समिति, नई दिल्ली का भ्रमण
- 16.12.2015 को तकनीकी प्रबंधन संस्थान (डीआरडीओ), लंढ़ोर कैंट मसूरी, के डाएरेक्टिंग स्टाफ सहित एडवांस्ड वर्क स्टडी कोर्स (भारतीय सेना) के 30 प्रतिभागियों का भ्रमण
- 28.12.2015 को राष्ट्रीय सुशासन केंद्र, मसूरी द्वारा आयोजित किए जाने वाले बांग्लादेश के सिविल सेवकों के लिए क्षेत्र प्रशासन में मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का भ्रमण
- 21.01.2016 को मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय तथा राज्य परियोजना कार्यालय, ननूरखेड़ा, देहरादून द्वारा आयोजित मिड–डे–मील वर्कशॉप तथा मिड–डे–मील सेल के प्रतिभागियों का भ्रमण

संकाय विकास

अकादमी में अपने संकाय सदस्यों की कौशलता, ज्ञान तथा उनकी शैक्षणिक तकनीकों को उन्नत करने तथा उसे अद्यतन करने के लिए एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। इसे प्राप्त करने के लिए ऑन कैंपस प्रशिक्षण तथा देश विदेश दोनों के प्रख्यात संस्थानों से संकाय सदस्यों की नियुक्ति

कर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। संकाय विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण, कार्यशालाओं, सेमीनारों में भाग लेने तथा भारत तथा विदेश दोनों में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए निम्नलिखित संकाय सदस्यों की तैनाती की गई।

संकाय का नाम	प्रशिक्षण / कार्यशाला / सेमीनार	अवधि	स्थान
जयंत सिंह	लीगल एंड रेग्यूलेटरी इशूज इन इंफ्रास्ट्रक्चर	24–28 अगस्त, 2015	आई.आई.एम. अहमदाबाद
आर. रविशंकर	लैंड एक्वीजेशन रिहेबीलीटेशन एंड रिसेटलमेंट	17–19 जून, 2015	एन.टी.पी.सी. पी.एम.आई., नोएडा
अश्वती एस.	विलेज बुद्धा प्रोग्राम	12–16 जून, 2015	बंगलोर
अभिषेक स्वामी	रिमोट सेंसिंग – एन ओवर व्यू फॉर डिसीजन मेकर्स	15–18 जून, 2015	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग, देहरादून
डॉ0 सुनीता रानी	फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट	8 जून से 26 सितंबर, 2015	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद
डॉ0 डी.पी. उनियाल	कोर इंटरनेशनल प्रोग्राम फॉर डेवलपमेंट इवैल्यूएशन	8 से 19 जून, 2015	कार्लटन यूनिवर्सिटी, ओटावा, कनाडा
सचिव कुमार	करेंट डेवलपमेंट्स इन द सब्सटेन्टीव एंड प्रोसिड्यूरल क्रिमिनल लॉज	1 से 5 जून, 2015	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
तेजवीर सिंह	पार्टीसिपेट इन लीडरशिप वर्कशॉप	27 से 28 मई, 2015	जीआईजेड, जर्मनी
डॉ0 डी.पी. उनियाल	बिल्ड रिसर्च कैपेसिटी इन इम्पेक्ट इवैल्यूएशन	18 से 23 मई, 2015	इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट, गुजरात
सुश्री तुलसी मद्दिनेनी	बिल्ड रिसर्च कैपेसिटी इन इम्पेक्ट इवैल्यूएशन	18 से 23 मई, 2015	इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट, गुजरात
एम.एच. खान	प्रोफेशनल डिप्लोमा इन पब्लिक प्रोक्योरमेंट	(छः माह का ऑनलाइन कोर्स)	सीयूटीएस इंस्टीट्यूट फॉर रेगुलेशन एंड कॉम्पीटिशन, नई दिल्ली
सचिव कुमार	नेशनल सेमिनार ऑन क्रिमिनोलॉजी, क्राइम एंड द क्रिमिनल जस्टिस सिस्टमः एन इंसाइट इन द कंटेम्पोरेरी ऐज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी	21 से 22 नवंबर, 2015	कॉलेज ऑफ लीगल स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून
अभिषेक स्वामी	यू.ए.वी. रिमोट सेंसिंग	5 से 9 अक्टूबर, 2015	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग, देहरादून
सचिव कुमार	नेशनल सेमिनार ऑन एक्सेस टू जस्टिस इन इंडिया	7 नवंबर, 2015	आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, मोहाली

संकाय का नाम	प्रशिक्षण / कार्यशाला / सेमीनार	अवधि	स्थान
दुष्यंत नरियाला, संयुक्त निदेशक	इंप्लीमेंटेशन ऑफ बेस्ट प्रेक्टिसेज इन सिटिजन सेंट्रिक गवर्नेंस	10 से 11 सितंबर, 2015	विज्ञान भवन, नई दिल्ली
सौरभ जैन	इंप्लीमेंटेशन ऑफ बेस्ट प्रेक्टिसेज इन सिटिजन सेंट्रिक गवर्नेंस	10 से 11 सितंबर, 2015	विज्ञान भवन, नई दिल्ली
मनस्वी कुमार	रिट्रीट एट एशिया प्लेटियू	19 से 20 सितंबर, 2015	डीओपीटी / यूएनडीपी, पंचगनी, महाराष्ट्र
सुश्री तुलसी मद्दिनेनी	मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन प्रोग्राम	23 से 25 फरवरी, 2016	इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट आनंद, गुजरात
मनस्वी कुमार	ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर प्रोग्राम (टीओटी)	8 से 12 फरवरी, 2016	जीआईजेड, जर्मनी
एम.एच. खान	ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर प्रोग्राम (टीओटी)	8 से 12 फरवरी, 2016	जीआईजेड, जर्मनी
आजाद सिंह	प्रोजेक्ट फॉरमूलेशन एंड अप्रेजल (डब्ल्यू.पी.एफ.ए. – 07)	23–24 नवंबर, 2015	आईएसटीएम, नई दिल्ली

टीआरपीसी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

- 5 जून, 2015 को प्रशासन में भ्रष्टाचार विरोधी रणनीतियों पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी)।
- 31 अगस्त से 2 सितंबर, 2015 तक सार्वजनिक निजी सहभागिता (पीपीपी) पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी)।
- 4–8 जनवरी, 20016 को प्रकरण लेखन तथा शिक्षण हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला।
- 1 फरवरी, 2016 को नेतृत्व पर एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम (जीआईजेड के साथ)

परस्पर सहयोग के लिये समझौते

- ला.ब.शा.रा.प्र.अ. तथा इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स बैग्लुरू के बीच 14 जुलाई, 2015 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- ला.ब.शा.रा.प्र.अ. तथा एम.आई.एस.बी. बोकॉनी, मुंबई के बीच 25 अगस्त, 2015 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रकाशन

अकादमी स्टाफ के लिए भ्रमण आयोजन तथा प्रशिक्षण सत्रों के आयोजन सहित, टीआरपीसी तिमाही पत्रिका ''द एडमिनिस्ट्रेटर'' का प्रकाशन भी करता है। ला.ब.शा.रा.प्र.अ. 1961 से ''द एडमिनिस्ट्रेटर'' का प्रकाशन करती आ रही है। इसकी आधी से अधिक लम्बी शताब्दी से पत्रिका ने क्षेत्र में अपने अनुभव से प्राप्त शिक्षा बांटने के लिए सिविल सेवकों तथा शिक्षाविदों को मंच प्रदान किया। योगदानकर्ता मुख्यतः सिविल सेवक रहे हैं परंतु इसमें केवल उन्हीं का योगदान नहीं रहा। पत्रिका को उन व्यक्तियों, विद्वानों और प्रख्यात व्यक्तियों का योगदान मिला है जिन्होंने लोकप्रशासन तथा लोक नीति में कार्य किया है।

वर्ष 2015–16 में, अकादमी ने पत्रिका के दो अंक प्रकाशित किए। इन अंकों में शामिल पेपरों में विभिन्न विषय हैं, जैसे :

- कृषि, स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन, शिक्षा तथा भूमि अधिग्रहण अधिनियम आदि में लोक नीति से संबंधित मुद्दे।
- शहरी नियोजन, सार्वजनिक निजी सहभागिता, स्वच्छता तथा सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज आदि से संबंधित मुद्दे।
- तथा कुछ सामान्य मुद्दे जैसे भ्रष्टाचार, जन लोकपाल बिल, मनरेगा, आर्थिक संकट आदि।

परिशिष्टियां

परिशिष्ट 1: भौतिक अवसंरचना

क.	कक्षा / व्याख्यान / सम्मेलन कक्ष	क्षमता
i)	अम्बेडकर हॉल	180 सीटें
ii)	सम्मेलन कक्ष (कर्मशिला)	35 सीटें
iii)	गोविन्द वल्लभ पंत हॉल	115 सीटें
iv)	होमी भाभा कंप्यूटर हॉल	107 टर्मिनल्स
v)	नेहरू ऑडिटोरियम	135 सीटें
vi)	डॉ0 सम्पूर्णानंद ऑडिटोरियम	472 सीटें
vii)	सेमिनार कक्ष 1–5 (ज्ञानशिला)	30 (राउंड टेबल) प्रत्येक
viii)	सेमिनार कक्ष 6–7 (ज्ञानशिला)	70 सीटें प्रत्येक
ix)	सेमिनार कक्ष 8–12 (ज्ञानशिला)	20 (राउंड टेबल) प्रत्येक
x)	सेमिनार कक्ष–ए एंड बी (कर्मशिला)	60 सीटें प्रत्येक
xi)	टैगोर हॉल	188 सीटें
xii)	विवेकानंद हॉल	188 सीटें
ख.	**छात्रावास**	
i)	ब्रह्मपुत्र निवास	12 कमरे
ii)	गंगा छात्रावास	78 कमरे
iii)	हैप्पी वैली छात्रावास	26 कमरे
iv)	इंदिरा भवन छात्रावास (पुराना)	23 कमरे
v)	कालिंदी अतिथि गृह	21 कमरे
vi)	कावेरी छात्रावास	32 कमरे
vii)	महानदी छात्रावास	39 कमरे
viii)	नर्मदा छात्रावास	22 कमरे
ix)	सिल्वरवुड छात्रावास	54 कमरे
x)	वैली व्यू होटल (इंदिरा भवन)	48 कमरे
ग.	**आवासीय व्यवस्था**	
i)	टाईप –VII	2 गृह
ii)	टाईप –V	14 गृह
iii)	टाईप –IV	24 गृह
iv)	टाईप –III	57 गृह
v)	टाईप –II टाईप –I	218 गृह
vi)	**कुल**	**315 गृह**

परिशिष्ट –2 :ला.ब.भा.रा.प्र.अ. के प्रमुख ला.ब.भा.रा.प्र.अकादमी के निदेशक

क्र.सं.	नाम	कार्यकाल
1.	श्री ए.एन. झा, भा.सि. सेवा	01.09.1959 से 30.09.1962
2.	श्री एस.के. दत्ता, भा.सि. सेवा	13.08.1963 से 02.07.1965
3.	श्री एम.जी. पिम्पुटकर, भा.सि. सेवा	04.09.1965 से 29.04.1968
4.	श्री के.के. दास, भा.सि. सेवा	12.07.1968 से 24.02.1969
5.	श्री डी.डी. साठे, भा.सि. सेवा	19.03.1969 से 11.05.1973
6.	श्री राजेश्वर प्रसाद, भा.प्र. सेवा	11.05.1973 से 11.04.1977
7.	श्री बी.सी. माथुर, भा.प्र. सेवा	17.05.1977 से 23.07.1977
8.	श्री जी.सी.एल. जोनेजा, भा.प्र. सेवा	23.07.1977 से 30.06.1980
9.	श्री पी.एस. अप्पू, भा.प्र. सेवा	02.08.1980 से 01.03.1982
10.	श्री आई.सी. पुरी, भा.प्र. सेवा	16.06.1982 से 11.10.1982
11.	श्री आर.के. शास्त्री, भा.प्र. सेवा	09.11.1982 से 27.02.1984
12.	श्री के. रामानुजम, भा.प्र. सेवा	27.02.1984 से 24.02.1985
13.	श्री आर.एन. चोपड़ा, भा.प्र. सेवा	06.06.1985 से 29.04.1988
14.	श्री बी.एन. युगांधर, भा.प्र. सेवा	26.05.1988 से 25.01.1993
15.	श्री एन.सी. सक्सेना, भा.प्र. सेवा	25.05.1993 से 06.10.1996
16.	श्री बी.एस. बसवान, भा.प्र. सेवा	06.10.1996 से 08.11.2000
17.	श्री वजाहत हबीबुल्लाह, भा.प्र. सेवा	08.11.2000 से 13.01.2003
18.	श्री बिनोद कुमार, भा.प्र. सेवा	20.01.2003 से 15.10.2004
19.	श्री डी.एस. माथुर, भा.प्र. सेवा	29.10.2004 से 06.04.2006
20.	श्री रुद्र गंगाधरन, भा.प्र. सेवा	06.04.2006 से 20.09.2009
21.	श्री पदमवीर सिंह, भा.प्र. सेवा	02.09.2009 से 28.2.2014
22.	श्री राजीव कपूर, भा.प्र. सेवा	20.05.2014 से 09.12.2016
23.	श्रीमती उपमा चौधरी, भा.प्र. सेवा	11.12.2016 से अब तक

ला.ब.भा.रा.प्र. अकादमी के संयुक्त निदेशक

क्र.सं.	नाम	अवधि
1.	श्री जे.सी. अग्रवाल	19.06.1965 से 07.01.1967 तक
2.	श्री टी.एन. चुतुर्वेदी	27.07.1967 से 09.02.1971 तक
3.	श्री एस.एस. बिसेन	01.04.1971 से 09.09.1972 तक
4.	श्री एम. गोपाल कृष्णन	20.09.1972 से 05.12.1973 तक
5.	श्री एच.एस. दुबे	03.03.1974 से 18.12.1976 तक
6.	श्री एस.आर. एडिगे	12.05.1977 से 07.01.1980 तक
7.	श्री एस.सी. वैश्य	07.01.1980 से 07.07.1983 तक
8.	श्री एस. पार्थसारथी	18.05.1984 से 10.09.1987 तक
9.	श्री ललित माथुर	10.09.1987 से 01.06.1991 तक
10.	डॉ0 वी.के. अग्निहोत्री	31.08.1992 से 26.04.1998 तक
11.	श्री बिनोद कुमार	27.04.1998 से 28.06.2002 तक
12.	श्री रुद्रगंगाधरन	23.11.2004 से 06.04.2006 तक
13.	श्री पदमवीर सिंह	12.03.2007 से 02.02.2009 तक
14.	श्री पी.के. गेरा	24.05.2010 से 20.05.2012 तक
15.	श्री संजीव चोपड़ा	09.09.2010 से 05.12.2014 तक
16.	श्री दुष्यंत नरियाला	24.12.2012 से 16.01.2016 तक
17.	सुश्री रंजना चोपड़ा	06.08.2013 से 15.12.2014 तक
18.	श्री तेजवीर सिंह	06.08.2013 से अब तक
19.	सुश्री जसप्रीत तलवार	24.10.2014 से अब तक

परिशिष्ट –3 : अकादमी में संकाय एवं अधिकारी

अकादमी की शैक्षणिक परिषद

क्र.सं.	अधिकारी का नाम	पदनाम
1.	श्रीमती उपमा चौधरी, भा.प्र. सेवा (हि.प्र. : 1983)	निदेशक
2.	श्री तेजवीर सिंह, भा.प्र. सेवा (पंजाब. : 1994)	संयुक्त निदेशक
3.	श्रीमती जसप्रीत तलवार, भा.प्र. सेवा (पंजाब. : 1995)	संयुक्त निदेशक
4.	श्री सी.श्रीधर, भा.प्र. सेवा (बिहार. : 2001)	उपनिदेशक (वरिष्ठ)
5.	श्री आलोक मिश्रा, आई.आई.एस. (1998)	उपनिदेशक (वरिष्ठ)
6.	श्री मनस्वी कुमार, भा.प्र. सेवा (पंजाब. : 2004)	उपनिदेशक
7.	श्री एम.एच. खान, आई.डी.ए.एस (2002)	उपनिदेशक (वरिष्ठ)
8.	श्री आर. रविशंकर, भा.व. सेवा, (कर्नाटक : 2003)	उपनिदेशक
9.	श्रीमती तुलसी मद्दिनेनी भा.प्र. सेवा, (कर्नाटक : 2005)	उपनिदेशक
10.	श्रीमती अश्वती एस., भा.प्र. सेवा, (ओडिशा : 2003)	उपनिदेशक
11.	श्री ए.एस. रामचंद्रा,	प्रोफेसर, राजनीतिक सिद्धांत एवं संवैधानिक विधि
12.	श्रीमती सुनीता रानी	प्रोफेसर, सामाजिक प्रबंधन
13.	डॉ0 मोनोनिता कुंडूदास	प्रोफेसर, विधि
14.	डॉ0 सुरेन सिस्ता	प्रोफेसर, प्रबंधन
15.	श्री सचिव कुमार	रीडर, विधि
16.	श्रीमती मिरांडा दास	सहायक निदेशक

अन्य संकाय सदस्य

क्रम सं.	संकाय सदस्य का नाम	पदनाम
17.	डॉ0 कुमुदिनी नौटियाल	रीडर हिंदी
18.	श्रीमती भावना पोरवाल	सहायक प्रोफेसर, हिंदी
19.	श्री दिनेश चंद्र तिवारी	हिंदी अनुदेशक
20.	श्रीमती अलका कुलकर्णी	भाषा अनुदेशक (गुजराती एवं मराठी)
21.	श्री ए. नल्लासामी	भाषा अनुदेशक (तमिल एवं तेलुगु)
22.	श्री अरशद एम नंदन	भाषा अनुदेशक (उर्दू एवं पंजाबी)
23.	श्री के.बी. सिंघा	भाषा अनुदेशक (असामी एवं मणिपुरी)
24.	सुश्री सौदामिनी भूयां	भाषा अनुदेशक (उड़िया एवं बंगाली)
25.	श्री वी. मुत्तिनमठ	भाषा अनुदेशक (मल्यालम एवं कन्नड)
26.	श्री सतपाल सिंह	घुड़सवारी अनुदेशक
27.	रिसलदार चंद्रमोहन सिंह	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक
28.	ए.एस.आई श्री मनोज के.	सहायक शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक

क्रम सं.	संकाय सदस्य का नाम	पदनाम
29.	रिसलदार मेजर पृथ्वी सिंह	घुड़सवारी अनुदेशक
30.	नायब रिसलदार जैसमैल सिंह	सहायक घुड़सवारी अनुदेशक
31.	डॉ0 बी.एस. काला	मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एनएफएसजी)
32.	डॉ0 रामवीर सिंह	मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एनएफएसजी)
33.	डॉ0 ओ.पी. वर्मा	प्रधान पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी
34.	श्री नंदन सिंह दुग्ताल	सहायक निदेशक (राजभाषा)
35.	श्री सत्यबीर सिंह	प्रशासनिक अधिकारी
36.	श्री अशोक के. दलाल	प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)
37.	श्रीमती पूनम सिन्हा	प्रोग्रामर (रेप्रो)
38.	श्री मलकीत सिंह	सहायक पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी
39.	श्री पुरुषोत्तम कुमार	निजी सचिव
40.	डॉ0 अशोक के. नहरिया	मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसएजी)
41.	श्री एस.के. थपलियाल	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
42.	श्री अजय कुमार शर्मा	निजी सचिव
43.	श्री बालम सिंह	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
44.	श्री बिक्रम सिंह	सहायक प्रशासनिक अधिकारी

संकाय सदस्य जिन्होंने वर्ष के दौरान ला.ब.शा.रा.प्र.अ. को छोड़ा			
45.	श्री राजीव कपूर, भा.प्र. सेवा	निदेशक	09.12.2016
46.	श्री दुष्यंत नरियाला, भा.प्र. सेवा	संयुक्त निदेशक	13.01.2016
47.	श्री जयंत सिंह, आई.आर.टी.एस.	उपनिदेशक वरिष्ठ	22.03.2016
48.	श्रीमती रोली सिंह, भा.प्र. सेवा	उपनिदेशक वरिष्ठ	11.01.2016
49.	डॉ0 प्रेम सिंह, भा.प्र. सेवा	उपनिदेशक वरिष्ठ	01.10.2015
50.	सुश्री निधि शर्मा, आई.टी.एस.	उपनिदेशक वरिष्ठ	23.12.2015
51.	श्री अभिषेक स्वामी	उपनिदेशक वरिष्ठ	15.10.2015
52.	श्री सौरभ जैन, भा.प्र. सेवा	उपनिदेशक	04.01.2016
53.	प्रो0 द्वारिका पी. उनियाल	प्रोफेसर, प्रबंधन	29.02.2016

परिशिष्ट–4 : 90वें आधारिक पाठ्यक्रम के प्रतिभागी सेवा–वार विवरण

सेवा	पुरुष	महिलाएं	योग
भा.प्र. सेवा	118	57	175
आईसी एवं सीईएस	17	10	27
आईडीएएस	01	01	02
आई.डी.ई.एस.	02	0	02
भा.व. सेवा	18	01	19
भा.वि. सेवा	19	12	31
आई.आई.एस	01	0	01
भारतीय डाक सेवा	0	01	01
भा.पु. सेवा	35	03	38
आईपीटीएएफएस	1	0	01
आईआरएएस	0	01	01
आईआरपीएफ	02	0	02
आईआरपीएस	03	02	05
आईआरएस	22	12	34
भारतीय रेल यातायात सेवा	01	02	03
रॉयल भूटान सिविल सेवा	03	0	03
आरबीएफएस	02	0	02
आरबीपीएस	04	02	06
योग	**249**	**104**	**353**

परिशिष्ट–5: भारतीय प्रशासनिक सेवा के व्यावसायिक पाठ्यक्रमः चरण–I (2014–16) बैच के प्रतिभागी संवर्ग–वार विवरण

संवर्ग / राज्य	पुरुष	महिलाएं	प्रतिभागियों की संख्या
अगमुट	06	05	11
आंध्र प्रदेश	06	04	10
असम मेघालय	04	03	07
बिहार	07	02	09
छत्तीसगढ़	05	02	10
गुजरात	08	02	07
हरियाणा	04	01	05
हिमाचल प्रदेश	04	0	04
जम्मू–कश्मीर	03	01	04
झारखंड	06	01	07
कर्नाटक	04	03	07
केरल	03	03	06
मध्य प्रदेश	10	03	13
महाराष्ट्र	06	04	10
मणिपुर–त्रिपुरा	04	02	06
नागालैण्ड	03	1	04
ओडिशा	05	01	06
पंजाब	01	05	06
राजस्थान	05	03	08
रॉयल भूटान सिविल सेवा	02	01	03
सिक्किम	0	01	01
तमिलनाडु	08	01	09
उत्तर प्रदेश	14	03	17
उत्तराखण्ड	02	01	03
पश्चिम बंगाल	07	03	10
कुल प्रतिभागी	**127**	**56**	**183**

परिशिष्ट –6: भारतीय प्रशासनिक सेवा चरण–II (2013–15) बैच के प्रतिभागी संवर्ग–वार विवरण

संवर्ग / राज्य	पुरुष	महिलाएं	प्रतिभागियों की संख्या
अगमुट	05	004	09
आंध्र प्रदेश	06	02	08
असम–मेघालय	05	02	07
बिहार	07	02	09
छत्तीसगढ़	06	01	07
गुजरात	05	02	07
हरियाणा	04	0	04
हिमाचल प्रदेश	03	02	05
जम्मू–कश्मीर	02	01	03
झारखंड	05	02	07
कर्नाटक	06	02	08
केरल	04	02	06
मध्य प्रदेश	12	02	14
महाराष्ट्र	08	01	09
मणिपुर त्रिपुरा	03	0	3
नागालैंड	04	0	04
ओडिशा	03	02	05
पंजाब	03	2	05
राजस्थान	08	01	09
रॉयल भूटान सिविल सेवा	03	0	03
सिक्किम	01	0	01
तमिलनाडु	06	03	09
तेलंगाना	02	01	03
उत्तर प्रदेश	08	09	17
उत्तराखंड	02	01	03
पश्चिम बंगाल	06	06	12
कुल प्रतिभागी	**127**	**50**	**177**

परिशिष्ट –7: भारतीय प्रशासनिक सेवा चरण–III (9वां दौर) संवर्ग–वार विवरण

संवर्ग / राज्य	पुरुष	महिलाएं	योग
आंध्र प्रदेश	01	0	01
असम–मेघालय	02	0	02
बिहार	06	01	07
छत्तीसगढ़	08	02	10
गुजरात	09	01	10
हरियाणा	06	01	07
हिमाचल प्रदेश	0	02	02
जम्मू–कश्मीर	0	02	02
झारखंड	06	01	07
कर्नाटक	02	03	05
केरल	01	01	02
मध्य प्रदेश	08	02	10
महाराष्ट्र	01	0	01
मणिपुर–त्रिपुरा	06	01	07
तेलंगाना	01	0	01
नागालैंड	01	0	01
ओडिशा	01	0	01
पंजाब	10	02	12
राजस्थान	01	0	01
तमिलनाडू	03	0	03
संघराज्य क्षेत्र	05	0	05
उत्तर प्रदेश	11	01	12
उत्तराखंड	02	0	02
पश्चिम बंगाल	01	0	01
कुल प्रतिभागी	**92**	**20**	**112**

बैच–वार विवरण

बैच	प्रतिभागियों की संख्या
2000	1
2001	1
2002	14
2003	03
2004	18
2005	43
2006	13
2007	19
कुल प्रतिभागियों की संख्या	112

ग्रुप फोटो : भा.प्र. सेवा चरण–III (2015) का 9वां दौर

परिशिष्ट–8: भारतीय प्रशासनिक सेवा चरण–IV (10वां दौर) संवर्ग–वार विवरण

संवर्ग / राज्य	पुरुष	महिलाएं	योग
अगमुट	02	01	03
आंध्र प्रदेश	02	01	03
असम–मेघालय	02	0	02
बिहार	02	0	02
छत्तीसगढ़	02	02	04
गुजरात	04	0	04
हिमाचल प्रदेश	02	02	04
जम्मू–कश्मीर	01	0	01
झारखंड	02	0	02
कर्नाटक	03	01	04
केरल	02	0	02
मध्य प्रदेश	05	02	07
महाराष्ट्र	03	02	05
मणिपुर–त्रिपुरा	03	0	03
ओडिशा	01	01	02
पंजाब	02	01	03
राजस्थान	02	01	03
तमिलनाडू	04	01	05
उत्तर प्रदेश	02	01	03
कुल प्रतिभागियों की संख्या	**46**	**16**	**62**

बैच–वार विवरण

बैच	प्रतिभागियों की संख्या
1993	1
1994	1
1996	1
1997	07
1998	11
1999	17
2000	24
कुल प्रतिभागियों की संख्या	**62**

ग्रुप फोटो – भा.प्र. सेवा चरण–IV (2015) का 10वां दौर

परिशिष्ट–9: भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण–V (9वां दौर) संवर्ग–वार विवरण

संवर्ग / राज्य	पुरुष	महिलाएं	योग
आंध्र प्रदेश	3	0	3
असम–मेघालय	4	0	4
बिहार	7	0	7
छत्तीसगढ़	2	0	2
गुजरात	5	0	5
हरियाणा	8	2	10
हिमाचल प्रदेश	2	1	3
जम्मू–कश्मीर	3	0	3
झारखंड	1	1	2
कर्नाटक	5	0	5
केरल	2	0	2
मध्य प्रदेश	10	2	12
महाराष्ट्र	5	1	6
मणिपुर–त्रिपुरा	5	0	5
तेलंगाना	3	2	5
ओडिशा	1	0	1
पंजाब	2	1	3
राजस्थान	0	1	1
सिक्किम	2	0	2
तमिलनाडू	1	0	1
संघराज्य क्षेत्र	2	1	3
उत्तर प्रदेश	5	1	6
उत्तराखंड	2	0	2
पश्चिम बंगाल	4	0	4
कुल प्रतिभागियों की संख्या	**84**	**13**	**97**

बैच–वार विवरण

बैच	प्रतिभागियों की संख्या
1983	03
1984	03
1985	11
1986	32
1987	37
1988	11
कुल प्रतिभागियों की संख्या	**97**

परिशिष्ट–10: राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नत/चयनित अधिकारियों का 117वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम संवर्ग–वार ब्योरा

संवर्ग/राज्य	पुरुष	महिलाएं	प्रतिभागियों की संख्या
आंध्र प्रदेश	2	1	3
असम–मेघालय	2	1	3
बिहार	1	0	1
गुजरात	3	0	3
हरियाणा	1	0	1
हिमाचल प्रदेश	1	0	1
कर्नाटक	4	3	7
मध्य प्रदेश	9	0	9
महाराष्ट्र	7	0	7
मिजोरम	2	0	2
मणिपुर–त्रिपुरा	1	0	1
ओडिशा	10	0	10
पंजाब	4	1	5
राजस्थान	3	0	3
तमिलनाडू	4	1	5
उत्तराखंड	3	0	3
उत्तर प्रदेश	6	0	6
पश्चिम बंगाल	4	1	5
कुल प्रतिभागी	**67**	**8**	**75**

बैच–वार विवरण

बैच	संख्या
2000	1
2001	1
2002	4
2003	9
2004	18
2005	5
2006	10
2007	1
2008	7
2009	4
2010	8
2014	2
बैच आवंटित नहीं	5
योग	**75**

1965 बैच के अधिकारियों का स्वर्ण जयंति पुनर्मिलन